THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

आप का दावा-केजरीवाल का शुगर लेवल 50 तक गिरा

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल की ये फोटो 10 मई की है। तब सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद वे तिहाड़ जेल से बाहर आए थे। 2 जून को दिल्ली के सीएम ने तिहाड़ में सरेंडर कर दिया था। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संदीप पाठक शुक्रवार (26 जुलाई) को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अरविंद केजरीवाल का ब्लड शुगर लेवल 50 हो गया है। पाठक ने कहा, उनकी हालत चिंताजनक है। वह चुने हुए सीएम हैं, उन पर कई लोगों का भरोसा टिका हुआ है। ऐसे व्यक्ति को जेल में नहीं रखा जाना चाहिए। आप सांसद ने कहा कि उपराज्यपाल (एलजी) कह रहे है कि केजरीवाल जानबूझकर कर अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

वर्ष-29 अंक : 125 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रवण कृ.7 2081 शनिवार, 27 जुलाई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

कारगिल में मोदी बोले

अग्निवीर पर विपक्ष झूठ फैला रहा

> *इसका मकसद सेना को युवा बनाना*

> *खड़गे ने कहा-पीएम फिर झूठ बोल रहे*

द्रास/कारगिल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लद्दाख में 1999 की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने करीब 20 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान, आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अग्निपथ योजना और विपक्ष पर बात की।

प्रधानमंत्री ने कहा, डिफेंस सेक्टर में रिफॉर्म्स के लिए भारतीय सेनाओं की सराहना करता हूं। उन्होंने कई साहसी फैसले लिए। इसमें अग्निपथ योजना भी शामिल है। दशकों तक संसद में सेनाओं को युवा बनाने पर चर्चा होती रही है। लेकिन हमने इस पर काम किया। कुछ लोगों ने इसे राजनीति का विषय बना दिया। पीएम के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मोदी कह रहे हैं कि उनकी सरकार ने सेना के कहने पर अग्निपथ योजना लागू की। यह झूठ है। यह सेना का अपमान है। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम कारगिल विजय दिवस के मौके पर ओछी राजनीति कर रहे हैं। इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया।

पूर्व आर्मी चीफ (रिटायर्ड) जनरल एमएम नरवणे ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि अग्निपथ योजना में 4 सालों की सेवा के बाद 75 प्रतिशत सैनिकों को रखा जाएगा और 25 प्रतिशत रिटायर्ड हो जाएंगे, लेकिन मोदी सरकार ने इससे उल्टा किया है। योजना को तीनों सेनाओं पर जबरदस्ती लागू किया गया।

पाकिस्तान और आतंकवाद पर

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत कारगिल युद्ध से पहले शांति के प्रयास कर रहा था। बदले में पाकिस्तान ने अपना अविश्वासी चेहरा दिखाया। लेकिन सच के सामने असत्य और आतंक की हार हुई। पाकिस्तान ने अतीत में जितने भी प्रयास किए, उसे मुंह की खानी पड़ी। लेकिन उसने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है। वो आतंकवाद के सहारे प्रॉक्सी वॉर के सहारे अपने आप को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। लेकिन आज जब मैं उस जगह से बोल रहा हूं, जहां आतंक के आकाओं को मेरी आवाज सीधे सुनाई पड़ रही है। मैं आतंकवाद के इन सरपरस्तों को कहना चाहता हूं उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

अग्निपथ स्कीम पर :

डिफेंस सेक्टर में रिफॉर्म्स के लिए भारतीय सेनाओं की सराहना करता हूं। सेना को कार्यशैली और व्यवस्था में भी आधुनिक होना चाहिए, इसलिए देश दशकों से डिफेंस सेक्टर में बड़े बदलावों की जरूरत महसूस करता रहा है।

'ज्यादतियों पर बनी शाह आयोग रिपोर्ट सदन में पेश होनी चाहिए'

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सरकार से आपातकाल की ज्यादतियों पर तैयार की गई शाह आयोग की रिपोर्ट को सदन पर रखने की संभावना तलाशने को कहा। धनखड़ ने कहा कि शाह आयोग ने लोकतंत्र के सबसे काले दौर की जांच की थी। शाह आयोग की रिपोर्ट 1975 में देश में लागू किए गए आपातकाल के दौरान हुए अत्याचारों से संबंधित है।

दरअसल राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान झारखंड से भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने शाह आयोग की रिपोर्ट का मामला उठाया था। इस पर सभापति धनखड़ ने भी समर्थन दिया और कहा कि सरकार को (शाह आयोग की) प्रामाणिक रिपोर्ट हासिल करने और सांसदों और आम जनता के फायदे के लिए शाह आयोग की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखने की संभावना तलाशनी चाहिए। इससे पहले भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि साल 1977 में गठित शाह आयोग की 100 बैठकें हुईं और 48 हजार दस्तावेजों का मूल्यांकन किया गया था।

6 अगस्त 1978 को अंतिम रिपोर्ट पेश की गई। यह रिपोर्ट तीन खंडों में प्रकाशित हुई। भाजपा सांसद ने कहा कि साल 1980 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में सरकार बनी तो शाह आयोग की रिपोर्ट को नष्ट कर दिया गया। लेकिन शाह आयोग की रिपोर्ट की एक प्रति ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध है। यह रिपोर्ट आपातकाल के असल तथ्यों को उजागर करेगी। भाजपा सांसद ने मांग की कि शाह आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। राज्यसभा में पश्चिम बंगाल से टीएमसी सांसद सुष्मिता देब ने असम में बाढ़ से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार से धन जारी करने की मांग की।

सदन में उठा मुद्दा

केरल हाईकोर्ट बोला-धर्म परिवर्तन सर्टिफिकेट में नाम बदलना जरूरी

तिरूबनंतपुरम, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने धर्म परिवर्तन से जुड़े एक मामले में सुनवाई की। इसमें कहा- एजुकेशन सर्टिफिकेट में जाति या धर्म परिवर्तन की मांग को इसलिए नहीं ठुकराया जाना चाहिए क्योंकि इसके लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है।

जस्टिस वीजी अरुण ने कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद संस्थानों को सर्टिफिकेट में आवश्यक सुधार करने होंगे। उन्होंने कहा भले ही स्कूल सर्टिफिकेट में धर्म परिवर्तन के आधार पर नाम बदलने का कोई नियम नहीं है। इसका मतलब ये नहीं है कि किसी व्यक्ति को उसके जन्म के आधार पर किसी एक धर्म से बांध दिया जाए।

हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 25 (1) के तहत किसी भी व्यक्ति को अपनी पसंद का कोई भी धर्म अपनाने की गारंटी दी गई है। अगर कोई व्यक्ति इस आजादी का प्रयोग करके किसी अन्य धर्म को अपनाता है तो उसके दस्तावेजों में सुधार करना जरूरी है।

सिद्धारमैया ने घोटाले पर विपक्ष के आरोप को किया खारिज

बेंगलूरू, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में एमयूडीए घोटाले पर विपक्ष के आरोप को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि इसमें न ही उनका और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य का कोई हाथ है। उन्होंने विपक्षी दल भाजपा और जेडी(एस) पर घृणा और बदले की भावना से उनके खिलाफ राजनीतिक से प्रेरित आरोप लगाने का आरोप लगाया। जिसका उद्देश्य उनकी छवि खराब करना है, क्योंकि विपक्षी दल यह पचा नहीं पा रहे हैं कि वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने एमयूडीए में कथित अनियमितताओं के बारे में सरकार से एक रिपोर्ट मांगी है और एक रिपोर्ट भेजी जाएगी क्योंकि सब कुछ पूरी तरह से कानूनी है। इस

दौरान सिद्धारमैया ने भाजपा-जनता दल (एस) की तरफ से उन पर लगाए गए आरोपों पर पूछा, क्या इसमें मेरी, मेरी पत्नी या मेरे साले की कोई भूमिका है? हमारी जमीन ली गई, जगह बनाई गई और उन्हें दूसरों को आवंटित कर दिया गया। इसलिए मुदा ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए हमें (वैकल्पिक जगह) दूसरों को दी गई जगह दे दी। इसमें क्या अवैधता है? पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि, मेरी भूमिका इसमें बिल्कुल नहीं है। यह पूरी तरह से कानूनी है। भाजपा और जनता दल (एस) राजनीति के लिए झूठे प्रचार में लिप्त हैं और मुझे व्यक्तिगत रूप से बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, वे यह पचा नहीं पा रहे हैं कि मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री बना हूं, और वे 2023 के विधानसभा चुनाव हार गए हैं।

सरकार अगले 90 दिनों में 30 हजार अन्य नौकरियों की भर्ती करेगी : सीएम रेवंत

> *सीएम ने फायरमैन पासिंग आउट परेड में भाग लिया*

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार अगले 90 दिनों में 30,000 अन्य नौकरियों की भर्ती करेगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को रंगारेड्डी जिले के वट्टिनागुलापल्ली गांव में चौथे बैच के सीधे भर्ती वाले फायरमैन कार्यक्रम की पासिंग आउट परेड में भाग लिया। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने सत्ता में आने के एक साल के भीतर ही 60,000 नौकरियां भरी हैं और वह सभी विभागों में नियमित रूप से भर्ती की प्रक्रिया जारी रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने तेलंगाना आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा नहीं किया, लेकिन कांग्रेस सरकार ने नौकरी की अधिसूचनाएं जारी कीं और बेरोजगारों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मेरी सरकार लोगों की सोच के अनुरूप काम करेगी। इसके तहत शिक्षा और कृषि को बजट में सबसे अधिक धनराशि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी बेरोजगार युवाओं को विधायकों और मंत्रियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखने का सुझाव दिया और आश्वासन दिया कि वह सभी की शिकायतों को दूर करने के लिए सभी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव बोले कांग्रेस ने घोटाले किए

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में कांग्रेस ने केवल घोटाले किए। उन्होंने सेना की जरूरतों पर कोई ध्यान नहीं दिया और केवल आयात पर निर्भर रही। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाकर आगे बढ़ाया।

वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कई सुधार किए गए। रक्षा उपकरणों का देश में ही उत्पादन शुरू किया गया। साथ ही निर्यात का बढ़ावा देकर रक्षा क्षेत्र में बड़ी प्रगति की। कांग्रेस शासन में सीमा पर सड़कों के निर्माण को लेकर केवल सवाल उठाए जाते थे। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सशस्त्र बलों के लिए 6800 किमी से अधिक सड़कें बनाई गईं। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले भारत बुलेटप्रूफ जैकेटों का आयात करता था।

मगर अब मोदी सरकार ने देश को आत्मनिर्भर बनाया है। भारत में अब तोपें बन रही हैं और दूसरे देशों को निर्यात की जा रही हैं।

छत्तीसगढ़ में ट्रैक पर गिरे पेड़ से टकराई पैसेंजर ट्रेन

कांकेर/बालोद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बालोद के दल्लीराजहरा से भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, दुर्ग, रायपुर तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन हादसे का शिकार हो गई। पैसेंजर ट्रेन ट्रैक पर गिरे बरगद के पेड़ से टकरा गई। हादसे में ट्रेन के पायलट को हल्की चोटें आई हैं। घटना भानुप्रतापपुर के मुल्ले कैंप के पास की है। ट्रेन के घायल लोको पायलट का नाम पवन कुमार टंडन बताया जा रहा है। पायलट को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि पैसेंजर की अधिकतर बोगियां खाली थी, जिससे ट्रेन में कुछ ही यात्री सवार थे। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

जानकारी के मुताबिक ट्रेन के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जोर की थी कि इंजन के दोनों पहिए ट्रैक से नीचे उतर गए, जिसके चलते ट्रेन ट्रैक पर ही फंसी रही। बताया जा रहा है कि करीब 4 घंटे कड़ी मशक्कत के बाद इंजन को पटरी पर चढ़ाया गया। साथ ही पेड़ को काटकर ट्रैक क्लियर किया गया। दूसरे इंजन की मदद से ट्रेन तकरीबन 11 बजे मुल्ले से अंतागढ़ के लिए रवाना किया गया। आज अंतागढ़ से रायपुर के लिए ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। भानुप्रतापपुर थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख ने बताया कि कांकेर के मुल्ले बीएसएफ कैंप के सामने हुआ है। स्टेशन मास्टर ने पुलिस को तकरीबन सवा 5 बजे हादसे की जानकारी दी। हादसे के बाद हमारी टीम भी पहुंची हुई है, कोई हताहत नहीं है। बता दें कि रेल यात्रियों की सुविधाओं और मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने दल्लीराजहरा-केवटी-रायपुर डेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन को अंतागढ़ स्टेशन तक विस्तार दिया है।

एम-यूपी और छत्तीसगढ़ में भी अग्निवीरों को आरक्षणे

भोपाल/लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी में अभी तक 1 लाख अग्निवीर शामिल किए जा चुके हैं। 2024-25 के लिए 50 हजार वैकेंसी निकाली गई हैं।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार ने सेना के अग्निवीरों को राज्य पुलिस की भर्ती में आरक्षण देने की घोषणा की है। कारगिल विजय के 25 साल पूरे होने पर तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसकी घोषणा की है। हालांकि आरक्षण कितना मिलेगा, इसकी जानकारी नहीं दी गई।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को कहा कि अग्निवीर जब सेना में सेवा के बाद वापस आएंगे तो उन्हें राज्य पुलिस और फॉरेस्ट गार्ड की भर्ती में आरक्षण के साथ छूट दी जाएगी। दो साल पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की थी।

'अयोग्य हों उद्धव ठाकरे के विधायक'

शिंदे गुट फिर पहुंचा हाई कोर्ट, क्या है मामला ?

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना के विधायकों की अयोग्यता के मामले में शिंदे गुट ने फिर से बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने तत्काल सुनवाई की मांग की है। भरत गोगावले ने याचिका दायर की है जिसमें उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें ठाकरे गुट के विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया था। इस मामले की सुनवाई 6 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सुनाया था फैसला

शिवसेना के विभाजन के बाद, शिंदे और ठाकरे गुटों ने एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए याचिकाएं दायर की थीं। सितंबर से दिसंबर 2023 तक चली सुनवाई के बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 10 जनवरी को फैसला सुनाया था जिसमें शिंदे गुट के विधायकों को राहत दी गई थी और ठाकरे गुट के विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया था। भरत गोगावले ने अब इस फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है और सुनवाई को विधायक कार्यकाल समाप्त होने से पहले कराने की मांग की है।

शिवसेना (यूबीटी) गुट के वकील ने दी ये दलील

उद्धव ठाकरे गुट के वकील विनय कुमार खाटू ने याचिका पर तत्काल सुनवाई के खिलाफ आपत्ति जताते हुए सवाल किया कि सात महीने बाद अचानक तत्काल सुनवाई की आवश्यकता क्यों है। जस्टिस अतुल चांदुरकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई 6 अगस्त को निर्धारित की है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि विधानसभा अध्यक्ष का फैसला मनमाना, अवैध और असंवैधानिक है, और उन्होंने प्रस्तुत सबूतों पर विचार नहीं किया। याचिका में यह भी कहा गया है कि ठाकरे गुट के विधायकों ने स्वेच्छा से पार्टी छोड़ी थी, जिसे स्पीकर ने ध्यान में नहीं रखा। बता दें, कुछ महीने पहले महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अपने फैसले में एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना बताया था।

चलती ट्रेन से यात्री के गिरने से वीडियो वायरल, मुंबई लोकल ट्रेन में भारी भीड़ के चलते हुआ हादसा

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लोकल ट्रेन के कई वीडियो वायरल होते रहते हैं। जान जोखिम में डालकर यात्रा करना मुंबई के लोगों का एक चलन है। दावा किया जाता है कि मुंबई में प्रतिदिन दस लोग ट्रेन दुर्घटना में मारे जाते हैं। अब एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स चलती ट्रेन से गिर गया। शख्स को गिरता देख लोगों की चीख निकल गई। वायरल वीडियो मुंबई के सेंट्रल लाइन का बताया जा रहा है। मुंबई लोकल ट्रेन के साथ ही एक एक्सप्रेस ट्रेन भी गुजर रही थी। एक्सप्रेस ट्रेन में बैठे लोग लोकल ट्रेन में लटककर यात्रा कर रहे लोगों का वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। इसी दौरान चार लड़के छोटी सी जगह पर लटके दिखाई दिए।

संविधान हत्या दिवस घोषित करने वाली केंद्र सरकार की अधिसूचना पर दिल्ली हाईकोर्ट की मुहर

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करने वाली केंद्र सरकार की अधिसूचना पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मुहर लगा दी है। सरकार की अधिसूचना को बरकरार रखते हुए इसके खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि अधिसूचना संविधान का उल्लंघन या अनादर नहीं करती है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा को चुनौती नहीं देती है, बल्कि शक्ति का दुरुपयोग और संवैधानिक प्रविधानों का दुरुपयोग और इसके बाद होने वाली ज्यादतियों को चुनौती देती है। याचिकाकर्ता समीर मलिक ने याचिका दायर कर तर्क दिया था कि आपातकाल की घोषणा संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत की गई थी और इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि यह संविधान की हत्या करके किया गया था।

सीबीआई अदालत ने हत्या मामले में 14 लोगों को दोषी ठहराया, 30 जुलाई को सजा पर सुनवाई

तिरुवनंतपुरम, 26 जुलाई (एजेंसियां)। केवल में सीबीआई अदालत ने 2010 में कोल्लम के आंचल में एक आईएनटीयूसी नेता की उनके घर पर हत्या करने के मामले में 14 लोगों को दोषी ठहराया है। इन 14 लोगों में राज्य में सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के जिला स्तर के सदस्य भी शामिल है। सीबीआई की विशेष अदालत के न्यायाधीश राजीव केएस ने 25 जुलाई को गिरीश, अफसल, नजुमल, शिबू, विमल, सुधीश, शान, रथीश, बीजू, रेन्जिथ, सली और मुनीर को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत दोषा पाया। सभी के जमानत बॉन्ड रद्द कर उन्हें जेल में भेज दिया गया। उन्हें 30 जुलाई को अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा।

अदालत ने आईपीसी की धारा 212 के तहत एक अपराधी को शरण देने के आरोप में सुमन पीएस और सीपीआई(एम) कोल्लम जिला समिति के सदस्य बाबू पणिक्कर को भी दोषी ठहराया, लेकिन उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इन दोनों को 30 जुलाई को अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। इस मामले में दोषी ठहराए गए 14 लोगों के अलावा अन्य चार रियास, मार्कसन येसुदास, जयमोहन और रॉयकुट्टी को रिहा कर दिया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, साल 2010 में आईएनटीयूसी नेता रामभद्रन की उनके घर के अंदर उनके परिवार के सामने हत्या कर दी गई थी। अपराधी 10 अप्रैल 2010 को पीड़ित के घर में घुसा था। इसके बाद पीड़ित की पत्नी और दो बच्चों के सामने उसकी हत्या कर दी।

रेलगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतरे रेलवे बोर्ड तक मचा हड़कंप

भुवनेश्वर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा में भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को एक रेल दुर्घटना हो गई। इस दुर्घटना में एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। सुबह आठ बजे हुई इस दुर्घटना में सबसे अच्छी बात यह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। रेलट्रैक को शुरू करने के लिए टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। फिलहाल घटनास्थल पर मरम्मत का काम जारी है। अधिकारियों ने बताया है कि मालगाड़ी का डिब्बे को पटरी से हटाया जा रहा है। निचली लाइन प्रभावित हुई है और मध्य और ऊपरी लाइन चालू है।

हालत नाजुक; सुसाइड नोट बरामद

दिल्ली एयरपोर्ट पर एएसआई ने खुद को मारी गोली

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के डोमेस्टिक एयरपोर्ट पर तैनात एएसआई जगबीर सिंह ने बृहस्पतिवार को खुद को सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर जान देने की कोशिश की। उन्हें पास के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इनके पास से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने बीमारी से परेशान होकर कदम उठाने की बात लिखी है। जांच में पता चला कि उन्हें गंभीर माइग्रेन की बीमारी है और उनका इलाज चल रहा है।

बंगाल-केरल के आठ बिलों को एक साल से नहीं मिली मंजूरी

एससी ने केंद्र और दोनों राज्यपालों के सचिवों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल और केरल में विभिन्न विधेयकों को मंजूरी न देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र और राज्यपालों के सचिवों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने दोनों राज्य सरकारों की अलग-अलग याचिकाओं पर राज्यपालों के सचिवों से विधेयकों को मंजूरी न देने और उन्हें राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने के खिलाफ जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी परिदवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और दोनों राज्यपालों के सचिवों को नोटिस जारी किए हैं। केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता केके वेणुगोपाल ने कहा कि वे विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने के राज्यपाल के फैसले को चुनौती दे रहे हैं।

एससी आते ही विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज देते

इसी तरह, पश्चिम बंगाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और जयदीप गुप्ता ने कहा कि जब भी मामला सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध होता है, राज्यपाल कार्यालय विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज देता है।

अरब सागर में बही टगबोट में मौजूद सभी लोगों को बचाया गया, तूफानी मौसम में फंस गया था मालवाहक जहाज

अलीबाग, 26 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अलीबाग तट के पास अरब सागर में बह गई एक टगबोट के चालक दल के सभी 14 सदस्यों को बचा लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। तटरक्षक बल की मदद से जेएसडब्ल्यू समूह ने बचाव अभियान चलाया। तटरक्षक बल के एक हेलीकॉप्टर को बचाव अभियान में लगाया गया। रायगढ़ पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घरगे ने बताया कि सुबह के नौ बजे बचाव अभियान चलाया गया था और सभी सदस्यों को बचा लिया गया। हेलीकॉप्टर के जरिए चालक दल के सदस्यों को टगबोट के निकाल कर अलीगढ़ बीच ले जाया गया।

राहुल गांधी का नया बंगला दिल्ली के सुनहरी बाग रोड पर

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा नेता विपक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी को नया आवास दे दिया गया है। अब राहुल गांधी का नया ठिकाना सुनहरी बाग रोड पर बंगला नंबर 5 होगा। अपने नए टाइप 8 बंगले को लेकर राहुल गांधी ने भी मंजूरी दे दी है। इससे पहले वायनाड से उनकी सांसदी जाने के बाद उनका 12 तुगलक लेन वाले घर को घर को छीन लिया गया था। सांसदी बहाल होने के बाद भी राहुल गांधी ने इस बंगले को वापस नहीं लिया था। सांसदी बहाल के बाद बंगला न लेने पर राहुल गांधी ने कहा था कि 'पूरा भारत ही मेरा घर है।' रायबरेली सांसद बनने के बाद उन्होंने अपने नए बंगले के लिए हामी भर ली है। बंगला आवंटित होने के बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बंगले का मुआयना करने पहुंची हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की जा रहीं तस्वीरों में ये बेहद आलीशान और बड़ा नजर आ रहा है।

सांसद से कितनी दूर है नया घर ?

राहुल गांधी का सुनहरी बाग रोड का नया घर संसद से करीब 2.5 किमी की दूरी पर है। जबकि इससे पहले 12 तुगलक लेन वाला घर संसद से करीब 4 किमी की दूरी पर था। उनके इस नए बंगले को देखकर उनके समर्थक काफी खुश हैं। उनके समर्थक ने बंगले की वीडियो ट्वीट करते हुए एक्स पर लिखा, "मुहब्बत की दुकान का नया पता सुनहरी बाग रोड पर बांगला नंबर 5।"

कितने तरह के बंगले होते हैं आवंटित ?

भारत में सांसदों मंत्रियों और सरकारी अफसरों को तरह के बंगले दिए जाते हैं। जिसमें सबसे बड़ी श्रेणी टाइप 8 होती है। टाइप 8 बंगले केंद्रीय मंत्रियों को दिए जाते हैं। राहुल गांधी केंद्रीय मंत्री तो नहीं है पर नेता विपक्ष हैं, जिसके चलते उनको ये बंगला आवंटित हुआ है। बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को टाइप-5 और टाइप-6 के आवास दिए जाते हैं। टाइप-5 और टाइप-6 आवास सांसदों को उनकी सीनियरिटी के आधार पर अलौट होते हैं।

करोड़ों की ड्रग तस्करी का आरोपी पूर्व डीएसपी बोला-मैं राजनीति का शिकार बना सीबीआई से करवाई जाए जांच

बठिंडा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। करोड़ों की ड्रग तस्करी के आरोपी पूर्व डीएसपी जगदीश भोला के पिता का शुक्रवार को देहांत हो गया। भोला पिता के अंतिम संस्कार के लिए बठिंडा पहुंचा। वहां मीडिया से बातचीत में भोला ने कहा कि मुझ पर दर्ज नशा तस्करी के केस की सीबीआई जांच करवाई जाए। अगर मेरा कसूर निकले तो मुझे फांसी लगा देना। उसने कहा कि मैं राजनीति का शिकार हुआ हूं, जो मेरे साथ में केस में थे, वो सब जेल से बाहर आ चुके हैं पर मुझे जमानत तक नहीं दी जा रही।

संजय राउत का बड़ा बयान

'पीएम मोदी ने चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को बहुत बड़ी फिरौती देकर अपनी कुर्सी बचा रहे हैं

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि आपने देखा होगा कि पीएम मोदी ने चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को बहुत बड़ी फिरौती देकर अपनी कुर्सी बचा रहे हैं। उन्होंने कहा, "चुनाव बजट में जिस तरह से इन दोनों को पैसा दिया है वो कुर्सी बचाने के लिए ही दिया गया है। ये बजट अजैविक बजट है और पूरा पैसा कुर्सी बचाने के लिए उनको दिया है।"बता दें कि केंद्रीय बजट में बिहार के लिए कई बड़े कदम उठाए जाने की घोषणा की गई। इनमें राज्य में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 60,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रस्ताव किया गया है। इनमें तीन एक्सप्रेसवे, एक बिजली संयंत्र, गलियारों, नए हवाई अड्डे और खेल बुनियादी ढांचे के लिए योजनाओं की रूपरेखा पेश की गई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार में तीन सड़क संपर्क परियोजनाओं पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे और बोधगया, राजगीर, वैशाली और दरभंगा एक्सप्रेसवे और बक्सर में गंगा नदी पर एक अतिरिक्त दो-लेन पुल के विकास के लिए केंद्र के समर्थन की घोषणा की।

मणिपुर हिंसा के बाद पहली बार पीएम मोदी से होगी मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की मुलाकात

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने घोषणा की है कि उन्होंने कुकी विधायकों को 31 जुलाई से शुरू होने वाले राज्य विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए इनवाइट किया है। मुख्यमंत्री मणिपुर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी करने वाले हैं। मणिपुर में शुरू हुई जातीय हिंसा ने कम से कम 220 लोगों की जान ले ली है और 50,000 से अधिक लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार मणिपुर के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरते रहे हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी हिंसक घटनाओं की निंदा की जानी चाहिए और उन्हें रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। इस बैठक के बीच वह पीएम मुलाकात कर मणिपुर में हालात को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे उपायों पर बातचीत करेंगे।

क्या बोले एन बीरेन सिंह ?

एन बीरेन सिंह ने कुकी-ज़ो विधायकों की विधानसभा में भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "मैंने उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी आमंत्रित किया है। सदन (विधानसभा) भी उन्हें आमंत्रित कर रहा है। उन्हें सदन में आना चाहिए और सत्र में भाग लेना चाहिए। यदि वे मेरी सहायता और सहयोग चाहते हैं तो हम सदन में उनकी उपस्थिति की सुविधा प्रदान करेंगे।"इसके अलावा बीरेन सिंह ने कहा कि न्होंने कहा, 'राज्य में धीरे-धीरे शांति लौट रही है और हमें इसे बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करना चाहिए। हमें हिंसा के कृत्यों की निंदा करनी चाहिए और उन्हें रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए।" सीधे तौर पर कांग्रेस का नाम लिए बिना सिंह ने कहा, 'केंद्र सरकार ने शुरू से ही राहत प्रयासों का लगातार समर्थन किया है, भले ही संसद में राज्य का उल्लेख किया गया हो या नहीं। हमें तुच्छ राजनीति में शामिल होने से बचना चाहिए।

जहरीली गैस से 4 लोगों ने गंवाई जान, सीएम मोहन यादव ने किया सहायता राशि का ऐलान

कटनी, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कटनी से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां कुएं में उतरे चार मजदूरों की जहरीली गैस की वजह से जान चली गई। मोटर लगाने उतरे चारों मजदूरों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि अंदर गैस बन रही है, लेकिन जब तक उन्हें समझ आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चारों मजदूरों की मौत पर सीएम मोहन यादव ने दुख जताया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शोक जताते हुए मृतकों के परिवार के लिए चार-चार लाख रुपये सहायता राशि का ऐलान किया है। मामला कटनी जिले के मुड़वारा विधानसभा के ग्राम जुहली में कुएं में सबमर्सिबल पंप लगाने चार लोग उतरे थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किसान द्वारा अपने खेत के कुएं में सबमर्सिबल मोटर पंप लगाते समय जहरीली गैस के रिसाव से हुई दुर्घटना में 4 अनमोल जिंदगियों के असामयिक निधन के समाचार को हृदयविदारक बताते हुए शोक व्यक्त किया है।

राज ठाकरे की एकला चलो नीति

क्या महाराष्ट्र में होगा त्रिकोणीय चुनाव ?

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की है। इस बैठक की अहमियत इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से खुद को न सिर्फ चुनाव की तैयारियों में झोंक देने को कहा है बल्कि पार्टी के अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटें हैं। राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस ने 250 सीटों पर लड़ने की तैयारी शुरू की है। राज ठाकरे की पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़कर कोई बहुत बड़ा करिश्मा अब तक नहीं कर पाई है लेकिन जीत हार के गणित को प्रभावित करने की ताकत रखती है। कट्टर हिंदुत्व और आक्रामक छवि राज की पहचान है । मराठी वोट बैंक पर राज ठाकरे की पकड़ मानी जाती है।

अभी लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे ने दिल्ली आकर बीजेपी के बड़े नेताओं से मुलाकात की थी। लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे ने एनडीए को समर्थन भी दिया था और तब ये बात सामने आई थी कि विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे का गठबंधन एनडीए से हो सकता है। लोकसभा चुनाव में एनडीए को उतनी सफलता नहीं मिली लिहाजा राज ठाकरे ने विधानसभा चुनाव में रास्ता अलग करने का मन बना लिया है। अब राज ठाकरे के अलग चुनाव लड़ने से होगा ये कि महाराष्ट्र की सियासत में मराठी वोट बैंक पर तीन पार्टियां उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और राज ठाकरे की एमएनएस अपना दावा करेंगी। पब्लिक का सपोर्ट किसे मिलेगा ये तो चुनाव में मालूम चलेगा।

फिलहाल राज ठाकरे के अलग लड़ने के फैसले ने सूबे की चुनावी सियासत को त्रिकोणीय बनाने का काम शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र में एक तरफ महाविकास अघाड़ी है जिसमें उद्धव, शरद पवार और कांग्रेस हैं तो दूसरी तरफ महायुती है जिसमें शिंदे, बीजेपी और अजित पवार हैं। राज ठाकरे ने शिवसेना से बगावत कर साल 2006 में अपनी पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना बनाई थी। मराठी मानुष के मुद्दे पर अपनी छवि आक्रामक नेता की बनाई। हिंसा, बवाल और उत्तर भारतीयों के खिलाफ राजनीति करके सर्खिया जरूर बटोरी लेकिन चुनावी राजनीति में कोई खास कमाल नहीं कर पाए।

राज्यसभा में हुआ हंगामा, कांग्रेस का सवाल- किसानों को कब एमएसपी देगी सरकार ?

भोपाल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा में आज एमएसपी के मुद्दे पर काफी हंगामा देखने को मिला। समाजवादी पार्टी के एक सांसद ने सरकार से सवाल किया कि सरकार किसानों को एमएसपी कब तक देगी? इसका जवाब जब कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान दे रहे थे, तभी कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला अपनी सीट से उठे और शिवराज सिंह चौहान से जलेबी की तरह बात घुमाने के बजाय एमएसपी पर सीधा जवाब देने को कहा कि सरकार बताए कि एमएसपी कब लागू की जाएगी। इसके बाद विपक्षी सांसद नारेबाजी करने लगे। इसके बाद राज्यसभा चेयरमैन ने कांग्रेस के सांसदों की ओर देखकर कहा कि आप अपने गिरेबान में झांक कर देखिए। उन्होंने कहा कि किसान को फांसी तक टांगने का काम विपक्षी सांसद कर रहे हैं। जो किसान के मुद्दे को सदन में नहीं उठाने दे रहे हैं। इसके बाद राज्यसभा चेयरमैन ने रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सदन से बाहर जाने का आदेश दिया।

देश में पिछले पांच वर्षों में सैकड़ों बाघों की हुई मौत, सरकार ने संसद में पेश किए अहम आंकड़े

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। देश में बीते पांच वर्षों में 628 बाघों की मौत हुई है। इनमें प्राकृतिक कारणों के साथ ही शिकार के दौरान मारे गए बाघों की संख्या भी शामिल है। सरकार ने यह आंकड़े पेश किए हैं। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के डाटा के अनुसार, साल 2019 में देश में 96 बाघ मारे गए। साल 2020 में यह आंकड़ा 106, साल 2021 में 127, साल 2022 में 121 और साल 2023 में 178 बाघ मारे गए।

बीते पांच वर्षों में 349 लोग बाघ के हमलों में मारे गए

केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया कि बीते पांच वर्षों में 349 लोग बाघ के हमलों में मारे गए हैं। महाराष्ट्र राज्य में सबसे ज्यादा 200 लोग बाघ के हमलों में जान गंवा चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2019 और 2020 में 49-49 लोगों की मौत बाघ के हमलों में हुई। वहीं 2021 में 50, 2022 में 110 और 2023 में 82 लोगों की जान बाघ के हमलों में गई। उत्तर प्रदेश में 59 और मध्य प्रदेश में 27 लोगों की मौत बाघ के हमलों में हुई।

देश में अभी इतनी है बाघों की कुल संख्या

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में साल 2012 के बाद सबसे ज्यादा बाघों की मौत हुई। अभी देश में मौजूद बाघों की कुल संख्या 3,682 है, जो पूरी दुनिया में पाए जाने वाले बाघों की कुल जनसंख्या का 75 प्रतिशत है। सरकार के ये आंकड़े साल 2022 के हैं। भारत सरकार ने साल 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की थी।

इसी प्रोजेक्ट टाइगर के तहत देश में बाघों के संरक्षण की शुरुआत की गई। शुरुआत में 18,278 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले नौ टाइगर रिजर्व से प्रोजेक्ट टाइगर को शुरू किया गया था। आज देश में कुल 55 बाघ संरक्षण केंद्र हैं, जो कुल 78,735 वर्ग किलोमीटर का इलाका कवर करते हैं। यह देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है।

बरसते पानी में 10 घरों को बुलडोजर से ढहाया

इंदौर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर नगर निगम ने बारिश के बीच 10 घरों पर बुलडोजर चला दिया। निगम का अमला एक बिल्डर की जमीन पर बने 75 अवैध मकान ढहाने पहुंचा था। रहवासियों के भारी विरोध के बीच कार्रवाई रोकनी पड़ी। निगम का अमला शुक्रवार सुबह जेसीबी और पुलिस बल के साथ न्याय नगर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान भारी हंगामा और हाथापाई हुई। रहवासियों ने निगम अमले पर हमला कर दिया। कुछ लोग जेसीबी के सामने लेट गए। एक रहवासी महिला की तबीयत बिगड़ी है। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया। विरोध बढ़ता देख कार्रवाई रोक दी गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 27 जुलाई, 2024 3

सु वि चा र

सामान्य जीवन में बहुत बुरा जिस प्रकार असहनीय होता है, उसी प्रकार बहुत अच्छा होना भी कष्टदायक ही होता है।

सरकार जल्द ही धरणी की सभी समस्याओं का स्थायी समाधान खोजेगी : रेवंत रेड्डी

अधिकारियों को लोगों से सुझाव मांगने का निर्देश

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि धरणी पोर्टल के उपयोग में आने वाली हर समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए एक विस्तृत अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री राज्य में हर दिन बढ़ती भूमि स्वामित्व समस्याओं को देखते हुए एक व्यापक अधिनियम तैयार करना चाहते हैं। सीएम ने आज (शुक्रवार) शाम सचिवालय में धरणी पोर्टल की समीक्षा की। सीएम रेवंत रेड्डी ने देखा कि जो भूमि रिकॉर्ड कभी गांव स्तर पर उपलब्ध थे, वे अधिनियमों में बदलाव के कारण धीरे-धीरे मंडल और जिलों से भी राज्य मुख्यालय में स्थानांतरित हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि पहले लोगों को भूमि मुद्दों को हल करने के लिए अपील करने का अवसर दिया गया था।

धरणी की शुरुआत के बाद, भूमि संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए ग्राम और मंडल अधिकारियों के स्थान पर जिला कलेक्टरों को सभी अधिकार सौंपे गए। इसके अलावा, कलेक्टरों के फैसले एकतरफा हो गए हैं और धरणी पोर्टल में भूमि संबंधी मुद्दों का समाधान नहीं हो रहा है। ऐसी सभी चुनौतियों से निपटने के लिए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लोगों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करने और भूमि संबंधी विवादों को हल करने के लिए उनके सुझाव मांगने को कहा। एक सर्वदलीय बैठक भी आयोजित की जाएगी और एक व्यापक अधिनियम लाने के लिए उनकी राय ली जाएगी। राजस्व अधिकारियों को एक मंडल का चयन करने के लिए कहा गया है जहां भूदान, पोरामबोकू, बनचाराई, इनाम और कंदिशिका भूमि के मुद्दे लंबित हैं और प्रत्येक भूमि संबंधी मुद्दे पर स्पष्टता प्राप्त करने के लिए एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करें। सीएम ने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो राज्य विधानसभा के चल रहे बजट सत्र में धरणी पर बहस की जाएगी और अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

राज्य के राजस्व मंत्री पी श्रीनिवास रेड्डी, पंचायत राज मंत्री सीताक्का, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, राज्य सरकार के सलाहकार केशव राव, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, पूर्व मंत्री जना रेड्डी, धरणी समिति के सदस्य कोडंडा रेड्डी और सुनील कुमार, रेमंड पीटर, मधुसूदन, सीसीएलए नवीन मित्तल, मुख्य सचिव शांति कुमारी, मुख्यमंत्री के सचिव वी. शेषाद्री, मुख्यमंत्री के सचिव बेमुला श्रीनिवासुलु, संगीता सत्यनारायण और अजित रेड्डी उपस्थित हैं।

शिक्षा बजट आवंटन पर्याप्त नहीं

टीएस यूटीएफ ने जताई चिंता

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य संयुक्त शिक्षक संघ (टीएस यूटीएफ) ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ोतरी के बावजूद इस वर्ष शिक्षक क्षेत्र के लिए बजट आवंटन पर्याप्त नहीं होगा। इस साल के 2.91 लाख करोड़ रुपये के बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए कुल 21,292 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले साल के आवंटन से 2,200 करोड़ रुपये ज्यादा है। हालांकि, टीएस यूटीएफ ने गुरुवार को कहा कि यह कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में घोषित 15 प्रतिशत के आधे से भी ज्यादा है। टीएस यूटीएफ के अध्यक्ष के जंगैया और महासचिव चावा रवि ने राज्य सरकार से शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटन की समीक्षा और वृद्धि करने का आग्रह किया क्योंकि वर्तमान बजट सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली के विकास के लिए पर्याप्त नहीं होगा। टीएस यूटीएफ ने सरकार से कक्षा तीन तक की पूर्व-प्राथमिक शिक्षा को आंगनवाड़ियों में विलय करने के अपने फैसले को वापस लेने की मांग की, क्योंकि यह सरकारी प्राथमिक स्कूलों के लिए एक बड़ा झटका होगा।

उन्होंने कहा कि अभिभावक आंगनवाड़ियों को प्री-प्राइमरी स्कूल नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा कि प्राथमिक कक्षाओं को आंगनवाड़ियों में विलय करने से कई प्राथमिक स्कूलों के बंद होने का खतरा है। स्कूली शिक्षा में सुधार लाने से पहले वे चाहते हैं कि सरकार अभिभावकों की राय ले, जो मुख्य हितधारक हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वीएच ने पंचायत राज चुनावों के संचालन पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की समीक्षा बैठक के संदर्भ में जाति गणना पूरी होने के बाद ही पंचायत राज चुनावों में जाने के लिए मंत्री पोन्नम प्रभाकर को एक याचिका सौंपी।

वीएच ने कहा कि जातिगत गणना के बाद पंचायत राज का चुनाव होगा तो बीसी के साथ न्याय होगा। वरिष्ठ नेता वीएच का कहना है कि राहुल गांधी ने जाति गणना की तुलना एक्स-रे से की। वीएच ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ईमानदारी से जाति गणना पर संसद में बिल लाती है तो राहुल गांधी का समर्थन सभी पार्टियां करेंगी। पिछले दिनों आईआईआईटी और आईआईएम में आरक्षण बिल सभी के समर्थन से पास हो गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने की छापेमारी

सुपरमार्केट में बेचे जा रहे थे सड़े प्याज

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऐप पर शिकायतें मिलने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बोडुप्पल के आकृति टाउनशिप में रत्नदीप सुपरमार्केट और सिकंदराबाद के रामपल्ली में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी टिफिन सेंटर पर छापेमारी की। सुपरमार्केट में अधिकारियों को बिक्री के लिए रखे गए स्टॉक में सड़े हुए प्याज मिले। तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से ट्वीट में कहा गया कि लाइसेंस की कॉपी प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित नहीं की गई। खाद्य संचालकों के लिए मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं है। परिसर में प्रशिक्षित पर्यवेक्षक भी नहीं था। टिफिन सेंटर में खाद्य पदार्थ सीधे सड़क के किनारे रखे गए थे और रसोई क्षेत्र में अस्वच्छ स्थितियां देखी गईं। खाद्य पदार्थों को संभालने वाले गंदे कपड़े पहने हुए पाए गए और उनके पास कोई मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र भी नहीं था। जल विश्लेषण रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं थी। उपरोक्त परिसरों को नोटिस जारी किए जाएंगे और तदनुसार आगे की कार्रवाई किए जाने की उम्मीद है।

भाजपा महिला मोर्चा ने बजट के विरोध में धरना दिया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा महिला मोर्चा ने बजट के विरोध में डॉक्टर बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के पास, अंबेडकर चौराहा टैंकबंड पर धरना दिया दिया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शिल्पा रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने राज्य बजट में महिलाओं को बड़ी छूट देने का अपना वादा तोड़ दिया। महिला जगत को हेय दृष्टि से देखने वाले बजट में दी गई गारंटी हवा-हवाई रह गई और महिलाओं के साथ अन्याय हुआ।

उन्होंने कहा कि यह नहीं बताया गया कि महिलाओं को 4 हजार पेंशन कब से मिलेगी। प्रत्येक महिला को महालक्ष्मी योजना के तहत 2500 रुपये का उल्लेख नहीं है। छात्रों को दी जाने वाली स्कूटी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले महिलाओं को 6 गारंटी के नाम पर आश्वासन देने वाली सोनिया और प्रियंका गांधी या सरकार में शामिल महिला मंत्री इसका जवाब देंगी। शिल्पा रेड्डी ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बजट में तेलंगाना की महिलाओं के साथ अन्याय हुआ। बीजेपी प्रदेश महिला मोर्चा ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर महिलाओं से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए तो महिला मोर्चा के नेतृत्व में तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर के अंबेडकर चौराहा पर बड़े पैमाने पर धरना दिया जाएगा।

दिलसुखनगर बम धमाकों के मास्टरमाइंड की मौत

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दिलसुखनगर बम धमाकों के मास्टरमाइंड और इंडियन मुजाहिदीन के कथित आतंकी सैयद मकबूल (52) की शहर स्थित गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। चर्लापल्ली जेल में बंद मकबूल पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। 30 दिन पहले उसके दिल का ऑपरेशन हुआ था। बाद में उसकी किडनी फेल हो गई और उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार तड़के उसकी मौत हो गई। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने देश भर में हुए कई बम धमाकों में उसकी संलिप्तता पाई थी। दिलसुखनगर धमाकों के मामले में दिल्ली की एक अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सैयद मकबूल के खिलाफ 6 महीने पहले हैदराबाद में मामला दर्ज किया गया था। उसे ट्रांजिट वारंट पर दिल्ली से यहां लाया गया था। महाराष्ट्र के नांदेड़ का रहने वाला सैयद मकबूल इंडियन मुजाहिदीन के संस्थापक आजम गौरी का करीबी माना जाता है। एनआईए ने बताया कि 2006 में वाराणसी, 2007 में मुंबई, 2008 में जयपुर, 2009 में दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलुरू और दिलसुखनगर में हुए सीरीयल धमाकों के पीछे उसकी भूमिका थी।

वरिष्ठता सूची तैयार कर पदोन्नति देने का अनुरोध

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। "तेलंगाना देवदायशाखा मंदिर कर्मचारी संघ" ने शुक्रवार को लंबे समय से लंबित सेवा नियमों को संशोधित करने के लिए देवदाय धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर संगम अध्यक्ष रंगारेड्डी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर मंत्री सुरेखा को शॉल ओढ़ाकर, प्रसाद भेंट कर और वेदशिर्वम भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर मंदिर कर्मचारी संघ ने मंत्री सुरेखा से जल्द से जल्द वरिष्ठता सूची तैयार कर पदोन्नति देने का अनुरोध किया। मंत्री सुरेखा ने उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

डीजीपी ने डायल 100/112 कॉल दक्षता में सुधार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र आईपीएस ने आज सभी सीएसपी, एसएचओ और थाना प्रभारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर डायल 100/112 कॉल की परिचालन दक्षता बढ़ाने पर चर्चा की।

कॉन्फ्रेंस के दौरान डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने जन सुरक्षा की रक्षा और त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में डायल 100/112 सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। डीजीपी ने डायल 100/112 हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त कॉल पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया और सेवा में सुधार के लिए अभिनव रणनीति साझा की। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश एम भागवत और वी.वी. श्रीनिवास राव के साथ पुलिस महानिरीक्षक एम. रमेश और वी. सत्यनारायण, हैदराबाद सिटी ज्वाइंट सीपी परिमाला हाना नूतन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए और डायल 100 सेवा को बेहतर बनाने के लिए बहुमूल्य जानकारी और सुझाव दिए। सभी अधिकारियों ने समयबद्ध तरीके से इसे और बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

डीजीपी ने सभी अधिकारियों को व्यावसायिकता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसका उद्देश्य पुलिस बल में जनता का विश्वास और भरोसा बढ़ाना है।

बैठक का समापन सभी प्रतिभागियों की ओर से डायल 100 सेवा की दक्षता और प्रभावशीलता को सहयोग करने और बढ़ाने की एकीकृत प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

राज्य बजट के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर जूपल्ली ने केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने राज्य बजट के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की आलोचना की है। शुक्रवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क द्वारा पेश किया गया राज्य बजट वास्तविकता के करीब है और इसमें लोगों को धोखा देने वाले कोई बयान नहीं हैं। जूपल्ली ने कहा, भले ही भट्टी विक्रमार्क ने पहली बार बजट पेश किया हो, लेकिन हर मुद्दे पर स्पष्टता है और बजट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि राज्य सरकार लोगों के लिए क्या कर रही है और आने वाले दिनों में क्या कर सकती है। भट्टी ने केसीआर की तरह गैस बजट पेश नहीं किया, जो पिछले दस वर्षों के दौरान किया था। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने पहले ही 31,000 करोड़ रुपये के साथ 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण को माफ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने आगे कहा कि धान की फसल के लिए प्रति क्विंटल 500 रुपये बोनस देने के अलावा, कांग्रेस सरकार ने इस साल किसानों के लिए फसल बीमा योजना शुरू की है, जो सुविधा बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान नहीं थी। जूपल्ली कृष्ण राव ने कहा, केसीआर अपने झूठे बयानों से लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें विधानसभा में आकर इस बहस में हिस्सा लेना चाहिए कि पिछले दस सालों में उन्होंने क्या किया और कांग्रेस सरकार किसानों को क्या सुविधाएं दे रही है।

कक्षा में छाता पकड़े छात्रों की तस्वीर वायरल

नेन्नल एमईओ को किया गया निलंबित

मंचेरियल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेन्नल प्रभारी मंडल शिक्षा अधिकारी को कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है। इस आशय का आदेश जिला शिक्षा अधिकारी एस यादैया ने जारी किया। आदेश के अनुसार, प्रभारी एमईओ और स्कूल सहायक ठाकुर इंदर सिंह को छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में कर्तव्यों के प्रति लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। नेन्नल मंडल के जेडपीएचएस-कुश्नेपल्ली गांव में कक्षा की छत में रिसाव के कारण कक्षा आठवीं के छात्रों द्वारा छाता लेकर कक्षाओं में भाग लेने की एक तस्वीर बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुई, जिसके बाद अधिकारियों ने स्कूल का निरीक्षण किया। कलेक्टर कुमार दीपक ने डीईओ के साथ स्कूल का निरीक्षण किया और छात्रों के सामने आ रही चुनौतियों का पता लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि छात्रों को जानबूझकर छत से टपकने वाली कक्षा में छाते पकड़कर बैठाया गया था, जबकि स्कूल में कक्षाएं संचालित करने के लिए अन्य कक्षाएं भी थीं।

दमरे महाप्रबंधक ने गुंतकल-दोने-कर्नूल सिटी सेक्शन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन ने गुंतकल-दोने-कर्नूल सिटी सेक्शन का निरीक्षण किया। गुंतकल डिवीजन में निरीक्षण के दौरान उनके साथ एम. विजय कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, गुंतकल डिवीजन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। महाप्रबंधक ने गुंतकल में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में एक विस्तृत निष्पादन समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने डी.आर.एम. कार्यालय में मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की। इसके अलावा, महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गुंतकल में नवनिर्मित मंडल परिचालन एवं नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया। नियंत्रण केंद्र का निर्माण हरित भवन अवधारणा और अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ किया गया है।

नियंत्रण केंद्र वह कार्यालय है जो 24/7 ट्रेन परिचालन की निगरानी करता है और अपने नेटवर्क में ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है। महाप्रबंधक ने गुंतकल-धोने खंड में पीछे की ओर निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने पटरियों और सिग्नलिंग प्रणालियों की सुरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने धोने रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं और उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन मास्टर के कार्यालय, प्रतीक्षालय और सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया।

बाद में, श्री अरुण कुमार जैन ने धोने-कर्नूल खंड में पीछे की ओर निरीक्षण किया। उनके साथ हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई भी थे। महाप्रबंधक ने कर्नूल सिटी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन मास्टर के कार्यालय और सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया।

शिक्षा निधि के खराब आवंटन का विरोध

खम्मम में पीडीएसयू ने किया प्रदर्शन

खम्मम, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रगतिशील लोकतांत्रिक छात्र संघ (पीडीएसयू) के कार्यकर्ताओं ने राज्य बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए धन के खराब आवंटन के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन किया। संघ के जिला महासचिव जी मस्तान ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र को मात्र 7.31 प्रतिशत धनराशि आवंटित की गई, जबकि संघ ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, मंत्री और विधायक से मिलकर शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट का 30 प्रतिशत निधि मांगा था। यह शर्मनाक है कि सरकार छात्र संघों द्वारा किए गए अनुरोधों पर ध्यान देने में विफल रही। उस्मानिया विश्वविद्यालय के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि बुद्धिजीवियों और शिक्षाविदों ने सुझाव दिया कि इसकी लागत 500 करोड़ रुपये से अधिक होगी।

राज्य सरकार ने मौजूदा विधानसभा सत्र में जॉब कैलेंडर जारी करने का वादा किया था, लेकिन दुख की बात है कि बजट भाषण में इसका उल्लेख नहीं किया गया। मस्तान ने कहा कि सरकार को मौजूदा विधानसभा सत्र में जॉब कैलेंडर जारी करने के अलावा उस्मानिया विश्वविद्यालय के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये और बाकी विश्वविद्यालयों के लिए 200-200 करोड़ रुपये आवंटित करने चाहिए।

15 वीं पुण्यतिथि

स्व.श्री चेनाराम हाम्बड़

:सुपुत्र: श्री हापुरामजी हाम्बड (पाटवाँ)

स्वर्गवास: 27-07-2009

छाया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो

------ : श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : ------

फर्म: धनलक्ष्मी ज्वैलर्स, साई प्रिया कॉलनी कापरा
9505241526, 8019609173.

P.Solankey

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/0721

सं. सी/सी/ई-आक्शन, ई-टेंडर एण्ड मैन्युएल टेंडर/एससी/2024-25, दि.25/07/2024

भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य के लिए एवं की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्यरेलवे द्वारा वाणिज्यिक आय एवं एनएफआर संविदाओं हेतु ई-आक्शन, ई-टेंडर तथा मैन्युएल टेंडर आमंत्रित हैं। तदनुसार, सिकंदराबाद डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए, ई-आक्शन/ई-टेंडर संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in/website तथा www.scr.indianrailways.gov.in पर अधिसूचित किया है।

क्रम सं	श्रेणी	ई-नीलामी, ई-निविदा एवं मैन्युएल टेंडर की तिथिः
1	पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालय	05-08-2024
2	बहु-उध्देशीय स्टाल्स	29-07-2024, 30-07-2024 & 05-08-2024
3	पार्किन्ग	29-07-2024, 31-07-2024 & 06-08-2024
4	कैटरिन्ग या खानपान	01-08-2024 & 02-08-2024
5	वाटर वेन्डिन्ग मशीनें	01-08-2024
6	पार्सल स्कैन्निन्ग	27-07-2024
7	पार्सल्स	31-07-2024 & 05-08-2024
8	हाल्ट नोटिफिकेशन या अधिसूचना (मैन्युएल टेन्डर)	
9	मौलाली-राजकोट गूड्स शेड-मौलाली के बीच पीसीइटी की लीजिन्ग के लिए ई-टेंडर या ई-निविदा--तत्संबंधित सभी पार्सल्स के परिवहन हेतु बंद तिथि 16-08-2024	

पार्टीज, तत्संबंधित संपूर्ण विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in/ website तथा www.scr.indianrailways.gov.in देख सकते हैं। पूछताछ/स्पष्टीकरण हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A0919

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

नेमप्लेट विवाद के बाद अब

कोर्ट पहुंचा मांस की दुकानें बंद रखने का आदेश, दी गई ये दलील

प्रयागराज, 26 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी की योगी सरकार के द्वारा दुकानों पर नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी करने के बाद से इसपर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां सुप्रीम कोर्ट में मामले पर सुनवाई हुई, वहीं अब एक और मामला कोर्ट में पहुंच गया है। दरअसल, सावन माह में कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांस की दुकानें बंद करने के वाराणसी नगर निगम के आदेश को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष मोहम्मद सुहैल ने यह याचिका दायर की है।

मौलिक अधिकारों का हनन

मोहम्मद सुहैल की ओर से दाखिल इस याचिका में दलील दी गई है कि उक्त आदेश न केवल कोई भी व्यवसाय, व्यापार या कारोबार करने की मौलिक स्वतंत्रता, बल्कि सम्मान और निजी स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के मौलिक अधिकारों का भी हनन करता है। याचिकाकर्ता के मुताबिक, सावन में कांवड़ की प्रथा युगों से जारी है और इस दौरान मांस की दुकानें हमेशा खुली रही हैं, इसलिए इस तरह का आदेश पारित कर अधिकारी पहचान के आधार पर बहिष्करण का प्रयास कर रहे हैं।

दुकानदारों की आजीविका पर प्रभाव

याचिकाकर्ता ने यह दलील भी दी कि अधिकारियों ने यह तथ्य ध्यान दिए बिना आदेश पारित किया कि इससे दुकानदारों की आजीविका प्रभावित होगी क्योंकि इन दुकानों से आय ही उनकी आजीविका का साधन है। इसमें कहा गया कि इस तरह के निर्णय से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का हनन होता है क्योंकि यह मांस का उपभोग करने के इच्छुक उन व्यक्तियों को मांस खाने से रोकता है जिन्हें चिकित्सक ने मांस या मांसाहारी भोजन लेने की सलाह दी है।

नेमप्लेट को लेकर भी जारी है विवाद

बता दें कि हाल ही में कांवड़ यात्रा को लेकर जारी नेमप्लेट विवाद के बीच वाराणसी नगर निगम ने सावन महीने में कांवड़ यात्रा के रूट में पड़ने वाली मीट दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया था। इससे पहले यूपी सरकार ने कांवड़ियों की पवित्रता का ख्याल रखते हुए कांवड़ रूट के दुकानदारों को नेम प्लेट लगाने का आदेश दिया था। फिलहाल इन दोनों ही मामलों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

मानहानि मामले में राहुल गांधी ने सुलतानपुर कोर्ट में दर्ज कराया बयान

12 अगस्त को अगली सुनवाई

सुलतानपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मानहानि मामले में सुलतानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने बयान दर्ज कराए। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। पेशी के मद्देनजर दीवानी न्यायालय में सुरक्षा घेरा सख्त कर दिया गया है। राहुल की पेशी विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा के न्यायालय में होगी। कांग्रेस सांसद के खिलाफ यहां गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी के मामले में मुकदमा चल रहा है। बता दें, सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष व भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के विरुद्ध पांच साल पहले विशेष न्यायालय में परिवाद दायर किया था, जिसमें मुकदमा चलाया जा रहा है। परिवादी के अधिवक्ता संतोष पांडेय के मुताबिक, परिवाद में आरोप है कि 15 जुलाई 2018 को पार्टी कार्यकर्ता अनिरुद्ध शुक्ल व दिनेश कुमार ने अपने मोबाइल पर एक वीडियो क्लिप दिखाया था। इसमें राहुल गांधी अमित शाह को हत्यारा कह रहे थे। उनका यह बयान जस्टिस लोया की मृत्यु से संबंधित था, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शाह को क्लीन चिट दे दी गई थी।

मजिस्ट्रेट ने अपनाया था कड़ा रुख

परिवादी व दो गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर राहुल गांधी को विशेष मजिस्ट्रेट योगेश यादव ने आईपीसी की धारा 500 के तहत सुनवाई के लिए तलब किया तो उन्होंने 20 फरवरी को न्यायालय में पेश होकर जमानत करा ली थी। उन्हें पेशी तिथि पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी गई है। हालांकि, आरोपों पर जवाब देने के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। पिछली कुछ पेशियों पर न आने के कारण मजिस्ट्रेट ने कड़ा रुख अपनाया। इस पर बीती दो जुलाई को राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने 26 जुलाई को पेश होने के लिए अवसर मांगा था।

पांच महीने में दूसरी बार न्यायालय में पेशी

राहुल गांधी पांच महीने में दूसरी बार यहां पहुंचे हैं। इससे पहले वह लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच 20 फरवरी को न्यायालय में पेश हुए थे। उस समय बड़ी संख्या में अमेठी व सुलतानपुर के लोग उनसे मिलने व देखने की इच्छा लेकर पहुंचे थे। मामला न्यायालय में पेशी का था, इसलिए राहुल आए और करीब 20 मिनट में न्यायालय की प्रक्रिया पूरी हो गई। समर्थकों व विरोधी दलों के कार्यकर्ताओं के नारेबाजी के बीच वह मुस्कुराते रहे और बिना कुछ बोले ही यहां से चल दिए।

मनोज पांडेय होंगे यूपी के उप मुख्यमंत्री

इस नेता को हटाकर मिलेगा पद? सपा नेता का दावा

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने दावा किया है कि रायबरेली स्थित ऊंचाहार से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचे मनोज पांडेय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार में उप मुख्यमंत्री हो सकते हैं। यूपी में राज्यसभा चुनाव के दौरान मनोज पांडेय ने सपा से बगावत कर बीजेपी का रुख कर लिया था। सपा नेता आईपी सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- राजनैतिक हलकों में चर्चा है कि मनोज पांडेय की भाजपा से जो डील हुई उन्हें उप-मुख्यमंत्री बनाया जायेगा। ब्रजेश पाठक बसपा से भाजपा में 2017 में गये और मनोज पांडेय ने 2024 में सपा से दगा करके शामिल हुए हैं। सपा नेता ने लिखा कि- ब्रजेश पाठक केशव गैंग के सदस्य के रूप में योगी जी को हटाने की मुहिम का हिस्सा हैं। जानकारी जो दिल्ली से आ रही है दोनों उप मुख्यमंत्री गुजरात और बिहार के तर्ज पर हटाये जा सकते हैं।

पूर्व सपा विधायक इंदल रावत गिरफ्तार

रियल स्टेट कंपनी से करोड़ों की ठगी का मामला

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर में पुलिस ने पूर्व विधायक इंदल रावत को जालजासी के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। इंदल रावत लखनऊ की मलीहाबाद सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक रहे हैं। पुलिस ने उन्हें करोड़ों रुपयों की ठगी के मामले में गिरफ्तार किया है। उन पर एक रियल स्टेट कंपनी के साथ धोखाधड़ी करके करोड़ों की रकम हड़पने का आरोप लगा है। पुलिस ने करीब दो घंटे की पूछताछ के बाद इंदल रावत को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है उन्होंने रियल स्टेट कंपनी राज इंफ्रा हाउसिंग के साथ जिस जमीन का सौदा किया था वो जमीन उनके नाम पर ही नहीं थी। इंदल रावत ने फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर रजिस्ट्री करवाकर कंपनी से ठगी की थी। जिसके बाद उन्होंने गिरफ्तार कर लिया गया है।

पूर्व विधायक पर धोखाधड़ी का आरोप

इंदल रावत पर रियल स्टेट कंपनी ने फरवरी के महीने में केस दर्ज कराया था। शिकायत में आरोप लगाया कि साल 2014 में उन्होंने कंपनी से संपर्क किया और कहा कि उनके पास बेहटा सबौली स्थित एक जमीन है। जिसके बाद कंपनी ने जमीन का सौदा करते हुए विधायक के साथ एग्रीमेंट कर लिया। इसके एवज में रियल स्टेट कंपनी ने पूर्व विधायक को करोड़ों रुपये चुकाए। बाद में कंपनी को पता चला की जिस जमीन का उनके साथ सौदा किया गया है वो जमीन इंदल रावत की नहीं थी। कंपनी ने जब उनसे समझौता तोड़ते हुए पैसों की वापसी की मांग की तो रावत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया। जिसके बाद कंपनी ने पुलिस से इस मामले में मदद मांगते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी। आपको बता दें कि इंदल रावत साल 2012 से 2017 तक लखनऊ की मलीहाबाद सीट से विधायक रह चुके हैं। पिछले दिनों लोकसभा चुनाव से पहले ही वो समाजवादी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

एनडीए ने बिहार के लोगों को दिया धोखा

विशेष राज्य का दर्जा न मिलने पर भड़के तेजस्वी कहा- नीतीश अब एक शब्द भी नहीं बोल रहे

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा न मिलने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री व राजद नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने बिहार के लोगों को धोखा दिया है। 'हमें पता था कि एनडीए बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं देगी' तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले से ही हमें पता था कि भाजपा, एनडीए बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं देगी। एक मामूली संशोधन करके बिहार जैसे और गरीब राज्यों को स्पेशल स्टेटस दिया जा सकता था, पहले भी संशोधन हुए हैं।

देश में बहुत बड़े-बड़े संशोधन हुए हैं लेकिन बिहार के लिए ये लोग छोटा सा संशोधन नहीं करना चाहते। यही हमारी पुरानी मांग है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने बिहार के लोगों को धोखा दिया है। सीएम नीतीश पर हमला करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री(नीतीश कुमार) कहते थे कि आंदोलन करेंगे, सड़कों पर उतरेंगे, लेकिन अब बिहार के विशेष राज्य के दर्जे को लेकर वे एक शब्द भी नहीं बोल रहे।

'नीतीश कुमार के शासन में बढ़ गया है भ्रष्टाचार' राजद नेता ने कहा कि नीतीश कुमार इस समय वह हैसियत रखते हैं, क्योंकि अभी उनके बदौलत ही सरकार है। अगर उनके रहते बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल रहा तो फिर उनका वहां क्या काम है? उन्होंने आगे कहा कि यह सच है कि नीतीश कुमार के शासन में भ्रष्टाचार बहुत बढ़ गया है। अगर निष्पक्ष जांच की जाए तो नीतीश कुमार भी इसका खामियाजा भुगतेंगे।

21 लाख के लिए पुलिस की गिरफ्त में खड़ी सोनम सक्सेना के कांड जान दंग रह जाएंगे

शाहजहांपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 21 लाख रुपये की लूट का पुलिस ने हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। यहां एक युवती ने अपने हिस्ट्रीशीटर मित्र को रुपये न देने के लिए अपने ही 2 साथियों से फर्जी लूट की घटना को अंजाम दिलवाया। फिर पुलिस में 21 लाख की लूट का केस दर्ज करवा दिया।

जब पुलिस ने मामले की जांच की तो पुलिस भी हैरान रह गई और पूरा मामला खुलकर सामने आ गया। इसके लिए युवती ने 2 लोगों को रुपये का लालच दिया और लूठ का फर्जी नाटक रचा। मगर पुलिस की जांच में 21 लाख की लूट का मामला फर्जी निकला। पुलिस ने अब युवती और उसके दोनों साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसी के साथ पुलिस को हिस्ट्रीशीटर की भी तलाश है।

मायावती ने बीजेपी सांसद की मांग पर दी पहली प्रतिक्रिया, बोलीं- गुमराह करना बंद करें

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की शाहजहांपुर लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद अरुण सागर ने दलितों के बड़े नेता कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की हैं। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान उन्होंने सदन में कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की, जिस पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की प्रतिक्रिया सामने आई हैं, उन्होंने बीजेपी सांसद की मांग का समर्थन किया और कहा कि बसपा इसका दिल से स्वागत करेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी सांसद द्वारा कांशीराम को भारत रत्न दिए जाने की मांग पर कहा कि उन्हें मांग करने की बजाय तत्काल सरकार द्वारा इसे दिलवाया जाना चाहिए। लेकिन इसकी आड़ में दलितों को गुमराह करने की कोशिश न की जाए।

मायावती ने किया बीजेपी सांसद का समर्थन

मायावती ने एक्स पर लिखा- 'यूपी बीजेपी के एक दलित सांसद द्वारा बीएसपी के जन्मदाता व संस्थापक मान्यवर श्री कांशीराम जी को भारतरत्न की उपाधि देने की मांग करने की बजाय केन्द्र की सत्ता में अपनी सरकार से इसे तुरन्त दिलवाये। जिसका बीएसपी भी दिल से स्वागत करेगी। वरना, इसकी आड़ में दलितों को गुमराह करना बंद करें।' दरअसल बीजेपी के दलित सांसद अरुण सागर ने शून्य काल के दौरान सरकार से कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की थी। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि कांशीराम को बहुजनों का नायक माना जाता है। वो भारतीय राजनीतित्र और समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जमीनी कार्यकर्ता की तरह काम किया था उनको भारत रत्न से सम्मानित करना सभी लिए गर्व की बात होगी। अरुण सागर ने कहा कि कांशीराम ने बहुजनों और देश की सबसे निचली और पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए काम किया था। वो जमीनी कार्यकर्ता थे और बेहद सादगी के साथ अपना जीवन व्यतीत करते थे उन्होंने अपनी पूरा जीवन दलितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया था और भारत की राजनीति में अपनी विशेष स्थान बनाया है। आपको बता दें कि कांशीराम ने ही बहुजन समाज पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने जीवन भर दलितों के लिए काम किया।

बरेली एसएसपी ने एक और सिपाही को सस्पेंड किया

बरेली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। एसएसपी अनुराग आर्य ने बरेली में एक और सिपाही को सस्पेंड कर दिया है। जहां बारादरी थाने में तैनात सिपाही ताराचंद को लोकसभा चुनाव में दूसरे जिलों में भेजा गया था। लेकिन वह बिना बताए गैर हाजिर रहा। साथ ही पुलिस अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं दी। एसएसपी पिछले एक माह में अभी तक इंस्पेक्टर व सीओ समेत 36 कर्मियों पर कार्रवाई कर चुके हैं।

8 मई को चुनाव में ड्यूटी लगी

एसएसपी अनुराग आर्य के अनुसार, लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में 8 मई को चौथे चरण में सीतापुर, पांचवे चरण में फतेहपुर व छठे चरण में जौनपुर को आवांटित पुलिस टोली 28 में सिपाही ताराचंद को रवाना किया गया था। लेकिन यह सिपाही फतेहपुर न पहुंचकर अपनी स्वेच्छा से बिना अनुमति अवकाश अनाधिकृत रूप से अति महत्वपूर्ण ड्यूटी से अनुपस्थित रहा। लगातार गैर हाजिर चलने एवं अपनी अनुपस्थिति के कारणों के सम्बंध में न ही कोई सूचना दी गई। सिपाही ने लापरवाही न अनुशासनहीनता की, जिसमें एसएसपी ने सिपाही ताराचंद को सस्पेंड कर दिया गया। इसके साथ ही विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

बिहार विधानसभा में हंगामा; विपक्षी विधायकों ने की रिपोर्टर टेबल पलटने की कोशिश, गुस्से से लाल हुए स्पीकर

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन के अंदर और बाहर बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग ने खूब जोर पकड़ा। बिहार विधानसभा की कार्यवाही 11:00 बजे प्रारंभ हो इसके पूर्व राजद, कांग्रेस समेत वाम दल के नेताओं ने विधानसभा पोर्टिको में पोस्टर बैनर के साथ प्रदर्शन किया और बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग उठाई। राजद नेता प्रो। चंद्रशेखर ने कहा कि बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग काफी पुरानी है। सदन नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

ने विधानसभा और विधान परिषद से यह प्रस्ताव पारित कराकर केंद्र सरकार को भेजा था, लेकिन पिछले 20 सालों से इस मांग को केंद्र सरकार ने लटका करके रखा हुआ है। भाई वीरेंद्र ने कहा कि विशेष दर्जे की मांग के विरुद्ध केंद्र सरकार में बजट 2024-25 में बिहार को झुनझुना थमा दिया है। अब इस झुनझुने को लेकर सरकार और उसके नेता इसे बजा रहे हैं। ताली बजा रहे हैं। विधानसभा परिसर में यह प्रदर्शन करीब 15 मिनट तक चला।

पोस्टर लेकर नारेबाजी

दूसरी ओर 11:00 बजे विधानसभा की कार्रवाई प्रारंभ होते ही प्रश्न उत्तर काल के दौरान विपक्ष के नेताओं ने इसी मसले को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। विपक्ष के अधिकांश सदस्य आसन के निकट आ गए पर पोस्टर लेकर विशेष दर्जे की मांग को लेकर आवाज उठाने लगे।

विधानसभा अध्यक्ष को आया गुस्सा, विधायकों को दी चेतावनी

विपक्ष के नेताओं ने इस दौरान रिपोर्टर टेबल भी पलटने की कोशिश की। विपक्षी सदस्यों के इस आचरण पर विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव काफी आग बबूला हो गए और उन्होंने चेतावनी वाले अंदाज में विपक्ष के नेताओं को धमकाया, समझाया कि आप रिपोर्टर टेबल पलटने की हरकत ना करें। यदि ऐसा हुआ संबंधित सदस्य को सदन के बाहर करवा देंगे और उसके विरुद्ध कार्रवाई भी करेंगे। उन्होंने सदन को बताया कि एक दिन पहले भी रिपोर्टर टेबल पलटी गई थी जिसकी वजह से एक रिपोर्टर राहुल यादव घायल हो गए। उन्होंने कहा ऐसा ना करें सदन के अंदर सबको बोलने का मौका दिया जाएगा, लेकिन लोग अपने स्थान पर वापस जाएं तभी वह बोल सकेंगे। आसन के निकट आकर बोलने का अधिकार किसी को नहीं है और उनकी कोई बात नहीं सुनी जाएगी। बावजूद विपक्षी सदस्यों का हंगामा-प्रदर्शन जारी रहा।

बीजेपी विधायक फतेह बहादुर के करीबी के होटल पर छापा, कमरों में मिले कई प्रेमी युगल

गोरखपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के होटल में पुलिस ने की छापेमारी। बीजेपी विधायक फतेह बहादुर सिंह के करीबी के होटल में शाम को छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई लोगों को पकड़ा है।आरोप है कि होटल में देह व्यापार चलाया जा रहा था। मामले की सूचना मिलने पर विधायक फतेह बहादुर सिहं के समर्थक होटल पहुंच गए। काफी देर तक पुलिस और समर्थकों के बीच तनातनी रही। वहीं, समर्थकों ने होटल के अंदर प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें अंदर घुसने से रोक दिया। गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज में अल्फा मोती महल, ब्लू स्टार सहित कई होटलों में शाम अचानक पुलिस बल ने छापेमारी की। पुलिस की इस छापेमारी से होटल में हड़कंप का माहौल बन गया। अल्फा मोती महल होटल बीजेपी विधायक फतेह बहादुर सिंह के करीबी का है। छापेमारी के दौरान पुलिस को यहां पर देह व्यापार चलता मिला।

पुलिस ने मौके से कई जोड़ों को पकड़ लिया। अल्फा मोती महल होटल में छापेमारी की सूचना मिलते ही विधायक फतेह बहादुर सिंह के समर्थकों की भीड़ लग गई। काफी देर तक गहमा-गहमी का माहौल बना रहा। कई लोगों ने होटल में घुसना चाहा, लेकिन मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया। छापेमारी के दौरान विभिन्न विभागों के जिले व तहसील स्तर के अधिकारी व कर्मचारी शामिल रहे।

पगड़ी गई, अध्यक्षता गई, आगे मंत्री पद भी छिनेगा सम्राट चौधरी पर बरसीं लालू की बेटी रोहिणी आचार्या

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी(बीजेपी) ने बिहार भाजपा में बड़ा फेरबदल किया है। 16 माह से प्रदेश अध्यक्ष पद पर काबिज सम्राट चौधरी को हटाकर नीतीश कुमार की सरकार में भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल को बिहार भाजपा की कमान सौंप दी गयी है। इसे लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। बीजेपी के बड़े और छोटे नेता नये प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को बधाई दे रहे हैं तो आरजेडी सम्राट चौधरी पर हमलावर है। पार्टी सुप्रीमो लालू यादव की बेटी और सारण सीट से लोकसभा चुनाव लड़ चुकी रोहिणी आचार्या ने सम्राट चौधरी पर तीखा वार किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से रोहिणी ने कहा है कि अध्यक्ष पद के बाद अब सम्राट चौधरी से मंत्री पद भी छीन लिया जाएगा। सम्राट चौधरी वर्तमान में बिहार सरकार में डिप्टी सीएम और वित्त समेत कई विभागों के मंत्री हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रोहिणी आचार्या ने सम्राट चौधरी को तिलमिला देने वाला पोस्ट डाला है। उन्होंने लिखा है- सिर भी मुंडवाना पड़ा , पगड़ी भी उतारनी पड़ी , अब अध्यक्षता भी गयी। अब हेकड़ी, लम्पटई, बदजुबानी , बड़बोलेपन का बचा - खुचा भूत भी उतर जाएगा , जब जल्द ही मंत्रिपद भी छिन जाएगा। रोहिणी आचार्या ने लिखा है कि पाक - पावन रिश्तों पर ओछी टिप्पणी करने वालों, बुजुर्गों के प्रति बदनियती रखने वालों के साथ बुरा ही होता है , परमपिता परमेश्वर सब देखता है।

सुनील सिंह की विधान परिषद की सदस्यता भी रद्द बिस्कोमान अध्यक्ष का पद पहले ही छिन चुका

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई राजद कोर्ट से एमएलसी सुनील की सदस्यता रद्द हो गई है। विधान परिषद् की आचार समिति ने सुनील सिंह पर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। आरोप लगाया गया कि सुनील सिंह पिछली चार बैठक से सदन में उपस्थित नहीं हुए। पांचवीं में वह आए लेकिन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया। इतना ही नहीं वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बयानबाजी करते आ रहे हैं। उनका व्यवहार भी असंसदीय और लोकतंत्र के खिलाफ है। ऐसे में उनकी सदस्यता क्यों न रद्द कर दी जाए। इसके मानसून सत्र के अंतिम बैठक में उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई। उपसभापति रामवचन ने उनकी सदस्यता रद्द करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दी। सुनील सिंह ने कहा कि एक लोकसभा सदस्य बनने के लिए

दूसरे ने उपसभापति बनने के लिए ऐसी रिपोर्ट तैयार की और हमारी बलि दे दी। उनका इशारा सीतामढ़ी से संसद बने पूर्व सभापति देवेश चंद्र ठाकुर और उपसभापति रामवचन राय ओर था। बता दें गुरुवार देर रात सुनील सिंह को बिस्कोमान के अध्यक्ष पद से हटाया दिया गया था। वहीं राजद नेता सुनील सिंह ने कहा आज का दिन काला दिन माना जाएगा। आज विधान परिषद में लोकतंत्र की हत्या की गई है। मेरी सदस्यता रद्द कर दी गई। इस घटना की पटकथा मुख्यमंत्री आवास पर लिखी गई थी। मैं गरीबों के लिए, युवाओं के लिए आवाज उठता रहा। मैं लगातार जनहित में आवाज उठता रहा। मैं शुरू से ही सीएम नीतीश कुमार को खटकता था। साजिश के तहत मेरी सदस्यता रद्द कर दी गई। आप किसी से पूछ लीजिए वह कहेंगे कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या की है। नियम के विरूद्ध उनकी हत्या की गई है। सीएम नीतीश कुमार ने प्रलोभन देकर यह साजिश रचवाई।

संसद में उठा कर्नाटक की महर्षि वाल्मीकि सोसाइटी में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा, दोनों सदनों में हंगामा

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक की महर्षि वाल्मीकि सोसाइटी से संबंधित कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में उठा। इस मुद्दे पर राज्यसभा में सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के चार सांसदों ने नियम 267 के तहत चर्चा का नोटिस दिया था। किसी भी नोटिस को सभापति ने अनुमति नहीं दी। इसे लेकर सत्तापक्ष के सदस्यों ने हंगामा कर दिया। विपक्ष के सदस्य भी वेल में आ गए। राज्यसभा में बीजेपी सांसद ईरण्ण कडाडी ने यह मुद्दा उठाया। वहीं, लोकसभा में इस मुद्दे पर हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी, ईरण्ण कडाडी समेत चार मंत्रियों ने नियम 267 के तहत चर्चा का नोटिस दिया था। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि सोसाइटी से जुड़े मामले पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत चार नोटिस मिले हैं। सभी नोटिस सत्ता पक्ष की ओर हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से किसी भी नोटिस को अनुमति नहीं दी गई है। सभापति की ओर से अनुमति नहीं दिए जाने पर सत्ता पक्ष के सदस्य अपनी जगह खड़े होकर हंगामा करने लगे। सभापति ने सदस्यों को नेम करने की चेतावनी दी और कहा कि मेरी रुलिंग के हिसाब से ये विषय इतना महत्वपूर्ण नहीं है कि लिस्टेड बिजनेस की कार्यवाही को स्थगित किया जाए। सभापति के यह कहने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू खड़े हुए और कहा कि आप सदन के कस्टोडियन हैं। ये बहुत ही गंभीर विषय है। इस पर सभापति ने कहा कि मेरे लिए रूलिंग महत्वपूर्ण है। मैंने नियम 267 पर चार बार रूलिंग दी है। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। सभापति ने कहा कि ये सदन इस तरह से नहीं चलेगा कि एक पार्टी ऑर्डर में रहे और दूसरी नहीं। किसी भी सदस्य को नेम कर सकता हूं। राज्यसभा में शून्यकाल की कार्यवाही के दौरान भी सत्ता पक्ष के सदस्यों ने महर्षि वाल्मीकि सोसाइटी से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले को लेकर नियम 267 के तहत चर्चा का नोटिस अस्वीकार किए जाने को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सभापति ने किरेन रिजिजू से सांसदों को शांत कराने के लिए कहा। विपक्षी सदस्यों ने भी इसे लेकर हंगामा किया। इस पर सभापति ने कहा कि हमने किसी भी नोटिस को अनुमति नहीं दी है। विपक्ष की ओर से कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम ने कहा कि लिस्टेड बिजनेस में अगर आप अपना मुद्दा जोड़ना चाहते हैं तो उसे अन्य दिन जोड़ दें। डिस्टर्ब कैसे कर सकते हैं। सभापति ने कहा कि नियम 267 के तहत मैंने चार बार रुलिंग दी है। सभापति ने बीजेपी सांसद ईरण्ण कडाडी को शून्यकाल में कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि शेड्यूल कास्ट सोसाइटी में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने की इजाजत दी। इस पर विपक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। सभापति ने कहा कि किसी भी सदस्य ने अगर नियम 267 का नोटिस दिया है और अगर वह हमारे पास आता है कि शून्यकाल या स्पेशल मेंशन के तहत उठाना चाहता है तो उसे अनुमति दूंगा।

बीजेपी सांसद ने जब बोलना शुरू किया, कांग्रेस के सांसद हंगामा करते हुए वेल में आ गए। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर रेज करते हुए कहा कि बीजेपी के सदस्य पॉलिटिकल ड्रामा कर रहे हैं। इस पर सभापति ने कहा कि रणदीप सुरजेवाला आप पॉलिटिकल ड्रामा कर रहे हैं। ये राजनीतिक मंच नहीं है। उन्होंने कहा कि इश्यू करप्शन है। हम किसी भी सदस्य को करप्शन पर बोलने से मना नहीं कर सकते। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही तरफ के सदस्य वेल में आ गए। सभापति ने सदस्यों को चेतावनी दी कि जब मैं खड़ा हूं तो कोई खड़ा नहीं होगा। ऐसा हुआ तो उस सदस्य को तत्काल नेम करूंगा।

मुकुल वासनिक ने इस पर पॉइंट ऑफ ऑर्डर रेज किया। सभापति ने इस पर उनसे कहा कि आप इसे लेकर अवेयर नहीं हैं। पश्चिम बंगाल से टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि हमने बंगाल की बाढ़ को लेकर कई बार नोटिस दिया लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई। इनको दे दी गई। इस पर सभापति ने कहा कि इनको नियम 267 के तहत यह विषय उठाने की अनुमति नहीं दी गई है। सभापति ने बीजेपी सांसद ईरण्ण कडाडी से अपनी बात जारी रखने के लिए कहा। इस दौरान विपक्षी सांसद वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्ष के हंगामे के बीच कर्नाटक के बीजेपी सांसद ने बोलना जारी रखा। कर्नाटक के सांसद की बात पूरी होने के बाद भी विपक्ष के सदस्य वेल में नारेबाजी करते रहे।

10 साल की आस हुई पूरी मजदूर को खदान में मिला 80 लाख का दुर्लभ हीरा कहा बच्चों को पढ़ाऊंगा

पन्ना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के पन्ना में खदान में काम करने वाले एक मजदूर की किस्मत खुल गई है। राजू गोंड नाम के शख्स ने पन्ना की खदानों में गड्ढे खोदने और रेत को छानने की कला में महारत हासिल कर ली है। पिछले 10 सालों से वे हीरों की तलाश कर रहे हैं। बुधवार को उन्हें कांच जैसी कोई चीज चमकती हुई मिली। पता चला यह 19.22 कैरेट का हीरा था। विशेषज्ञों ने बताया कि सरकारी नीलामी में इसकी कीमत 80 लाख रुपये या उससे भी अधिक हो सकती है। गोंड ने कहा है कि वह दस सालों से इस घड़ी का इंतजार कर रहे थे।

राजू ने कहा, जब मैंने इसे अपने हाथों में लिया तभी मुझे पता चल गया कि यह हीरा है। मैं सुबह से काम कर रहा था। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए मुझे 10 साल तक काम करना पड़ा। इस खोज से उत्साहित राजू ने कहा कि वे अपने बच्चों के लिए अच्छा भविष्य चाहते हैं। मैं अपने बच्चों को पढ़ाना चाहता हूं। मुझे बस यही उम्मीद है कि इससे हमारी गरीबी दूर हो जाएगी।" राजू गोंड इस पैसे सबसे पहले अपने परिवार का 5 लाख रुपये का कर्ज चुकाएंगे। उन्होंने कहा है कि नीलामी से मिलने वाली रकम को वे अपने परिवार के सदस्यों में बांटने की योजना भी बना रहे हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

ग्वालियर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और दो बार राज्यसभा सांसद रहे प्रभात झा का आज यानी 26 जुलाई 2024 को सुबह गुरुग्राम के एक अस्तपाल में निधन हो गया। बता दें कि प्रभात झा लंबे समय से बीमार चल रहे थे और गुरुग्राम में उनका इलाज चल रहा था। मगर आज यह दुखद समाचार आया कि उनका निधन हो गया। भाजपा सूत्रों के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार बिहार में उनके पैतृक गांव में किया जाएगा। प्रभात झा के निधन के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुख व्यक्त किया। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रभात झा के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, वरिष्ठ नेता आदरणीय प्रभात झा जी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। बाबा महाकाल दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस भीषण वज्रपात को सहने की शक्ति दें।' उन्होंने आगे लिखा, आपका निधन राजनैतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

ॐ शांति। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी प्रभात झा के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा, 'भाजपा के वरिष्ठ नेता, मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, साथी श्री प्रभात झा जी के निधन का समाचार सुनकर स्तब्ध और दुःखी हूँ। लोक कल्याण और जनता के हित के लिये उन्होंने सदैव कार्य किया। उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। ईश्वर से दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूँ।'

शादी के जाल में फंसाने वाली लुटेरी दुल्हन गिरफ्तार

राजगढ़, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में एक बार फिर लुटेरी दुल्हन के द्वारा शादी के नाम पर लूट करने का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने लुटेरी दुल्हन और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया। इतना ही नहीं पुलिस ने लुटेरी दुल्हन के पास से बेहोशी की दवा भी बरामद की है। दरअसल, पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने बताया कि दुल्हन ससुराल वालों को बेहोशी की दवा खिलाकर फरार होना चाहती थी, लेकिन वह इस काम में सफल नहीं हो सकी। मामले के बारे में जानकारी देते हुए एसपी ने बताया कि कंचन नाम की एक महिला ने राजगढ़ के समेली निवासी जितेंद्र गौड़ की शादी नागपुर की रहने वाली पूनम रायकर से कराई थी।

दोनों की शादी पूरे विधि-विधान के साथ राजगढ़ के जालपा माता मंदिर पर की गई थी। शादी के 10 दिन बाद पूनम ने ससुराल वालों को बेहोशी की दवा देनी शुरू कर दी। गिरफ्तारी के बाद इस बात का खुलासा हुआ कि पूनम ससुराल वालों को बेहोशी की दवा खिलाकर फरार होना चाहती थी, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। साजिश के तहत ही जब दुल्हन वहां से भाग नहीं सकी तो उसका पूर्व पति दुर्गेश और पूनम की मां राजगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने सेमली गांव में जितेंद्र पर पूनम को बंधक बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कंट्रोल रूम पर इसकी शिकायत भी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो सामने आया कि पूनम ने विधिवत तरीके से जितेंद्र से शादी की थी। पुलिस ने जब पूनम से पूछताछ की तो उसके पास से नशीली दवाएं मिलीं। पूनम ने बताया कि कंचन ने उसे जितेंद्र के साथ 10 दिन के लिए शादी कर फरार होने की बात कही थी। इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पूनम रायकर, कंचन, दुर्गेश और पूनम की मां प्रगति को गिरफ्तार कर लिया है।

हाईकोर्ट ने अपना ही फैसला पलटा, 15 वर्षीय नाबालिग को मिली गर्भपात की इजाजत

जबलपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़ित नाबालिग लड़की को गर्भपात की अनुमति प्रदान की है। चीफ जस्टिस संजीव सक्सेना की युगल पीठ ने यह आदेश तब जारी किया जब गांधी मेडिकल कॉलेज में भर्ती पीड़िता के गर्भपात के लिए याचिका दायर की गई थी। इससे पहले एकल पीठ ने एफआईआर को संदिग्ध मानते हुए याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद यह अपील दायर की गई। चीफ जस्टिस सक्सेना और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि एकल पीठ की ओर से एफआईआर को संदिग्ध बताने की टिप्पणी को विलोपित किया जाए, क्योंकि यह टिप्पणी बिना तथ्यात्मक प्रमाणिकता के की गई थी। अदालत ने जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल को निर्देशित किया कि वह अस्पताल में भर्ती नाबालिग पीड़िता को गर्भपात की जटिलता के संबंध में समझने के लिए महिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक टीम गठित करे।

एमपी समेत 12 राज्यों में पूरे रंग में मॉनसून, यूपी में 4 दिन मूसलाधार

मुंबई, 26 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मॉनसून का कहर जारी है। मुंबई, पुणे समेत कई क्षेत्र भारी बारिश का सामना कर रहे हैं। शुक्रवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी ने जानकारी दी है कि मध्य महाराष्ट्र को फिलहाल राहत के कोई आसार नहीं हैं। यहां बहुत भारी बारिश की संभावनाएं जताई जा रही हैं। साथ ही मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

कहां होगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, केरल, माहे, कर्नाटक, लक्षद्वीप, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, यानम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, करईकल और पूर्वोत्तर के लगभग सभी राज्यों में 5 दिनों के दौरान बारिश के आसार हैं।

भारी बारिश का सामना करेंगे ये राज्य

आईएमडी ने बताया है कि मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, सौराष्ट्र, कच्छ, गुजरात, कोंकण, गोवा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश में 29 जुलाई तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 26 जुलाई, हरियाणा, चंडीगढ़ में 26 और 27 जुलाई, पंजाब में 27 जुलाई, पश्चिम राजस्थान में 29 जुलाई तक तमिलनाडु में 26 जुलाई, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 28 और 29 जुलाई को भारी बारिश हो सकती है। साथ ही गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड में 26 जुलाई और ओडिशा में 27 से 29 जुलाई तक भारी बारिश के आसार हैं। पूर्वोत्तर के राज्यों में असम, मेघालय में 27 जुलाई तक, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में 28 और 29 जुलाई में भारी बारिश की संभावनाएं हैं।

महाराष्ट्र में 15 लोगों की मौत

महाराष्ट्र में पुणे, मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और आसपास के क्षेत्रों सहित राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण वर्षाजनित हादसों में कम से कम 15 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने गुरुवार को यहां कहा कि सेना बचाव अभियान में नागरिक एजेंसियों की मदद कर रही है। पुणे शहर और जिले के बाकी हिस्से बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। फंसे हुए लोगों की मदद के लिए नावें तैनात की गई हैं और स्कूल बंद कर दिए गए हैं। लोगों को बचाने के लिए शहर की फायर ब्रिगेड, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें और अन्य एजेंसियां कई इलाकों में भेजी गईं। बचावकर्मियों ने अलग-अलग स्थानों पर फंसे कई लोगों को बाहर निकालने के लिए रबर की नावों और रस्सियों का इस्तेमाल किया।

वह ऐसा शख्स है जिसने श्री गुरु ग्रंथ साहिब का इस्तेमाल अपने बचाव के लिए किया

अमृतपाल सिंह पर चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर क्या कुछ बोले संजय सिंह?

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने इशारों-इशारों में अमृतपाल सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि एक व्यक्ति को पंजाब में 20 लाख लोगों ने सांसद के रूप में चुना और वह एनएसए के तहत जेल में बंद हैं। चरणजीत चन्नी के इस बयान पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि ये गलत है, किसी को चुनकर भेजना और समाज विरोधी काम करने में जमीन-आसमान का फर्क है। जहां तक अमृतपाल सिंह का सवाल है, वह ऐसा शख्स है, जिसने श्री गुरु ग्रंथ साहिब का इस्तेमाल अपने बचाव के लिए किया। संजय सिंह ने कहा कि पंजाब का कोई भी सिख या हिंदू या फिर कोई भी आम नागरिक जो श्री गुरु ग्रंथ साहिब में आस्था रखता है। वह इस बात को कतई स्वीकार नहीं करेगा कि उसने गुरु ग्रंथ साहिब का इस्तेमाल किया। इसके समर्थन में अगर पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी बयान दे रहे हैं तो मैं समझता हूं कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

इससे पहले कांग्रेस ने भी अमृतपाल सिंह के संदर्भ में सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी से दूरी बनाते हुए कहा कि यह उनकी निजी राय है और यह पार्टी का रुख नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अमृतपाल सिंह पर सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की ओर से व्यक्त किए गए विचार उनके अपने हैं और ये किसी भी तरह से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रुख को नहीं दर्शाते हैं।'' पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी ने लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि बीजेपी आपातकाल के आरोप लगाती है, लेकिन देश में तो अभी अघोषित आपातकाल लागू है।

उन्होंने कहा कि यह तब आपातकाल है जब एक निर्वाचित सांसद पर रासुका लगाकर उन्हें जेल में डाल दिया गया है और वह अपने क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं कर पा रहे हैं। चन्नी का इशारा अमृतपाल सिंह की ओर था। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू और सत्ता पक्ष ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। बिट्टू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस खालिस्तानियों के समर्थन में है। बता दें कि अमृतपाल सिंह वारिस पंजाब दे के प्रमुख हैं और खडूर साहिब से निर्दलीय सांसद हैं। फिलहाल अमृतपाल सिंह असम की जेल में बंद हैं।

हथियार विक्रेता के घर से फर्जी 435 गन लाइसेंस बरामद, जांच के लिए विशेष टीमों का गठन

जम्मू, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू पुलिस ने फर्जी गन लाइसेंस रैकेट का पर्दाफाश किया है। सतवारी के गाडीगढ़ के रहने वाले गन हाउस संचालक के पास से 435 फर्जी गन लाइसेंस बरामद किए हैं। मामले की जांच के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। ये लाइसेंस देश के विभिन्न राज्यों में रहने वाले लोगों के नाम पर बनाए गए हैं। मामले की जांच के लिए गठित कुछ टीमों को प्रदेश के बाहर भी भेजने की तैयारी है। माना जा रहा है कि इतना बड़ा फर्जीवाड़ा किसी अकेले शख्स का काम नहीं हो सकता। पुलिस फर्जी लाइसेंस बनाने के उद्देश्य का भी पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार, पुख्ता सूचना के बाद बुधवार देर रात गाडीगढ़ में गनहाउस संचालक तीर्थ सिंह के निर्माणाधीन घर पर छापा मारा गया। इस दौरान वहां पर एक बैग में 435 फर्जी लाइसेंस मिले। बताया जा रहा है कि तीर्थ सिंह का करण नगर गाड़ीगढ़ और कुंजवानी में गन हाउस है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ाई 6 किलो कोकीन

खिलौने में छिपाए थे 270 कैप्सूल, कीमत जान उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने 6 किलो कोकीन के साथ एक युवक को पकड़ा है। विश्वसनीय स्रोत से मिली जानकारी के आधार पर सीबीआई ने नई दिल्ली एयरपोर्ट पर भारतीय मूल के एक जर्मन नागरिक को रोका। तलाशी लेने पर सीबीआई को कोकीन के 270 कैप्सूल मिले। इन कैप्सूल को कपड़े के गद्देदार खिलौनों में छिपाकर लाया गया था। दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया भारतीय मूल का जर्मन नागरिक इंडिगो एयरलाइंस 6ई 1308 से दोहा से नई दिल्ली आया था। पुलिस ने सॉफ्ट टॉय के अंदर से कैप्सूल निकालने की कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया है। कोकीन की तश्करी कर रहे व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। सीबीआई ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आमतौर पर एक किलो कोकीन की कीमत 5 करोड़ रुपये होती है। इस हिसाब से दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ी गई कोकीन की कीमत कम से कम 30 करोड़ आंकी जा सकती है। हालांकि, सीबीआई की तरफ से पकड़ी गई कोकीन की कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। 30 करोड़ रुपये पकड़ी गई कोकीन की अनुमानित आय है।

कौन है तश्कर?

सीबीआई ने इंटरपोल के इनपुट के बाद दिल्ली एयरपोर्ट से अशोक कुमार को गिरफ्तार किया है। भारतीय मूल का अशोक जर्मनी में रहता है। उसे दिल्ली एयरपोर्ट से 6 किलो हाई क्वालिटी की कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया है। इंटरनेशनल मार्केट में एक किलो कोकीन 5 करोड़ रुपए की बेची जाती है। हालांकि, हाई क्वालिटी की कोकीन की कीमत 10 करोड़ रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है। ऐसे में आरोपी अशोक कुमार दोहा से इंडिगो फ्लाइट के जरिए दो सॉफ्ट टॉयस में कैप्सूल फॉर्म में छिपाकर जो 270 कैप्सूल दिल्ली लाया है, उनकी कीमत 60 करोड़ रुपये तक भी हो सकती है।

पाकिस्तान से भारत लौटीं गीता ने किया कुछ ऐसा सब कर रहे तारीफ, सरकार से की ये मांग

इंदौर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से भारत लौटीं मूक-बधिर गीता ने आठवीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण कर ली है। अब वो सरकार से नौकरी की मांग कर रही हैं। मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की आठवीं कक्षा की परीक्षा में गीता को 600 में से 411 अंक मिले हैं। सामाजिक विज्ञान और संस्कृत में उन्होंने इतने अच्छे अंक हासिल किए हैं कि हर कोई उनकी तारीफ करता नहीं थक रहा। इंदौर की गैर सरकारी संस्था आनंद सर्विस सोसायटी पाकिस्तान से गीता की वापसी के बाद उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के जतन में जुटी है। संस्था के सचिव और सांकेतिक भाषा के जानकार ज्ञानेंद्र पुरोहित ने बुधवार को बताया- अपने परीक्षा परिणाम से गीता बेहद उत्साहित हैं और अपने भविष्य की ओर उम्मीद

भरी निगाहों से देख रही हैं। गीता साल 2015 में पाकिस्तान से भारत लौटी थीं। इससे पहले वो पाकिस्तान में ही रह रही थीं। पुरोहित के मुताबिक, वीडियो कॉल पर इशारों की जुबान में गीता ने उन्हें बताया कि वह सरकारी नौकरी करने के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती हैं। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य सरकारों के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती में उम्मीदवारों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवीं पास तय की गई है। इस लिहाज से गीता इस वर्ग की सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन की पात्र हो गई हैं।

मौर्य मोहरा हैं, दिल्ली के वाईफाई के पासवर्ड हैं यूपी बीजेपी में खटपट पर अखिलेश का तंज

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि केशव जी दिल्ली के मोहरे हैं। वो दिल्ली के वाईफ़ाई के पासवर्ड हैं। दिल्ली वाले किसी से मिल रहे तो लखनऊ वाले भी मिल रहे हैं। आप दिल्ली के वाई-फाई का खेल देखते रहिए।

योगी सरकार पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि यूपी में पुलिस ही पुलिस को पकड़ रही है। सपा चीफ ने आगे कहा कि यूपी की नौकरशाही में एक ही जाति के अधिकारी का दबदबा है। जब हम सदन में सवाल उठाते थे तब ये कहते थे प्रदेश में 0 टॉलरेंस की पॉलिसी है। लॉ एंड ऑर्डर के सवाल पर सरकार दावा करती रही। उन्होंने कहा, हम सुन रहे हैं कि बीजेपी नेता कह रहे हैं कि प्रदेश में ऐसा भ्रष्टाचार नहीं देखा। मुख्यमंत्री खुद इस बात को स्वीकार कर रहे। कई विभागों में दलाली चल रहे। सपा विधायक संग्राम सिंह ने सदन में रखा था। यह एक जगह का खुलासा है। हर जिले में ये हाल है।

'अदालत इस बात पर अफसोस जताती है कि

आरएसएस को लेकर केंद्र के फैसले पर एमपी हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

इंदौर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी कर्मचारियों के रिटायर होने के बाद आरएसएस की गतिविधियों और कार्यक्रमों में शामिल न होने वाले केंद्र सरकार के एक पुराने आदेश के खिलाफ इंदौर हाईकोर्ट ने डिटेल ऑर्डर जारी किया है। फैसला सुनाते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने कहा, बात बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि साल 1966, 1970 और 1980 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सामाजिक और सांप्रदायिक संगठन मानकर सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की शाखाओं में जाने और उनकी गतिविधियों में शामिल होने पर रोक लगाई गई थी। प्रशासनिक जज एसए धर्माधिकारी और जस्टिस गजेंद्र सिंह की डिवीजन ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा,

अदालत इस बात पर अफसोस जताती है कि केंद्र सरकार को अपनी गलती का एहसास होने में पांच दशक का समय लग गया। साथ ही इस बात को स्वीकार करने में कि उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध संगठन को गलत तरीके से प्रतिबंधित संगठनों की सूची में रखा। कोर्ट ने एक याचिका का निराकरण करते हुए उपरोक्त बातें कही हैं, जिसमें ये टिप्पणी केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों के आरएसएस की शाखाओं में शामिल होने पर 58 साल से लगे प्रतिबंध के खिलाफ थे। इस पूरे प्रकरण में सभी पक्षों के तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। इंदौर में सुनवाई करते हुए प्रशासनिक जज एसए धर्माधिकारी और जस्टिस गजेंद्र सिंह की डिवीजन ने आदेश जारी किया। उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में ये कहा है कि सेंट्रल होम मिनिस्ट्री ने पिछले दिनों अपने सर्कुलर में भी संशोधन किया था। इसके बावजूद हम डिटेल आर्डर जारी कर रहे हैं कि सरकार इस सर्कुलर में फिर से संशोधन ना कर दें। केंद्र ने जो संशोधन किया है उसे अधिकृत वेबसाइट पर भी डाला जाए। इसके अलावा देशभर में जनसंपर्क विभाग के माध्यम से इसका प्रचार भी किया जाए।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 27 जुलाई- 2024

राज्यों की सुप्रीम जीत

गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने माइंस एंड मिनरल्स (डिवेलपमेंट एंड रेग्युलेशन) यानी एमएमडीआर एक्ट, 1957 के तहत रॉयल्टी से जुड़े एक अहम मामले में जो फैसला दिया है उससे इसे टैक्स नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत के फैसले के मुताबिक खनिज और खनिज वाली जमीनों पर केंद्र द्वारा ली जाने वाली रॉयल्टी के अतिरिक्त भी राज्यों को टैक्स लगाने का अधिकार है। बता दें कि केंद्र और राज्यों के अधिकारों से जुड़े इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 1989 में दिए अपनी संविधान पीठ के फैसले को गलत करार दिया है। सात जजों की बेंच ने उस फैसले में खदान और खनिजों के विकास से जुड़े मामलों में टैक्स लगाने का अधिकार केंद्र को ही बताया था। जाहिर है नौ जजों की बेंच के बहुमत से दिए गए ताजा फैसले को पहली नजर में केंद्र सरकार के लिए झटका बताया जा रहा है। लेकिन इस फैसले के निहितार्थ काफी दूर तक जाते हैं। देखा जाए तो राज्य और केंद्र के अधिकारों की हदों का मामला है तो ताजा फैसला निश्चित रूप से कई राज्य सरकारों के लिए बड़ी राहत बन कर आया है। ताजा फैसले के कारण अब राज्य सरकारों को राजस्व वसूली का एक नया स्रोत मिल गया है। इससे जहां राज्यों की आमदनी बढ़ेगी, वहीं नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की सुविधा भी बढ़ेगी। यही नहीं राज्य के विकास को पंख भी लग जाएंगे। इसके साथ ही राज्यों की केंद्र पर निर्भरता भी कम हो जाएगी। इस फैसले से तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे खनिज संसाधनों से संपन्न राज्यों को ज्यादा फायदे मिल सकते हैं, जिससे इन राज्यों की स्थिति में तेजी से सुधार होगा। बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि विभिन्न राज्य सरकारें जब अपने इस अधिकार का उपयोग करने लगेंगी, तब उसका क्या नतीजा सामने आएगा देखने वाली बात होगी। इसके अलावा जब राज्य सरकारों के फैसले सामने आएंगे और लागू होने लगेंगे तब और सही अंदाजा लगाया जा सकता है। फिर भी इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि विभिन्न राज्य अपनी जरूरतों के मुताबिक जो अतिरिक्त टैक्स लगाएंगे उससे तमाम खनिज पदार्थों की कीमतों में इजाफा होगा। जाहिर है इसका सीधा असर उन सभी उत्पादों की लागत पर पड़ेगा, जिनके उत्पादन में ये खनिज पदार्थ कच्चा माल के रूप में इस्तेमाल होते हैं। राज्यों में अलग-अलग टैक्स दरों के चलते इन पदार्थों की कीमतों में राष्ट्रीय स्तर पर तालमेल बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। अच्छी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने कानून की व्याख्या करते हुए संविधान में निहित संघवाद की भावना को ध्यान में रखा है और राज्यों के अधिकारों को संरक्षित करने पर जोर दिया है। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद उम्मीद की जानी चाहिए कि यह फैसला देश में केंद्र और राज्यों के बीच संबंधों को संतुलित करने में मददगार साबित होगा। इसका सीधा असर आम नागरिकों पर पडना तय है।

किसान आन्दोलन की राहें बातचीत से ही खुलेंगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिकताओं का जिक्र किया ,उसमें विकसित भारत के लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है। विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है।

ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी कि सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

हिन्दू विरोध में बदल गया है बांग्लादेश का आरक्षण आंदोलन

मनोज कुमार अग्रवाल

बांग्लादेश इस समय आरक्षण विरोधी आंदोलन के चलते गंभीर संकट से जूझ रहा है। आरक्षण के विरोध में संपूर्ण बांग्लादेश में हिंसा हो रही है। अब तक सरकारी आंकड़ों के मुताबिक डेड़ सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वैसे यह सरकारी आंकड़ा 130 है और यह कितना सच है, इसे समझा जा सकता है। नौकरियों की कमी से गुस्साए प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता था. सरकार ने बड़े पैमाने पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में बांग्लादेश के हाई कोर्ट ने आरक्षण बहाल कर दिया था, जिसके बाद देश में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए थे। हालांकि हालात बिगड़ते देख कर सुप्रीम कोर्ट ने हाइकोर्ट के आरक्षण के आदेश को रोक लगा दी है। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं, पांच प्रतिशत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिजनों और अन्य श्रेणियों के लिए दो प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच अब आरक्षण के खिलाफ जारी प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदुओं के विरोध में बदलता जा रहा है। बांग्लादेश में जारी हिंसक प्रदर्शनों के बीच एक हजार भारतीय छात्रों की वतन वापसी हो गई है। हालांकि अभी भी वहां हजारों की संख्या में छात्र फंसे हैं, जो जल्द घर आने की कोशिशों में जुटे हैं। बांग्लादेश में इस हफ्ते सरकारी नौकरियों के लिए विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर बवाल मचा हुआ है। दरअसल बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शन शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार की नौकरी कोटा प्रणाली के खिलाफ हैं, जो कुछ समूहों के लिए सरकारी नौकरियों का एक बड़ा हिस्सा आरक्षित करती है। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि यह प्रणाली भेदभावपूर्ण है और मेधावी उम्मीदवारों को सरकारी पद हासिल करने से रोकती है। आरक्षण के विरोध में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है, वैसे तो यह उसका आंतरिक मामला है लेकिन इसके संदर्भ भारत से भी बहुत गहरे जुड़े हुए हैं। बांग्लादेश में पहले 30 प्रतिशत आरक्षण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम सेनानियों के परिवारों को मिलता था। लेकिन इस आरक्षण के खिलाफ बांग्लादेश में आंदोलन हुआ जिसके बाद इसे वापस ले लिया गया था। आंदोलन उचित भी था क्योंकि बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन को आधी सदी हो गया है, अब उनकी तीसरी पीढ़ी को आरक्षण देने का कोई मतलब नहीं।

लेकिन नेता अपना स्वार्थ देखता है भले ही इसके लिए देश बर्बाद हो जाये। कुछ लोग अदालत में गये और यह फैसला ले आये कि 30 फीसद आरक्षण फिर लागू किया जाये। संभवतः शेख हसीना की सरकर ने अदालत से इस तरह का फैसला करवाया और फिर उसे लागू कर दिया। इसका कारण यह है कि बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन से ही शेख हसीना ही पार्टी बनी है और ज्यादातर स्वतंत्रता सेनानी के परिवार शेख हसीना की पार्टी में ही हैं। इस तरह 30 प्रतिशत आरक्षण का सीधा लाभ शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कार्यकर्ताओं को मिलता है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इसीलिए अति उत्साह में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। लेकिन उनको जनता के विरोध का अंदाजा नहीं था। आरक्षण लागू होते ही बांग्लादेश के लोग सड़कों पर आ गये और पूरे बांग्लादेश को हिंसा के हवाले कर दिया। परिणाम स्वरूप सैकड़ों लोग मारे गये। तमाम सरकारी भवनों को आगे के हवाले कर दिया गया। पूरा बांग्लादेश जल उठा। हिंसा कहीं भी हो उसको जायज नहीं ठहराया जा सकता है। कोटा विरोधी प्रदर्शनों को कॉर्डिनेट करने वाले नाहिद इस्लाम ने कहा, कि ₹हम सामान्य रूप से कोटा प्रणाली के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम चाहते हैं, कि 1971 के स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए 30 प्रतिशत कोटा खत्म कर दिया जाए। उन्होंने कहा, कि बांग्लादेश में कई युवाओं के लिए सरकारी नौकरियां ही एकमात्र उम्मीद हैं, और यह कोटा प्रणाली उन्हें अवसरों से वंचित कर रही है।₹प्रदर्शनकारियों का मानना है, कि ये रिजर्वेशन प्रधानमंत्री शेख हसीना की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए दिया जाता है और आरक्षण से उनकी सरकार को भारी फायदा मिलता है, क्योंकि आरक्षण लेने वाले उनके ही समर्थक हैं। आंदोलनकारियों का मानना है, कि कोटा का गलत फायदा उठाया जा रहा है। उनका तर्क है, कि कोटा भेदभावपूर्ण है और इसे योग्यता आधारित प्रणाली से बदला जाना चाहिए।भारत की तरह बांग्लादेश में भी सरकारी नौकरियों का क्रेज है, क्योंकि इसमें काफी अच्छा वेतन दिया जाता है। लेकिन, आधे से ज्यादा सरकारी नौकरियों में अलग अलग आरक्षण व्यवस्था है। प्रदर्शनकारियों का दावा है, कि वे किसी भी राजनीतिक समूह से जुड़े नहीं हैं। अल-जजीरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस आंदोलन को छात्र विरोधी भेदभाव आंदोलन के रूप में जाना जाता है। राजधानी में ढाका विश्वविद्यालय और चटगांव विश्वविद्यालय के हजारों छात्र आरक्षण विरोधी आंदोलन में शामिल हो गए हैं। और फिर यह देश के अन्य विश्वविद्यालयों में भी फैल गया है। लेकिन इस बीच कुछ ऐसी वीडियोज भी सामने आई है, जो इस बात की तस्दीक कर रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन अब हिंदू विरोधी होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर बांग्लादेश से वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि आरक्षण के विरोध में जारी हिंसा अब हिंदुओं के खिलाफ में बदलती जा रही है।

यहां तक बताया जा रहा है कि हिंसा की आड़ में प्रदर्शनकारी हिंदू लोगों का घर तक फूंक रहे है।बांग्लादेश में जो आरक्षण विरोध का हिंसा चल रहा है उसे अब भारत विरोध और हिंदू विरोध में बदल दिया गया। यह प्रदर्शनकारी माइक पर बोल रहा है- भारत जादेर मामार बारी, बांग्ला छारो तारा तारी यानी जिनके चाचा का घर भारत है, वे बांग्लादेश को जल्दी से छोड़ दें।

पता चल रहा है कि बांग्लादेश में जो थोड़े बहुत हिंदू बच गए हैं इस हिंसा की आड़ लेकर उनके घर फूंके जा रहे हैं उन पर हमला किया जा रहा है और पूरे बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल बनाया जा रहा है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में जारी आरक्षण के खिलाफ हिंसा में अब तक 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं इस हिंसा के चलते अब तक 4 हजार से ज्यादा भारतीय छात्र स्वदेश लौट आए हैं। वहीं देश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बीच बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण रविवार को घटा दिया।

योगी के लिए आसान नहीं यूपी में मानसून सत्र का सामना करना !

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद से सबसे ज्यादा चर्चा के केंद्र में उत्तर प्रदेश है। भाजपा में सियासी गुटबाजी दिख रही है और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खुलकर मोर्चा खोल रखा है। इतना ही नहीं, भाजपा के सहयोगी दल भी काफी मुखर हैं और अपनी ही सरकार पर सवाल खड़े कर रहे हैं तो समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने 37 सांसदों के साथ लखनऊ का मैदान छोड़कर दिल्ली के रण को चुन लिया है। इसके चलते उत्तरप्रदेश की सियासत में 29 जुलाई की तारीख काफी महत्वपूर्ण हो गई है जिस पर अब सभी की निगाहें लगी हुई हैं। उत्तर प्रदेश का विधानसभा का मानसून सत्र 29 जुलाई से शुरू हो रहा है। इसी दिन सूबे के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है। अखिलेश यादव के विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का 29 जुलाई से पहले चयन कर लेना है। ऐसे में विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी को पार्टी नेताओं के बीच जारी मनमुटाव को दूर करने के साथ-साथ सहयोगी दलों के विश्वास को भी जीतने की चुनौती होगी। इसीलिए मानसून सत्र पर सभी की निगाहें लगी हुई हैं। लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद पहली बार सूबे में विधानसभा का सत्र शुरू होने जा रहा है। उत्तरप्रदेश में 80 में सबसे ज्यादा 37 सीटें जीतने के बाद से समाजवादी पार्टी के हौसले बुलंद है जिसकी झलक लोकसभा में दिख रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के विधायक विधानसभा में भी खासा उत्साहित नजर आ सकते हैं. और अब तो कांग्रेस भी उनके साथ है। इस तरह समाजवादी पार्टी ने सदन से सड़क तक आक्रामक रुख अपनाए रखने का प्लान बनाया है। चुनावी नतीजे जिस तरह भाजपा के खिलाफ आए हैं, उसके बाद से ही भाजपा बैकफुट पर है। ऐसे में विधानसभा में भाजपा के लिए विपक्षी दलों के मुद्दों का सामना करना आसान नहीं होगा। इस बार का विधानसभा सदन की कार्यवाही पर सभी की निगाहें होंगी और विपक्षी तेवर देखने वाला होगा। बिजली कटौती से लेकर कांवड़ रूट पर नेम प्लेट का मामला चल रहा है।

इसके अलावा ओबीसी आरक्षण भी एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। मानसून सत्र में विपक्ष जहां सरकार को घेरने की पूरी तैयारी करके बैठा है तो भाजपा के सहयोगी दल भी अलग कशमकश में हैं। लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा नेताओं में खींचतान जारी है। केशव प्रसाद मौर्य और मुख्यमंत्री योगी में मनमुटाव की बातें हो रही है। इसके अलावा सहयोगी दलों ने अलग-अलग मुद्दों पर भाजपा और योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है लेकिन सत्र शुरू होने से पहले तक यह नहीं खत्म हुआ तो विधानसभा सदन में विपक्ष हावी हो जाएगा। ऐसे में भाजपा और सहयोगी दलों के बीच सियासी रिश्ते सुधारने का जिम्मा मुख्यमंत्री योगी के कंधों पर है क्योंकि सरकार के वो ही मुखिया हैं और उनकी जिम्मेदारी सबसे अहम हो जाती है। लोकसभा चुनाव के बाद ही अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर नौकरियों में दलित और ओबीसी आरक्षण में भेदभाव का मामला उठाया था। निषाद पार्टी के अध्यक्ष और मंत्री डॉ. संजय निषाद ने भी सरकार को चेताया था कि जिन भी सरकारों ने आरक्षित वर्गों की उपेक्षा की, उनका नुकसान ही हुआ। इसके अलावा बुलडोजर नीति पर भी सवाल खड़े किए थे। ऐसे ही बातें ओम प्रकाश राजभर ने भी की थी तो आरलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने कांवड़ यात्रा वाले मार्ग वाली दुकानों में दुकानदारों के नाम लिखे जाने संबंधी आदेश की आलोचना करते हुए वापस लिए जाने की मांग की थी। इस तरह से सहयोगी दलों के सवालों को विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले साधकर रखने की चुनौती है। मुख्यमंत्री योगी के लिए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी चुनौती बने हुए है । केशव प्रसाद मौर्य ने बीते दिनों प्रदेश कार्यसमिति में बयान दिया था कि संगठन सरकार से बड़ा था, बड़ा है और हमेशा बड़ा रहेगा। सरकार और संगठन के बीच चल रही खींचतान का संदेश इन शब्दों ने दिया और फिर उसके बाद गत दिवस नई दिल्ली में केशव की पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुलाकात ने उत्तर प्रदेश में बड़े बदलाव की अटकलों को हवा दे दी।

यह सिर्फ इसलिए, क्योंकि न तो उपमुख्यमंत्री के यह शब्द नए हैं और न ही उत्तरप्रदेश में गुटबाजी नई है लेकिन अन्य प्राथमिकताओं को लेकर चल रहे केंद्रीय नेतृत्व का जोर फिलहाल समन्वय पर है हालांकि जरूरी हुआ तो गुजरात की तर्ज पर सरकार और संगठन की समान सर्जरी के रूप में सामने आ सकता है।

उत्तर प्रदेश में 2017 विधानसभा चुनाव में जब भाजपा की प्रचंड बहुमत के साथ जीत हुई और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बनाए गए तो कुछ समय तक सरकार चलने के बाद से ही सरकार में गुट आकार लेने लगे थे ।

कॉंग्रेस सांसद, चरणजीत चन्नी द्वारा खालिस्तान का समर्थन

विजय सहगल

दिनांक 25 जुलाई 2024 का दिन संसद के इतिहास मे बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब प्रथम बार जालंधर से कॉंग्रेस के चुने गये सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जैसे संवैधानिक पदासीन व्यक्ति द्वारा संसद मे, मोदी सरकार पर अघोषित आपातकाल का आरोप लगते हुए, खालिस्तान अलगाववादी, पुलिस थाने/पुलिस पर हमला और देश के विरुद्ध संघर्ष छेड़ने के आरोप मे अप्रैल 2023 से असम के डिब्रूगढ़ जेल मे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम मे बंद नवनिर्वाचित सांसद अमृतपाल सिंह का पक्ष लेते हुए इसे अभिव्यक्ति की आज़ादी का हनन बताते हुए उस अतिवादी के पक्ष मे खड़े नज़र!! आतंकवादी भिंडरवाले को अपना आदर्श बताने वाले अमृतपाल सिंह के समर्थन मे खड़े कॉंग्रेस के सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने एक बार फिर इतिहास को दोहराते हुए कॉंग्रेस की उस विघटनकारी नीति की याद दिला दी जिसने अपनी स्वार्थी सत्ता को कायम रखने के लिये भिंडरवाले जैसे आतंकवादी का पोषण कर उसको बढ़ावा देकर उसके ही विचारों के अतिवादियों द्वारा हमारे देश की एक महान प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की हत्या कर उन्हे हमसे, असमय छीन लिया था। जिस समय चरणजीत सिंह चन्नी अलगाववादी अमृतपाल सिंह के पक्ष मे संसद मे भाषण दे रहे थे, कॉंग्रेस के सांसद मेजे थपथपा कर उनका उत्साह वर्धन कर रहे थे। चन्नी के लोकसभा मे वक्तव्य के दौरान और बाद मे भी कॉंग्रेस के विपक्ष के नेता राहुल गांधी या कॉंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे या श्रीमती सोनिया गांधी का ऐसा कोई बयान नहीं आया जिसमे चन्नी के बयान की निंदा की गयी हो या उससे, असहमति जताई हो? तब क्या ये माना जाये कि कॉंग्रेस पार्टी एक अलगाववादी, देश विरोधी अमृतपाल सिंह के समर्थन मे ठीक वैसे ही खड़ी है जैसे आज से चार दशक पूर्व भिंडरावाले के पक्ष मे खड़ी थी? चरणजीत सिंह चन्नी यहीं नहीं रुके अपितु पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय बेअंत सिंह की शहादत पर क्षुद्र राजनीति करते हुए उनके पौत्र और भारत सरकार के मंत्री रबनीत सिंह बिट्टू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि, आपके दादाजी श्री बेअंत सिंह शहीद हुए थे लेकिन वे उस दिन नहीं मरे थे, वे उस दिन मरे जब आपने (बिट्टू ने) कॉंग्रेस छोड़ी थी!! आतंकवाद मे स्व॰ बेअंत सिंह के बलिदान को कॉंग्रेस से जोड़ कर बताने की उनकी अधम सोच ने न केवल देश के लिये उनके बलिदान को तुच्छ और ओछा कर दिया अपितु अलगाववादी अमृतपाल सिंह के साथ खड़े दिखने पर कॉंग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने देश के लिये आत्मोसर्ग हुई पूर्व प्रधानमंत्री की शहादत को भी महत्वहीन और छोटा करने का पाप किया हैं। देश की आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद की नीतियों के विरुद्ध इन नेताद्वय का ये सर्वोच्च बलिदान था जिसे ये देश कभी नहीं भूल सकता। जिस कॉंग्रेस ने स्व॰ इन्दिरा गांधी, स्व॰ राजीव गांधी और सरदार बेअंत सिंह जैसे नेताओं को आतंकवाद की क्रूर और अमानवीय हत्याओं का दंश झेला हो, उसके माननीय सांसद चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा एक अलगाववादी की अभिव्यक्ति की आज़ादी का खुले आम समर्थन पर, कॉंग्रेस के किसी भी जिम्मेदार नेता द्वारा निंदा न करना तो दूर की बात अपितु मौन धारण कर चुप्पी साध लेना इस बात को इंगित करता हैं कि उन्होने अपने नेताओं की शहादत से कुछ शिक्षा ग्रहण नहीं की अन्यथा चरणजीत सिंह चन्नी के इस शर्मनाक और गैरजिम्मेदार वक्तव्य के लिये उनके विरुद्ध समुचित कार्यवाही करते।वर्तमान कॉंग्रेस के संगठन की नीतियों पर अब तो ये स्पष्ट सवाल उठने लगे हैं कि वे मोदी सरकार को सत्ताच्युत करने के लिये देशद्रोहियों, अलगाववादियों और अतिवादियों के समर्थन और साथ देकर किसी भी हद तक गिर सकते हैं जो देश के लिये बड़ा भयावह और चिंता का विषय हैं?

अब शेर की बारी

सुरेश मिश्रा

कभी बाजार से हाथी गुजरता था। आजकल शेर गुजर रहा है। हालांकि भौंकने वाले तब भी कुत्ते थे। आज भी कुत्ते हैं और यही हाल रहा तो आगे भी कुत्ते ही रहेंगे। इन कुत्तों में भी कुछ ऐसे हैं जो ऊपर से सुफेदी और भीतर से धूर्तता का चोला ओढ़े आए दिन बाजार से गुजरने वालों पर बेमतलब के भौंकते रहते हैं। हाँ तो इस बार हाथी की जगह शेर गुजर रहा था। कुत्ते अपने सहज स्वभाज के अनुरूप उस पर टिपियाना चाहते थे। शेर तो शेर है, हाथी तो नहीं कि पास में आए कुत्तों के प्रति शाकाहारी बन जाए। स्वभाव और काम में राजा दिखने वाले भौंकने वाले कुत्तों को देखकर दुबकना अपनी प्रतिष्ठा के विरुद्ध समझते हैं। शेर का गुण है दहाड़ना, ललकारना, समय स्फूर्ति दिखाना न कि चुपचाप एक कोने में कुत्तों की तरह दुबक कर बैठ जाना। कुत्तों को यह साफ पता था कि शेर के रेडियस में घुसेंगे तो वह हमें अपने एक पंजे से अपना शिकार बना लेगा। इसलिए सभी कुत्तों ने निर्णय किया कि एक निश्चित दूरी से शेर पर भौकेंगे। भौंकने का सिलसिला आरंभ हुआ। एक कुत्ते ने भौंका – अरे यह देखो इसका जबड़ा तो खुला हुआ है! हमारे जमाने के शेर एकदम गाय होते थे गाय! यह भी भला कोई शेर है। दूसरे ने भौंका – हाँ-हाँ तुम सही कहते हो। हमारे जमाने के शेर एकदम बिल्ली की तरह एक कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। इसका आकार तो देखो। खा-पीकर बड़ा बलिष्ठ बन बैठा है। तीसरे ने भौंका – अरे उसके नाखून तो देखो। छी-छी कितने गंदे लग रहे हैं। भला कोई इतने लंबे नाखून रखता है। नाखून तो एकदम रुई की तरह होने चाहिए। चौथे ने भौंका – अरे उसके सिर के बालों पर तो नजर डालो। कितने घने हैं। भला सभ्य समाज में कोई ऐसे बाल कैसे रख सकत है! यहाँ तो शरीफ लोग रहते हैं, ऐसो का यहाँ क्या लेना-देना? सबके टिपियाने के बाद शेर ने एक जोरदार दहाड़ लगाई। जंगल थरथरा उठा। फिर उसने कहा – जब से मैं देख रहा हूँ तुम लोग ऊटपटांग बातें किए जा रहे हो। कभी गाय, कभी बिल्ली, कभी कुछ, कभी कुछ टिपियाये जा रहे हो। तुम्हारी इन्हीं हरकतों ने मेरे दादा का खुद से विश्वास उठ गया कि वे भी कभी शेर हुआ करते थे। आज भी तुम लोग वही हरकतें कर रहे हो। लेकिन मैं अपने दादा की तरह नहीं हूँ। मैं यहाँ आने से पहले हाथी के पास गया था। उसने मुझे बताया कि ये बाजार के कुत्ते भौंक-भौंक कर सामने वाले का आत्मविश्वास खत्म कर देते हैं। कभी तुम्हें गाय तो कभी बिल्ली की तरह दिखने के लिए कहेंगे, लेकिन तुम कतई मत बनना। समझे। कुत्ते कुछ कहते उससे पहले ही शेर बोल पड़ा – एक बात हमेशा याद रखना बिल्ली से गाय, गाय से शेर और शेर से सौम्य होने की उम्मीद कतई मत रखना। स्वभाव बदलने से अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

बदल जाएगी जिंदगी...शनिदोष को शांत करने के लिए धारण करें ये रुद्राक्ष

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है, और इस दौरान रुद्राक्ष का विशेष महत्व होता है। रुद्राक्ष भगवान शिव के आँसू से उत्पन्न हुआ माना जाता है और इसे धारण करने से सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक शांति, और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं। रुद्राक्ष के कई प्रकार होते हैं, जैसे एकमुखी, द्विमुखी, त्रिमुखी आदि, जिनमें प्रत्येक का अलग-अलग महत्व है। पंचमुखी रुद्राक्ष ध्यान और मानसिक शांति के लिए महत्वपूर्ण है, जबकि सप्तमुखी रुद्राक्ष शारीरिक और मानसिक बीमारियों से राहत दिलाता है। वहीं हम आपको एक ऐसे रुद्राक्ष के बारे में बताने जा रहे हैं जो शनि ग्रह और शनि संबंधित समस्याओं से निजात दिला सकती है।

ज्योतिषी ने बताया कि 12 मुखी रुद्राक्ष पहनने से शनि संबंधित सभी परेशानियों से निजात मिलता है। यह रुद्राक्ष आत्मविश्वास और शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसे पहनने वाले व्यक्ति को यश, कीर्ति और सम्मान मिलता है। 12 मुखी रुद्राक्ष मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। इसे सही विधि से धारण करने पर व्यक्ति को जीवन में सफलता, समृद्धि और उन्नति मिलती है।

शनि दोष से मुक्ति के लिए 12 मुखी रुद्राक्ष

अजय कोठारी ने बताया कि बारह मुखी रुद्राक्ष शनि ग्रह के प्रभाव को कम करने और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है। यह रुद्राक्ष भगवान सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है और इसे धारण करने से आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और मानसिक शांति में वृद्धि होती है। बारह मुखी रुद्राक्ष न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार लाता है, बल्कि मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी व्यक्ति को सशक्त बनाता है। इसके नियमित धारण से व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और शनि से संबंधित दोषों में कमी आती है, जिससे जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता प्राप्त होती है।

12 मुखी रुद्राक्ष पहनने की विधि

12 मुखी रुद्राक्ष को रविवार या सोमवार के दिन सूर्योदय से पहले धारण करना श्रेष्ठ माना जाता है। रुद्राक्ष पहनने से पहले इसे पंचामृत में भीगा दे। जिसके बाद पूजन स्थल पर गंगा जल, चंदन, धूप, दीप, और फूल अर्पित करें। रुद्राक्ष को सोने, चांदी, या तांबे की धागे में पिरोकर पहनें। इसे गले या दाहिनी भुजा में धारण करें।

बंद किस्मत का ताला खोल सकता है ये पेड़

हिंदू धर्म में कई पवित्र पेड़-पौधे हैं, जिनकी शक्ति से आप सभी परेशानियों से निजात पा सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको उनमें से एक खास पेड़ के बारे में बताएंगे। इससे जूड़े कुछ उपाय कर आप सभी परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं।

बरगद के पेड़ को हिंदू धर्म में पूजनीय माना गया है। इसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। इसे वट वृक्ष के नाम से भी लोग जानते हैं। इस पेड़ से विशेष उपाय करने से हर तरह की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसके साथ ही घर में धन-धान्य की कमी भी नहीं होती है।

बरगद का पेड़ लंबे समय तक अक्षय रहता है, इसलिए इसे 'अक्षयवट' भी कहा जाता है। अक्सर मंदिरों में बरगद का पेड़ इसलिए ही लगाया जाता है क्योंकि इसमें देवी-देवताओं का वास होता है।

आप हर शाम को बरगद के पेड़ के नीचे देसी घी का दीपक जलाकर विष्णु भगवान का ध्यान करें। इससे विष्णु भगवान बेहद प्रसन्न होते हैं और जीवन की सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। इस पेड़ के चारों ओर सूती धागा बांधकर पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होती है।

अगर आपको कारोबार में मुनाफा चाहिए तो आप शनिवार के दिन बरगद के तने पर हल्दी और केसर चढ़ाएं। इससे कारोबार में तेजी से मुनाफा होता है।

शुक्रवार के दिन बरगद के पेड़ का एक साबुत पत्ता लेकर उस पर गीली हल्दी से स्वास्तिक बनाएं। फिर इस पत्ते को मंदिर या तिजोरी में रख दें। इससे सभी प्रकार की आर्थिक समस्याएं दूर होने लगती हैं।

अगर आप हनुमान जी की कृपा पाना चाहते हैं तो बरगद के 108 साबुत हरे पत्ते लें। इन पत्तों पर लाल रंग की स्याही से 11 बार भगवान राम का नाम लिखें। इसके बाद ये पत्ते हनुमान जी को अर्पित करें। इससे हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

> जो लोग परिवार, काम और मित्रों में संतुलन बनाए रखते हैं, वे जीवन का सही आनंद ले पाते हैं। अगर इन तीनों में असंतुलन हुआ तो जीवन अशांत हो जाता है।

> सिर्फ परिवार ही हमें हमारी कमियों के साथ अपनाता है। इसलिए परिवार का सम्मान करें।

वास्तु के नियम अनुसार कैसा होना चाहिए घर का नेम प्लेट

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व होता है इसकी कई मान्यताएं होती हैं। वास्तु में बताए गए नियम का पालन करने से जीवन में सुख समृद्धि और खुशहाली आती है। इसके अलावा कैरियर लव फाइनेंस और हेल्थ से जुड़ी समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। कई बार ऐसा होता है कि परिवार के कुछ सदस्यों को अपार सफलता मिलती है तो कहीं आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार घर का नाम प्लेट का सदस्यों के जीवन पर विशेष महत्व डालता है गलत तरीके से लगाया गया नेम प्लेट जीवन में कोई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नेम प्लेट से जुड़े हैं ये वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार यदि आप अपने घर पर नेम प्लेट लगा रहे हैं, तो नियम से इसकी साफ-सफाई जरूरी है। अगर आपने नया-नया घर बनाया है तो उसके लिए आयताकार की नेम प्लेट शुभ मानी जाएगी। अगर आप नेल पेंट लग रहे हैं तो यह मुख्य द्वार के दाएं तरफ होना चाहिए। में प्लेट पर लिखे हुए शब्द एकदम स्पष्ट रूप से नजर आना चाहिए यह टूटा फूटा नहीं होना चाहिए, इसमें किसी तरह का छेद नहीं होना चाहिए।

नेम प्लेट पर भगवान गणेश या स्वास्तिक का चिह्न जरूर बना होना चाहिए। अगर किसी कारणवश आपका नहीं प्ले टूट जाता है तो फिर से सही कारण और तुरंत बदल लें।

यदि आपके नाम प्लेट के पीछे मकड़ी छिपकली या चिड़िया वास कर रही है, तो आपको इन्हें हटा देना चाहिए।

अगर आपने अपने घर का नाम प्लेस बनवाया है तो इसमें वाइट, येलो और केसरिया रंग जरूर होना चाहिए।

वास्तु के नियम के अनुसार, प्लास्टिक से बनी नेम प्लेट बिल्कुल इस्तेमाल न करें। इसके अलावा लड़कियां पत्थर से बने नेम प्लेट का इस्तेमाल भी ना करें।

कालाष्टमी व्रत, काल भैरव को कैसे करें प्रसन्न?

हिंदू धर्म में भगवान काल भैरव की पूजा के लिए समर्पित कालाष्टमी तिथि का बड़ा ही महत्व होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस शुभ तिथि के मौके पर कालभैरव की पूजा-पाठ करने से दुख-दरिद्रता से छुटकारा मिलता है। इस दिन को कालाष्टमी इसलिए कहते हैं क्योंकि इस तिथि के दिन भगवान काल भैरव प्रकट हुए थे। यह शुभ तिथि भगवान भैरव से असीम शक्ति प्राप्त करने की तिथि मानी जाती है। इसलिए इस दिन पूजा और व्रत करने का विशेष महत्व माना गया है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 27 जुलाई दिन शनिवार को रात 9 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगी और 28 जुलाई दिन रविवार को रात 7 बजकर 27 पर समाप्त होगी। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, कालाष्टमी का पर्व 28 जुलाई दिन रविवार को मनाया जाएगा।

मासिक कालाष्टमी की पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े धारण करें।

पूजा के स्थान को अच्छी तरह से साफ करें और फिर एक वेदी पर भैरव बाबा की प्रतिमा स्थापित करें।

फिर पंचामृत से कालभैरव की प्रतिमा का अभिषेक करें और इत्र लगाएं

इसके बाद फूलों की माला अर्पित करें, साथ ही चंदन का तिलक लगाएं।

भगवान काल भैरव को फल, मिठाई, घर पर बने प्रसाद का भोग लगाएं।

भगवान के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं और काल भैरव अष्टक करें।

आखिर में आरती से पूजा को समाप्त करें और अंत में पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना करें।

अगले दिन व्रती इसी प्रसाद से अपना व्रत खोल सकते हैं और जरूरतमंदों को भोजन खिलाएं और उनकी सहायता करें।

भैरव बाबा को ऐसे प्रसन्न

कालाष्टमी के दिन भगवान बटुक भैरव को कच्चा दूध अर्पित करें और काल भैरव को शराब अर्पित करें। कई लोग इस दिन उन्हें शराब का भोग लगाते हैं। इसके अलावा हलुआ, पूरी और मदिरा उनके प्रिय भोग हैं। इमरती, जलेबी और 5 तरह की मिठाइयां भी अर्पित की जाती हैं। कालाष्टमी के दिन भगवान काल भैरव की आराधना करने से लोगों को सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

कालाष्टमी के दिन दान करने से पापों का नाश होता है और ग्रहों के दोषों से मुक्ति मिलती है। काल भैरव के आशीर्वाद से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस दिन खास चीजों का दान करने से वैवाहिक जीवन में आने वाली परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है और पति-पत्नी के बीच रिश्ता भी मजबूत होता है।

आपके जेब में भी नहीं टिकते हैं पैसे

तो अपनाएं ये वास्तु टिप्स पर्स में भरा रहेगा पैसा

सर आपने लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि वह आर्थिक तंगी से परेशान है बेहद कड़ी मेहनत करते हैं पैसे कमाते हैं लेकिन फिर भी पैसा उनकी जेब में नहीं टिकता है। घर में सुख शांति समृद्धि और धन खुशहाली बनाए रखने के लिए बहुत सी बातों का पालन करना जरूरी है। हिंदू धर्म में कुछ वास्तु नियम बताए गए हैं यदि इनका ध्यान रखा जाए तो माता लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। मान्यता के अनुसार, वास्तु नियमों को ना मानने के कारण घर में कई बार नकारात्मकता बढ़ जाती है ऐसे में घर में लक्ष्मी नहीं ठहरती पैसों की कमी बनी रहती है।

कुबेर यंत्र

वास्तु के हिसाब से कुबेर यंत्र ग्रहों की स्थिति को दिखाता है यह काफी असरदार माना जाता है। यदि आप घर के अलग-अलग स्थान पर इसे रखते हैं तो मैं अलग हो जाते हैं। वही, शास्त्रों के मुताबिक रविवार के दिन अगर आप उत्तर की दिशा में कुबेर यंत्र की स्थापना करते हैं तो कर्ज से राहत मिलती है।

काला वस्त्र

वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार काले रंग का वस्त्र नेगेटिविटी का प्रतीक माना जाता है यदि आप भी काले रंग के कपड़े पहनना पसंद करते हैं, तो इनसे दूरी बना लीजिए क्योंकि इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मान्यता के अनुसार, काला वस्त्र धारण करने से करियर में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है साथ ही धन संबंधी परेशानी बनी रहती है।

जूठे बर्तन ना रखें

अक्सर ऐसा होता है कि महिलाएं किचन में रात के खाए हुए बर्तन ऐसे ही छोड़ देती हैं वास्तु शास्त्र के नियम अनुसार माता लक्ष्मी साफ सफाई वाले घर में ही प्रवेश करती हैं। यदि आप धन संबंधी परेशानियों से छुटकारा पाना चाहती है तो आपको रात के समय अपने किचन की साफ सफाई करके सोना चाहिए।

सावन में शनि पूजा का संयोग

सावन महीने में शनिवार को भी बहुत खास माना जाता है। शनि दोष, साढ़ेसाती और ढय्या से परेशान लोगों को सावन के शनिवार को पीपल पूजा और तिल का दान करना चाहिए। इसी दिन से शनिवार व्रत की शुरुआत भी कर सकते हैं। स्कंद पुराण के मुताबिक सावन महीने में शनिवार को शनिदेव के साथ भगवान शिव की विशेष पूजा करनी चाहिए। जिससे कुंडली में मौजूद ग्रह-स्थिति से बन रहे दोषों से छुटकारा मिल जाता है।

सावन में शनि और शिव पूजा

भगवान शिव, शनिदेव के गुरु हैं। शिव ने ही शनिदेव को न्यायाधीश का पद दिया था। जिसके फलस्वरूप शनि देव मनुष्यों को कर्मों के अनुसार फल देते हैं। इसलिए श्रावण के महीने में जो भी भगवान शिव के

साथ साथ शनिदेव की उपासना करता है। उसको शुभ फल प्राप्त होते हैं। भगवान शिव के अवतार पिप्पलाद, भैरव तथा रुद्रावतार हनुमान जी की पूजा भी शनि के प्रकोप से रक्षा करती है।

पीपल के पेड़ के ऊपर वाले हिस्से में भगवान शिव का वास होता है। इनके साथ ही पीपल में शनिदेव का भी स्थान होता है। इसलिए भगवान शिव और शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए पीपल की पूजा का विधान है। लिंग पुराण के अनुसार शनिवार को पीपल के पेड़ को स्पर्श करने से उम्र बढ़ती है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर नहाने के बाद पीपल के पेड़ को प्रणाम करें। उसके बाद दोनों हाथों से पीपल को स्पर्श करें। इसके साथ ही 108 बार ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। इससे अकाल मृत्यु नहीं होती है।

श्रावण शनिवार को शनि पूजा और दान शनि मंदिर में जाकर शनिदेव की मूर्ति का तिल के तेल से अभिषेक कराएं। उसके बाद नीले फूल और शमी पत्र भी चढ़ाएं। शनिदेव को तेल का दीपक और धूपबत्ती का दर्शन करवाएं। इसके बाद उड़द की दाल और चावल की खिचड़ी का भोग लगाएं। इस तरह पूजा करने के बाद काले कपड़े में उड़द की दाल, काले तिल, भोजन के तेल और कुछ पैसे रखकर किसी ब्राह्मण को दान करें। इसके साथ ही श्रद्धा अनुसार जूते-चप्पल, पलंग या बिछौना भी दान कर सकते हैं।

शिव पुराण की शतरुद्र संहिता के अनुसार शनिदेव की पूजा के बाद विश्वामित्र, पिप्पलाद मुनि और विश्वामित्र के पिता गाधि, इन तीनों का नाम लेकर इन्हें प्रणाम करें। ऐसा करने से शनि पीड़ा नहीं होती।

'मिस्टर इंडिया' के सीक्वल में काम करेंगी जान्हवी? बोलीं- मुझे नहीं पता कि इसका रीमेक बनना चाहिए

जान्हवी कपूर इन दिनों अपने करियर में काफी सक्रिय हैं। शरण शर्मा की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में राजकुमार राव के साथ काम करने के बाद, वह अब अपनी आगामी फिल्म 'उलझ' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। अब हाल ही में, जान्हवी ने बताया है कि क्या वह अपनी मां की कल्ट क्लासिक फिल्म 'मिस्टर इंडिया' के सीक्वल पर काम करना चाहेंगी। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

'मिस्टर इंडिया 2' के सीक्वल में काम करेंगी जान्हवी?

एक साक्षात्कार में जान्हवी ने इस बारे में भी अपनी राय साझा की। बता दें कि मिस्टर इंडिया में जान्हवी की दिवंगत मां श्रीदेवी और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। जान्हवी ने कहा, मिस्टर इंडिया भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। मुझे नहीं पता कि इस जैसी फिल्म का कभी रीमेक बनाया जाना चाहिए या नहीं। मुझे नहीं पता कि इसके लिए क्या प्लान हैं। मुझे लगता है कि निर्माता सबसे अच्छे से जानते हैं। कुछ फिल्मों को ऐसे ही छोड़ देना चाहिए।

पिता की बात मानती हैं अभिनेत्री

इसके अलावा अभिनेत्री ने पिता बोनी कपूर के फैसले पर भरोसा करने के बारे में बात की और कहा, मैंने कभी ऐसा नहीं कहा कि नहीं, मैं यह फिल्म नहीं करना चाहती'। मैं उनके फैसले पर बहुत ज्यादा भरोसा करती हूं। मैं कभी भी उनकी बात को रिजेक्ट नहीं करती हूं। मैंने कभी भी उन पर यह दबाव नहीं डाला कि वे मुझे अपनी फिल्म में लें।

पिता की फिल्मों में इसलिए नहीं आती नजर

जान्हवी ने आगे कहा, मैं पहले उनकी बेटी हूं और फिर एक अभिनेत्री, जो निर्माता से बात कर रही हूं। यह मेरे दिमाग में भी नहीं है। एक बेटी के तौर पर, मैं चाहती हूं कि वे अपने बिजनेस मॉडल के लिए अपनी फिल्म के लिए सबसे अच्छे फैसले लें। और मैं सिर्फ यही चाहती हूं कि वे उसी तरह से काम करें, इसलिए मैंने उनसे कभी भी उनकी फिल्मों में खुद को लेने की बात की है।

बहुत बड़ी 'कला' है बिना कुछ कहे समझ जाना

अवनीत कौर

मैं अपने परिवार की सबसे बड़ी लड़की हूं। दुनिया के चाहे जिस कोने में भी मैं रहूं, मेरा ध्यान अपने माता-पिता और अपने घर पर बारीकी से रहता है। जिम्मेदारियों का एहसास लड़कियों को सिखाया नहीं जाता, बल्कि यह उनमें अपने आप होता है।

गत दिनों एक ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म 'लव की अरेंज मैरिज' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। सुप्रिया पाठक, अन्नू कपूर और राजपाल यादव जैसे वरिष्ठ कलाकारों के साथ अवनीत कौर और सनी सिंह की रोमांटिक जोड़ी ने इस फिल्म में चार चांद लगाए। 'डांस इंडिया डांस', 'डांस के सुपरस्टार्स', 'झलक दिखला जा', 'सावित्री', 'एक मुट्ठी आसमान', 'हमारी सिस्टर दीदी', 'क्राइम पैट्रोल' जैसे दर्जनों शो अवनीत कर चुकी हैं। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

* आप लव मैरिज करना चाहेंगी या अरेंज?

- मैं लव मैरिज में विश्वास करती हूं, बशर्ते सही लड़का मिले और बात सफलतापूर्वक शादी तक पहुंचे। लेकिन इस बात को झुठलाया नहीं जा सकता कि शादी के बाद भी प्यार हो सकता है। एक-दूसरे को समझते हुए, बिना कुछ कहे जज्बातों को 'बिटविन द लाइंस' समझना भी बहुत बड़ी कला है। हमारे भारतीय समाज को देखिए, पिछली पीढ़ी के अनगिनत दम्पति आपको ऐसे दिखाई देंगे, जिनकी अरेंज मैरिज हुई थी और विवाहोपरांत उनका प्यार परवान चढ़ा। कुछ लव मैरिज, अरेंज मैरिज बन जाती है, जब उनके प्यार को घर के सभी लोगों का आशीर्वाद मिलता है। शादी-ब्याह कैसे। हो, यह तय करना मुश्किल है, आसान नहीं।

* जालंधर से मुंबई का सफर कैसा रहा?

- जालंधर से मुंबई तक का मेरा सफर 'रोलर कोस्टर' की तरह उतार- चढ़ाव भरा रहा। संघर्ष मेरी जर्नी का एक अहम हिस्सा रहा। कभी जिल्लत सहनी पड़ी तो कभी उपेक्षा और कभी अच्छे मौके भी मिले। किसी ने ऐसे पाठ पढ़ाए, जिन्हें भूलना संभव नहीं है।

कुछ अच्छे लोग, कुछ अच्छी और कड़वी यादें मेरे साथ चलती रहीं। इन सभी अच्छे-बुरे अनुभवों से मैं सीखती रही, लेकिन वापस नहीं लौटी। आज मैं जहां और जिस भी स्थान पर हूं, उसके लिए मैं इंडस्ट्री की कृतज्ञ हूं।

* फिल्म 'लव की अरेंज मैरिज' करने की क्या वजह रही?

कपूर और सुप्रिया पाठक जैसे सीनियर एक्टर्स के साथ काम करने के मौके को मैं भला कैसे गंवा सकती थी।

* कितना अलग है आपका किरदार ?

- मेरे किरदार का नाम इशिका है, जो छोटे गांव की लड़की है। इशिका काफी स्मार्ट और बोल्ड है। अपने जज्बातों को सीधे-सीधे बोलने में उसे पल भर का भी वक्त नहीं लगता। उसमें कॉन्फिडेंस कूट-कूट कर भरा है। उसके मुंहफट स्वभाव के कारण कुछ कॉमिक सीन निर्माण हो जाते हैं। मेरे लिए इशिका का किरदार निभाना यादगार रहा।

* सुप्रिया पाठक और अन्नू कपूर के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

- सुप्रिया पाठक फिल्म में मेरी मां बनी हैं और मेरे ज्यादातर सीन उनके साथ हैं। उनके पास टी. वी., फिल्म और थिएटर का बहुत लंबा-चौड़ा अनुभव है। इस फिल्म से जुड़े सभी सीनियर एक्टर्स, खासकर सुप्रिया अक्सर हम जूनियरों से पूछती थीं कि हम किसी सीन की परफॉर्मेंस के बारे में कैसा फील करते हैं। । क्या मैं अपना सुझाव पुझाव दे सकती हूं। बहुत कम सीनियर आर्टिस्ट अपने जूनियर कलाकारों को इतनी अहमियत देते हैं। अपने व्यवहार से उन्होंने मुझे चकित कर दिया। सुप्रिया और अन्नू कपूर से कोई भी प्रेरित हो सकता है।

* फिल्म में इशिका के अपने किरदार के साथ आप कितना मेल खाती हैं?

- मैं अपने परिवार की सबसे बड़ी लड़की हूं। दुनिया के चाहे जिस कोने में भी मैं रहूं मेरा ध्यान अपने माता-पिता और अपने घर पर बारीकी से रहता है। जिम्मेदारियों का एहसास लड़कियों को सिखाया नहीं जाता, बल्कि यह उनमें अपने आप होता है। अपने माता-पिता का ध्यान मैं शुरू से ही रखती आई हूं। मुझे उनसे लगाव और बहुत गहरा प्यार है।

शाहरुख खान ने अपनी फिटनेस का क्रेडिट बेटे आर्यन को दिया, साझा किया दिलचस्प किस्सा

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान अभिनय के अलावा अपने फिटनेस के लिए भी मशहूर हैं। वे फिल्म दर फिल्म एक्टिंग के साथ-साथ अपने लुक्स को और भी निखारते जा रहे हैं, लेकिन पहले वो इतने फिट नहीं थे। कॉफी विद करण के एक एपिसोड में उन्होंने अपनी फिटनेस का क्रेडिट अपने बेटे आर्यन को दिया था। उन्होंने दर्शकों के संग एक दिलचस्प किस्सा साझा किया था कि कैसे वे फैट से फिट बनें--

शाहरुख खान जितने बेहतरीन अभिनेता हैं उतने ही प्यारे पति और शानदार पापा भी हैं। शाहरुख और गौरी तीन प्यारे से बच्चों के माता-पिता हैं। शाहरुख खान साल 2007 में कॉफी विद करण में आए थे। तब उन्होंने खुलासा किया कि वे अपने बेटे आर्यन की वजह से फिट बने हैं। उन्होंने कहा, 'एक बार आर्यन एक लड़की की पिटाई करके घर आया। मैंने जब उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया तब उसने जो कहा वह चौंकाने वाला था'।

शाहरुख खान अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, 'उस लड़की ने पहले लुक्स के बारे कुछ कहा था तब मेरे बेटे ने उसे इग्नोर कर दिया था। फिर उस लड़की ने कहा कि तुम्हारे पिता बदसूरत हैं तब भी आर्यन ने जाने दिया। फिर उस लड़की ने मुझे मोटा कहा और आर्यन को यह बात चुभ गई। उसने उस लड़की को पीट दिया था। मैं इस बात से काफी नाराज हुआ और मैंने आर्यन को डांटा था'।

शाहरुख खान आगे कहते हैं, 'मेरा बेटा मुझसे नाराज होते हुए बोला कि आप मोटे हैं तभी उसने ऐसा कहा न। आपके लिए उसने जब कहा कि आप बदसूरत हो तब मैंने कुछ नहीं कहा क्योंकि आप खूबसूरत हैं। आप फिट क्यों नहीं हो जाते पापा'।

शाहरुख खान के लिए उनके बच्चों की खुशी सबसे ज्यादा मायने रखती है। शाहरुख कहते हैं, 'उस दिन के बाद मैंने तय कर लिया था कि मैं फिट हो कर दिखाऊंगा और मैंने मेहनत करना शुरू किया, रिजल्ट आपके सामने है। मेरी फिटनेस का क्रेडिट मैं आर्यन को देता हूं। अगर आज मेरे माता-पिता होते तो उन्हें मुझ पर नाज होता कि मैंने बच्चों की अच्छी परवरिश की है'।

आगामी फिल्म 'हीरो हीरोइन' के लिए तेलुगु भाषा सीख रहीं दिव्या

बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या खोसला ने अपनी आगामी फिल्म 'हीरो हीरोइन' के लिए अपना शेड्यूल फाइनल कर लिया है। पहले इस फिल्म की शूटिंग 10 जून से शुरू होनी थी, मगर बाद में इसमें बदलाव कर दिया गया। अब इस फिल्म की शूटिंग 5 अक्टूबर से शुरू होगी। फिल्म के निर्माता 12 अगस्त को फिल्म के मुख्य अभिनेता के नाम का खुलासा करेंगे। ये एक तेलुगु फिल्म है। इसके लिए दिव्या तेलुगु भाषा सीख रही हैं।

तेलुगु सीख रहीं दिव्या खोसला फिल्म में ऐशा देओल, सोनी राजदान, परेश रावल, इशिता चौहान, तुषार कपूर, कोमल नाहटा और प्रियंका चाहर चौधरी भी हैं। प्रियंका चाहर चौधरी इस फिल्म से फिल्मों में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। दिव्या ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'हीरो हीरोइन एक भव्य और महत्वाकांक्षी तेलुगु फिल्म है, जो अपनी जटिल दुनिया और सम्मोहक किरदारों से सफल है। इस भूमिका के साथ न्याय करने के लिए मैं लगन से तेलुगु सीख रही हूं और खुद को किरदार में पूरी तरह से डुबो रही हूं।'

दिव्या ने निर्माता-निर्देशक का व्यक्त किया आभार

उन्होंने आगे कहा, 'जैसे-जैसे मैं स्क्रिप्ट की गहराई से उतरती गई। मुझे एहसास हुआ कि यह एक अभिनेता से बहुत कुछ मांगती है, खासकर भाषा में महारत हासिल करने की। 'सावी' के लिए मेरी कमिटमेंट और 'हीरो हीरोइन' के लिए आवश्यक और जरूरी तैयारी को देखते हुए। हमने 5 अक्टूबर को शूटिंग शुरू करने का फैसला किया है।' इसके साथ ही अभिनेत्री ने फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा और निर्देशक सुरेश कृष्ण के प्रति आभार व्यक्त किया है।

'हीरो हीरोइन' के साथ दर्शकों का दिल जीतने का तैयार

दिव्या खोसला ने कहा, 'मैं दक्षिण के निर्माताओं कृष्णा विजय एल और पवन सदानिनी के साथ सहयोग करने के लिए भी उत्साहित हूं, जो पीओवी स्टोरीज के मालिक हैं। 'सावी' की सफलता के बाद मैं प्यार और समर्थन से अभिभूत हूं। मैं 'हीरो हीरोइन' के साथ एक बार फिर दिल जीतने के लिए तैयार हूं।'

आलिया भट्ट ने बॉबी देओल के साथ शूट किया क्रूर एक्शन सीक्वेंस, 'अल्फा' के सेट पर 100 बॉडीगार्ड तैनात

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' पर काम कर रही हैं। हर कोई स्पाई यूनिवर्स फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वहीं अब खबर आई है कि आलिया भट्ट बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल के साथ एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया और फिल्म के खलनायक बॉबी देओल इस समय मुंबई में हैं, जहां वे फिल्म सिटी में एक भारी सुरक्षा वाले सेट पर शूटिंग कर रहे हैं।

आलिया भट्ट 'अल्फा' के साथ जासूसी की रोमांचक दुनिया में शामिल हो गई हैं। जुलाई के पहले सप्ताह में अंधेरी के वाईआरएफ स्टूडियो में शूटिंग शुरू हुई और अब यूनिट गोरेगांव में फिल्म सिटी में शिफ्ट हो गई है, जहां 100 गार्ड्स की ड्यूटी लगाई गई है। अब आलिया और बॉबी कथित तौर पर एक एक्शन से भरपूर सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं, जिसे एक क्रूर एक्शन सीक्वेंस बताया जा रहा है।

हाथापाई से लेकर हथियारों का इस्तेमाल करने तक, आलिया भट्ट और बॉबी देओल इस एक्शन सीक्वेंस के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, शूटिंग चार दिनों तक चलेगी और निर्माता आदित्य चोपड़ा ने सुनिश्चित किया है कि सेट पर कड़ी सुरक्षा हो और 100 लोग किसी भी संभावित लीक को रोकने के लिए सेट की सुरक्षा करेंगे।

फिल्म के दृश्य को बेहद सुरक्षित सेट पर शूट किया जा रहा है, जिसे कला निर्देशक अमित रे और सुव्रत चक्रवर्ती ने सावधानीपूर्वक डिजाइन किया है। आमने-सामने की लड़ाई के लिए आलिया ने काले रंग की पोशाक पहनी हुई है और उनकी जांघ पर बंदूक बंधी हुई है, जबकि बॉबी ने कटे हुए बाल और नमक-मिर्च वाली दाढ़ी रखी है।

आलिया भट्ट इस फिल्म में अपने मार्शल आर्ट का प्रदर्शन करती नजर आएंगी। शिव रवैल द्वारा निर्देशित 'अल्फा' वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नई फिल्म है, जिसमें शरवरी वाघ भी हैं। शरवरी भी फिल्म में एक्शन अवतार में नजर आएंगी। केसी ओनील को इस फिल्म के लिए भी काम सौंपा गया है। उन्होंने 'जवान' (2023), 'टॉप गनः मेवरिक' (2022) और 'जैक रीचर' (2012) जैसी हिट फिल्मों के लिए एक्शन सीक्वेंस डिजाइन किए हैं।

यश की 'टॉक्सिक' का हिस्सा बनने की खबरों पर तारा सुतारिया ने तोड़ी चुप्पी, साझा किया नोट

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं, जो फिल्म की कहानी और उनके कलाकार से जुड़ी हुई हैं। फिल्म की कास्ट अब तक पूरी तरह से तय नहीं हुई है, ऐसे में फिल्म में शामिल हो रहे कलाकारों के बारे में जानकारियां फैंस का उत्साह बढ़ा रही हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से कई अभिनेत्रियों का नाम इस फिल्म से जुड़ चुका है। हाल ही में तारा सुतारिया की फिल्म में शामिल होने की खबर तेजी से फैल रही थीं, अब इस पर अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि तारा सुतारिया फिल्म 'टॉक्सिक' में यश की दूसरी प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। वहीं अब इस किरदार को निभाने की अफवाह के बीच तारा ने क्रिप्टिक नोट साझा किया है। इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए तारा ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक गुप्त नोट लिखा। नोट में उन्होंने लिखा कि पिछले कुछ दिनों में एक प्रोजेक्ट और उनके बारे में प्रकाशित सभी लेख सच नहीं हैं।

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर तारा ने लिखा, 'सभी को नमस्कार, पिछले कुछ दिनों में एक प्रोजेक्ट और मेरे बारे में जो लेख जारी किए गए हैं, वे झूठे हैं और मैंने उन्हें साझा नहीं किया है।' अभिनेत्री ने कहा, 'जब भी साझा करने के लिए कुछ होगा, मैं इसे आप सभी के साथ साझा करूंगी। मेरा प्यार हमेशा। कोई भी किसी से पीछे नहीं है।' इस दौरान अभिनेत्री ने फिल्म के नाम का खुलासा नहीं किया।

दरअसल, वायरल खबरों में कहा गया था कि टॉक्सिक में तारा, यश की दो प्रेमिकाओं में से एक के रूप में नजर आएंगी, दूसरी प्रेमिका कियारा आडवाणी होंगी। हालांकि, अब तारा ने इन अफवाहों का खंडन किया है। वहीं कथित तौर पर बहुभाषी और बड़े बजट की इस फिल्म में नयनतारा भी यश की बहन की भूमिका में होंगी और हुमा कुरैशी नकारात्मक किरदार में होंगी। ड्रग माफिया की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में यश एक गैंगस्टर की भूमिका में होंगे।

दिसंबर 2023 में यश ने फिल्म का एलान एक प्रोमो साझा करके किया था। साथ ही उन्होंने इसके साथ कैप्शन में लिखा था, "आप जो खोज रहे हैं, वह आपको खोज रहा है'- रूमी वयस्कों के लिए एक परी कथा।' फिल्म की शूटिंग साल के अंत एक जारी रहेगी। वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी है और केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा सह-निर्मित है। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह यश की 19वीं फिल्म है।

एक बार फिर दिल जीतने आ रहे हैं के के मेनन 'शेखर होम' में निभाएंगे जासूस का किरदार

के के मेनन हिंदी सिनेमा के जाने-माने कलाकार हैं। उन्हें उनकी अभिनय क्षमता के लिए काफी सराहा भी जाता है। वह मुख्य रूप से हिंदी फिल्मों में नजर आते हैं, लेकिन उन्होंने गुजराती, तमिल, मराठी, तेलुगु आदि फिल्मों में भी काम किया है। वह जब भी पर्दे पर नजर आते हैं, अपने किरदार के साथ दर्शकों के मन पर छाप छोड़ने में कामयाब रहते हैं। अब एक बार फिर से वह दर्शकों का दिल जीतने वापस आ रहे हैं। वह जल्द ही अपने जासूसी ड्रामा सीरीज में नजर आने वाले हैं।

कई फिल्मों में अपने अदाकारी का जलवा बिखरेने वाले अभिनेता के के मेनन अब ओटीटी पर फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। वह जल्द ही अपने आगामी जासूसी ड्रामा सीरीज 'शेखर होम' में नजर आएंगे। वह अपनी इस नई भूमिका से एक बार फिर दर्शकों को दिल जीतने वाले हैं। निर्माताओं ने गुरुवार को इस सीरीज का पहला लुक जारी किया था, जिसमें अभिनेता की इस सीरीज से पहली झलक दिखाई गई है।

अभिनेता की ये आगामी सीरीज ओटीटी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर प्रसारित होगी। निर्माताओं द्वारा जियो सिनेमा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए संयुक्त पोस्ट में केके मेनन जासूस के अवतार में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को तस्वीरों में छिपी पहले के रूप में साझा किया गया है। इसे साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा है, ₹इसे एक साथ जोड़ें और आपको एहसास होगा कि वह अकेला है जो सभी रहस्यों को सुलझा सकता है। शेखर होम जल्द ही आ रहा है जियो सिनेमा प्रीमियम पर। बात करें केके मेनन के वर्क फ्रंट की तो हाल में ही वह नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रेलवे मेन' में नजर आए थे। भोपाल गैस त्रासदी के दौरान रेलवे कर्मचारियों द्वारा हजारों लोगों की जान बचाने के ईर्द-गिर्द इसकी कहानी घूमती है। शो का निर्देशन शिव रवैल ने किया था, जो दिग्गज निर्देशक राहुल रवैल के बेटे हैं।

हरमनप्रीत ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करने वाले 22वें खिलाड़ी

मनप्रीत सिंह और हरमनप्रीत सिंह

पेरिस ओलंपिक 2024 का आगाज होने जा रहा है। भारत से इस साल 117 खिलाड़ियों का दल पेरिस पहुंच चुका है। एथलीट्स टोक्यो ओलंपिक के सात पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ भारत के पदकों की संख्या को 10 के पार पहुंचाना चाहेंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम से भी इस बार काफी उम्मीदें हैं। टीम ने पिछली बार कांस्य पर कब्जा जमाया था। टीम इस साल स्वर्ण पर निशाना साधना चाहेगी। 1980 के बाद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक में स्वर्ण पदक नहीं जीता है।

इस साल जब पेरिस ओलंपिक में हरमनप्रीत सिंह बतौर कप्तान मैदान पर उतरेंगे, तो वह ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व करने वाले 22वें कप्तान बन जाएंगे। मनप्रीत सिंह टोक्यो 2020 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान थे। तब भारत ने कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक हॉकी पदक के लिए 41 साल का इंतजार खत्म किया था। अब हरमनप्रीत भी ग्रीष्मकालीन खेलों में भारतीय टीम का नेतृत्व करने वाले कप्तानों की उस सूची में शामिल हो गए जिसमें मेजर ध्यानचंद, कुंवर दिग्विजय सिंह और बलबीर सिंह (सीनियर) जैसे दिग्गज शामिल हैं।

जयपाल सिंह मुंडा ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के पहले कप्तान थे। उनकी कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एम्स्टर्डम 1928 ओलंपिक खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक जीता था। सैयद लाल शाह बुखारी, जिन्होंने लॉस एंजिल्स 1932 में भारतीय हॉकी टीम को एक और स्वर्ण पदक दिलाया था, बाद में भारत की स्वतंत्रता और विभाजन के बाद पाकिस्तान के राजनयिक बन गए। ध्यानचंद (एम्स्टर्डम 1928, लॉस एंजिल्स 1932, बर्लिन 1936) और बलबीर सिंह सीनियर (लंदन 1948, हेलसिंकी 1952, मेलबर्न 1956) तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीमों के हिस्सा रहे थे।

ध्यानचंद और बलबीर की कप्तानी में भी जीते स्वर्ण

ध्यानचंद 1936 के संस्करण के लिए कप्तान थे, जबकि बलबीर सिंह सीनियर ने 1956 के मेलबर्न खेलों में टीम की कप्तानी की थी। लेस्ली क्लॉडियस ने ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ चार पदक जीते, जिसमें तीन स्वर्ण और एक रजत पदक (रोम 1960) शामिल है।

परगट सिंह ने रचा था इतिहास

परगट सिंह दो ओलंपिक में फील्ड हॉकी में भारत का नेतृत्व करने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। वह बार्सिलोना 1992 और अटलांटा 1996 ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान थे। 1980 मॉस्को ओलंपिक में तमिलनाडु के वासुदेवन भास्करन भारतीय हॉकी टीम के कप्तान रहे थे। वह ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को स्वर्ण दिलाने वाले आखिरी कप्तान हैं।

महिला हॉकी इस साल क्वालिफाई नहीं कर सकी

महिलाओं में रूपा सैनी 1980 मॉस्को ओलंपिक में भारत की कप्तान रही थीं। यह पहला ओलंपिक था जब भारतीय महिला हॉकी टीम ने इन खेलों में हिस्सा लिया था। तब भारत चौथे स्थान पर रहने के बाद कांस्य पदक से चूक गया। 2016 रियो ओलंपिक में जब भारतीय टीम ने दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया तो सुशीला चानू पुखरंबम कप्तान रही थीं। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 36 साल के लंबे अंतराल के बाद रियो 2016 में ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। फॉरवर्ड रानी रामपाल टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी रही थीं। भारत एक बार फिर चौथे स्थान पर रहा।

दीपिका के पिता और बैडमिंटन लीजेंड प्रकाश पादुकोण की भविष्यवाणी, 'ये स्टार शटलर जीतेंगे पदक'

दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी और शीर्ष शटलर पीवी सिंधू के मेंटर प्रकाश पादुकोण का मानना है कि भारत के पास पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में तीन पदक जीतने का मजबूत मौका है और इनमें सिंधू के लिए पदकों की हैट्रिक भी शामिल है। भारत ने सात सदस्यीय बैडमिंटन टीम भेजी है जिसमें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी और दो ओलंपिक पदक विजेता सिंधू शामिल हैं। पादुकोण ने कहा कि सिंधू पेरिस में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं और उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, 'हम अच्छे प्रैक्टिस की कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं। सिंधू ने ओलंपिक के लिए अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की है। हालांकि, इस स्तर पर कुछ निश्चित या प्रतिबद्ध नहीं हो सकता है। उनकी तैयारियां अच्छी चल रही हैं और वह अभ्यास सत्र में अच्छा खेल रही हैं। इसलिए तैयारियों के मामले में सब कुछ बहुत अच्छा रहा है।'

अनुभवी शटलर, पूर्व ऑल-इंग्लैंड चैंपियन और अपने सुनहरे दिनों में विश्व के शीर्ष खिलाड़ी रहे प्रकाश ने बताया कि वह कोर्ट पर सिंधू की रणनीति में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उन्होंने उनके मार्गदर्शन में बहुत सुधार भी किया है। प्रकाश ने कहा, 'मैं कोर्ट पर रणनीति सुधारने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। इस पर कि सिंधू को कब किस स्ट्रोक का उपयोग करना है और दिमाग के साथ कैसे खेलना है। लगभग नौ महीने पहले वह लगातार कोचिंग परिवर्तन के कारण आत्मविश्वास में थोड़ा कमजोर पड़ गई थीं और यह पहचानने में सक्षम नहीं थीं कि उनके साथ क्या गलत हो रहा था।'

प्रकाश ने कहा, 'हमने उनकी मानसिक मजबूती और रणनीति पर काम किया है और सुनिश्चित किया है कि वह सही स्ट्रोक का बेहतर इस्तेमाल करें। हमने गलतियों में कटौती करने और प्रतिशत बैडमिंटन खेलने की कोशिश की है। यह जानते हुए कि कब विपक्षी खिलाड़ी पर आक्रमण करना है या कब बचाव करना है और सुरक्षित खेलना है। हर चीज पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन अभी तक यह पता नहीं लगाया जाना बाकी है कि क्या वह ओलंपिक के दौरान उस फॉर्म को दोहरा सकती हैं।'

सिंधू के इस साल अब तक कोई खिताब जीतने में नाकाम रहने के बावजूद प्रकाश को लगता है कि मुश्किल परिस्थितियों में चमकने की उनकी क्षमता और ओलंपिक में भारत की सबसे सफल महिला खिलाड़ी होना उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करेगी। सिंधू दो ओलंपिक पदक, 2016 में रियो में एक रजत और टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

प्रकाश ने कहा, 'निश्चित तौर पर वह हाल में अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में नहीं हैं। हालांकि, इससे उन पर से दबाव कम हो सकता है। उम्मीदें कम हैं और यहां तक कि क्वार्टर फाइनल में पहुंचने पर भी उन्हें सकारात्मक रूप से देखा जाएगा।

लेकिन मैं उन्हें उससे परे देख रहा हूं। अगर वह फॉर्म को पुनः हासिल कर उसे कोर्ट पर पेश करने में सक्षम होती हैं, जैसे कि वह अभ्यास में क्या कर रही हैं, तो मुझे लगता है कि वह पिछले टूर्नामेंटों की तुलना में बेहतर करेंगी।'

उन्होंने कहा, 'शीर्ष क्रम की खिलाड़ियों के बीच अंतर काफी कम होता है और यह ओलंपिक में दबाव से निपटने का भी अहम जरिया है। इससे सिंधू को फायदा भी है क्योंकि उन्होंने दो ओलंपिक पदक जीते हैं। हम उन्हें याद दिलाते रहते हैं कि वह अपने खेल पर ध्यान दें और नतीजा अच्छा होगा।' सिंधू के अलावा प्रकाश ने पुरुष युगल में सात्विक-चिराग की जोड़ी को और पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय को संभावित पदक के दावेदारों के रूप में चुना।

प्रकाश ने कहा, 'हमारे पास तीनों स्पर्धाओं में पदक जीतने का मौका है। पुरुष एकल, महिला एकल और पुरुष युगल में हम पदक अपने नाम कर सकते हैं। पुरुष युगल जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बहुत शानदार रहे हैं और शीर्ष खिलाड़ियों को हराया है। उनके पास काफी अच्छा ड्रॉ भी है।

लक्ष्य सेन के पास एक कठिन ड्रॉ है, लेकिन उन्होंने पहले भी अपने विरोधियों जोनाथन क्रिस्टी, केविन कॉर्डन और जूलियन कैरागी को हराया है। इसलिए यह उनके वर्तमान फॉर्म पर निर्भर करता है। यह उनका पहला ओलंपिक है, लेकिन उन्हें इसके बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए और इसे किसी अन्य टूर्नामेंट के रूप में लेना चाहिए।

तीरंदाज दीपिका बोलीं- पेरिस में बेटी की कमी खलेगी, लेकिन ओलंपिक पदक के सामने यह कुछ भी नहीं

ओलंपिक में चुनौती पेश करने को तैयार दीपिका कुमारी को अपनी 19 महीने की बेटी की कमी यहां खल रही है लेकिन इस भारतीय तीरंदाज के लिए दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित खेल आयोजन में पदक के सपने को पूरा करने के सामने यह बहुत छोटा सा त्याग है। दीपिका चौथी बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा ले रही है लेकिन उन्हें अब भी इन खेलों में अपने पहले पदक का इंतजार है। दीपिका को बेटी से दूर रहने की निराशा है लेकिन ओलंपिक पदक के सामने उन्हें इससे कोई शिकायत नहीं है।

दीपिका ने एक इंटरव्यू में कहा, 'अपनी बेटी से दूर होने के दर्द को बयां करना मुश्किल है लेकिन यह उस चीज को हासिल करने के बारे में भी है जिसके लिए हम इतने वर्षों से लगातार मेहनत कर रहे हैं।' दीपिका ओलंपिक की तैयारियों के लिए लगभग दो महीने तक बेटी से दूर रही। पेरिस के लिए उड़ान भरने से पहले पुणे के सेना खेल संस्थान में वह कुछ समय के लिए अपने पति तीरंदाज अतनु दास और अपनी बेटी के साथ रहीं।

दीपिका ने कहा, 'मुझे उसकी काफी कमी खलती है, लेकिन इसमें कुछ नहीं कर सकते है। वह किसी के साथ भी जल्दी घुलमिल जाती है और वह अतनु और मेरे ससुराल के लोगों के साथ अच्छी तरह से घुलमिल गई है।' दीपिका के लिए दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद खेलों में वापसी करना काफी मुश्किल था। उनकी मांसपेशियों में जकड़न आ गई और उनके लिए 19 किलो का धनुष उठाना लगभग असंभव हो गया।

अतनु ने उस समय को याद करते हुए कहा, 'हमने इस तरह से योजना बनाई थी कि हम पेरिस में प्रतिस्पर्धा कर सकें। लेकिन मां बनने के बाद उसके लिए सब कुछ शून्य से शुरू करने जैसा था। तीर चलाने के धनुष उठाने तो दूर की बात थी वह अपने दैनिक काम को भी करने में सक्षम नहीं थी। उसने धीरे-धीरे जॉगिंग करना शुरू किया और फिर जिम में बहुत मेहनत की।'

हार्दिक-रोहित कप्तानी विवाद पर बुमराह ने तोड़ी चुप्पी

आईपीएल 2024 कई मायनों में बेहद रोमांचक रहा था। टूर्नामेंट की शुरुआत में ही कुछ फ्रेंचाइजी ने रिटेंशन के दौरान कुछ ऐसे फैसले लिए, जिसने फैंस के मन में लीग को लेकर उत्सुकता जगा दी थी। इनमें सबसे बड़ा फैसला था हार्दिक का वापस मुंबई इंडियंस में जाना। दो साल तक गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने के बाद मुंबई ने हार्दिक को ट्रेड के जरिये न सिर्फ अपनी टीम में शामिल किया, बल्कि रोहित शर्मा की जगह कप्तानी भी सौंप दी। हालांकि, फ्रेंचाइजी का यह फैसला फैंस को पसंद नहीं आया और पूरे लीग के दौरान हार्दिक फैंस की हूटिंग का शिकार बने।

इतना ही नहीं, मुंबई मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने में भी विफल रहा और इसके लिए हार्दिक को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। हालांकि, हार्दिक ने जैसे ही भारत को टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाने में प्रमुख भूमिका निभाई, चीजें पूरी तरह से बदल गईं। हाल ही में एक बातचीत में भारत और मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पूरे विवाद के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है और हार्दिक को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही समय मुश्किल था, लेकिन टीम कठिन समय में हार्दिक का समर्थन कर रही थी।

उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम समझते हैं कि हम ऐसे देश में रहते हैं जहां भावनाएं चर्चा का विषय हैं। हम समझते हैं कि प्रशंसक भावुक हो जाते हैं। खिलाड़ी भावुक होते हैं। यह इस बात को प्रभावित करता है कि आप भारतीय खिलाड़ी हैं, लेकिन आपके अपने प्रशंसक अच्छा नहीं बोल रहे हैं। आपको इसे चुनौती के तौर पर लेना होगा। आप लोगों को कैसे रोक सकते हैं? यदि आप अपने आप पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आप ऐसे किसी भी मौके को बंद कर देते हैं। यह इतना आसान नहीं है। वे आपके खिलाफ चिल्ला रहे होते हैं। आप इसे सुन सकते हैं।

बुमराह ने इंडियन एक्सप्रेस अड्डा पर कहा, 'लेकिन फिर अंतर आत्मा आपकी मदद करती है। एक टीम के रूप में हम फैंस को प्रोत्साहित नहीं करते। एक टीम के रूप में हम हार्दिक के साथ थे। हम उनसे बात कर रहे थे। उनका परिवार हमेशा वहीं था। कुछ चीजें आपके नियंत्रण से बाहर हैं। जब हमने विश्व कप जीता तो यह कहानी भी बदल गई।

भारत के लिए फिर शुभ साबित होगा सात अगस्त? इस दिन भारोत्तोलन में पदक पर दावा ठोकेंगी मीरा

नीरज चोपड़ा ने सात अगस्त, 2021 को ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतकर इसे भारतीय खेलों के इतिहास का स्वर्णिम दिन बना दिया। अब सात अगस्त को यादगार बनाने की बारी भारोत्तोलक मीराबाई चानू की है। मीरा सात अगस्त को ही पेरिस में एक और ओलंपिक पदक के लिए दावा ठोकने उतरेंगी। उन्हें भी मालूम है कि सात अगस्त को नीरज ने स्वर्ण जीता था। मीरा कहती हैं, वह इस दिन की अहमियत जानती हैं और इसे वापस भारतीय खेलों का सबसे शुभ दिन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

विश्व रिकॉर्ड से मिल रही ऊर्जा

मीरा कहती हैं, बीते कुछ वर्ष चोट के कारण उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं। कई बार नकारात्मकता हावी हो जाती है। ऐसे में कोच विजय शर्मा उन्हें अच्छे दिनों की याद दिलाते हैं। वह डायरी में हर अच्छी बात और तैयारियों को लिखती आई हैं। 119 का विश्व रिकॉर्ड उनके सबसे करीब है। पेरिस की तैयारियों में यह रिकॉर्ड उनमें ऊर्जा भर रहा है। मीराबाई ने टोक्यो ओलंपिक में कुल 202 किलो वजन उठाकर रजत पदक जीता था। स्नैच राउंड में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 87 किलो वजन का रहा था, जबकि क्लीन एंड जर्क राउंड में उन्होंने 115 किलो वजन उठाया था।

अभी 80 से 85 प्रतिशत वजन उठा रही हैं

पेरिस के लिए मीरा की तैयारियां हटकर हैं। वह और उनके कोच विजय शर्मा उस गलती को नहीं दोहराना चाहते हैं जो हांगझोऊ एशियाई खेलों के दौरान हुई थी। एशियाड से ठीक पहले मीरा ने अपनी क्षमता का 90 से 95 प्रतिशत वजन कंपटीशन से पहले कई बार उठाया। कंपटीशन वाले दिन वह चोटिल हो गईं। उनका इलाज जाने-माने चिकित्सक डॉ. दिनशी पारदीवाला ने किया, लेकिन दर्द का कारण नहीं पता लगा। इसके बाद मीरा ने लंबे समय तक वजन को हाथ नहीं लगाया। पहले उन्होंने अपने शरीर को मजबूत किया और जीरो से शुरुआत की। मीरा के मुताबिक वह अभी वह 80 से 85 प्रतिशत वजन उठा रही हैं।

कड़ा है मुकाबला

मीरा के 49 भार वर्ग में इस बार उनका मुकाबला चीन, रोमानिया, अमेरिका और थाईलैंड की लिफ्टर से है। चीनी लिफ्टर ने हाल ही में थाईलैंड ओपन में 217 किलो वजन उठाया है, जबकि बाकी तीनों लिफ्टर 200 या उससे अधिक वजन उठा चुकी हैं। मीरा का श्रेष्ठ 205 किलो है, लेकिन दिसंबर, 2022 के बाद से उन्होंने 200 किलो वजन नहीं उठाया है। विजय मानते हैं कि दुनिया इस बार मीरा को पदक का दावेदार नहीं मान रही है और यही उनके लिए सकारात्मक पक्ष है।

क्या होता है ओलंपिक ऑर्डर, कब हुई इसकी शुरुआत? बिंद्रा से पहले इंदिरा गांधी हो चुकीं सम्मानित

भारत को ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक दिलाने वाले अभिनव बिंद्रा को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह सम्मान ओलंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में 142वें आईओसी सत्र के दौरान दिया जाएगा। बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनकी उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। हालांकि, लोगों के मन में एक सवाल जरूर है कि यह ओलंपिक ऑर्डर सम्मान होता क्या है और इसकी शुरुआत कब से हुई थी? ऐसे कौन-कौन से भारतीय हैं जो इस अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके हैं?

1975 में स्थापित ओलंपिक ऑर्डर, ओलंपिक आंदोलन का सर्वोच्च पुरस्कार है। यह ओलंपिक के दौरान या इसको कराने में विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। यानी खेल को बढ़ावा देने के लिए योग्य प्रयासों के आधार पर लोगों को चुना जाता है और उन्हें सम्मानित किया जाता है। यह सम्मान IOC प्रत्येक ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में मुख्य राष्ट्रीय आयोजकों को ओलंपिक ऑर्डर प्रदान करता है।

बिंद्रा ने 2008 में जीता था स्वर्ण

41 वर्षीय बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक खेलों में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया था। यह किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण पदक था इसके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा दूसरे एथलीट बने थे। बिंद्रा 2010 से 2020 तक अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की एथलीट समिति के सदस्य थे। 2014 से इसके अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे। वह 2018 से आईओसी एथलीट आयोग के सदस्य हैं।

कब हुई थी इसकी शुरुआत?

ओलंपिक ऑर्डर की स्थापना मई 1975 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा ओलंपिक डिप्लोमा ऑफ मेरिट के उत्तराधिकारी के रूप में की गई थी। ओलंपिक ऑर्डर में मूल रूप से तीन ग्रेड (स्वर्ण, रजत और कांस्य) थे। 1984 में साराजेवो (यूगोस्लाविया) में 87वें आईओसी सत्र में, यह निर्णय लिया गया था कि भविष्य में रजत और कांस्य ओलंपिक ऑर्डर के बीच कोई अंतर नहीं होगा। ओलंपिक ऑर्डर में स्वर्ण राज्य के प्रमुखों और असाधारण परिस्थितियों के लिए प्रदान किया जाना जारी रहेगा। इससे सम्मानित वह व्यक्ति होता है जिसने अपने कार्यों के माध्यम से ओलंपिक ऑर्डर को दर्शाया हो, खेल जगत में उल्लेखनीय योग्यता हासिल की हो, या ओलंपिक के लिए अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि या खेल के विकास में अपने योगदान के माध्यम से उत्कृष्ट सेवाएं दी हों। इसके लिए नामांकन ओलंपिक ऑर्डर काउंसिल द्वारा प्रस्तावित किए जाते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा उन पर निर्णय लिया जाता है।

भारत की झोली में पदक डालने को मेरठ की तीन बेटियां तैयार, पारुल बनाएंगी ये रिकॉर्ड

पेरिस ओलंपिक खेल शुरू हो चुके हैं। भारत से भी भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अगुवाई में भारतीय खिलाड़ियों का दल पेरिस पहुंच चुका है। मेरठ से भी तीन महिला खिलाड़ी भाला फेंक में अन्नू रानी, पैदल चाल और मिक्स रिले वॉक इवेंट में प्रियंका गोस्वामी और 5000 मीटर दौड़ व 3000 मीटर स्टीपल चेज में पारुल चौधरी प्रतिभाग कर रही हैं। खिलाड़ी पेरिस पहुंच चुके हैं।

आज ओलंपिक खेलों का उद्घाटन भी होना है। ऐसे में खेल शुरू होने से पहले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर भारतीय खिलाड़ी छाए हुए हैं। खिलाड़ियों को सुपर हीरो के किरदार में पेश किया जा रहा है।

मेरठ के इकलौता गांव की पारुल चौधरी को सोशल मीडिया पर सुपर वुमन बताकर उनका पोस्टर तैयार कर शेयर किया जा रहा है। खुद खिलाड़ियों ने भी अपने सोशल मीडिया एकाउंट में इन पोस्टर को शेयर किया है। इनमें भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सुपर मैन के किरदार में दिखाई दे रहे हैं। अन्य खिलाड़ी भी किसी न किसी सुपर हीरो के रूप में दिखाई दे रहे हैं। खुद खिलाड़ियों ने अपने पोस्टर को अपने सोशल मीडिया एकाउंटस से शेयर किया है।

खिलाड़ी पेरिस पहुंचने के बाद अपनी फोटो सोशल मीडिया के माध्यम से शेयर कर रहे हैं। यहां मेरठ के खिलाड़ियों के परिजनों को भी सभी खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद है। 27 जुलाई को भारत और न्यूजीलैंड के बीच हॉकी मैच होना है जो कि काफी रोमांचक रहेगा। इसके बाद एक अगस्त से एथलेटिक्स इवेंट शुरू होंगे, जिसमें मेरठ के खिलाड़ी भी नजर आएंगे।

पैदल चाल में एक अगस्त को हिस्सा लेंगी प्रियंका गोस्वामी

पेरिस ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स इवेंट एक अगस्त से शुरू होंगे। मेरठ से प्रतिभाग कर रहीं एथलीट प्रियंका गोस्वामी एक अगस्त को 20 किमी पैदल चाल इवेंट में प्रतिभाग करेंगी।

2 अगस्त को पारुल चौधरी 5000 मीटर दौड़ के पहले राउंड में रात 9:40 पर भाग लेंगी।

4 अगस्त को पारुल 3000 मीटर स्टीपल चेज के पहले राउंड में दोपहर 1:35 मिनट पर इवेंट में भाग लेंगी।

5 अगस्त को 5000 मीटर दौड़ का फाइनल राउंड होगा।

6 अगस्त को 3000 मीटर स्टीपल चेज का सेमीफाइनल

7 अगस्त को सुबह 11 बजे स्टीपल चेज का फाइनल होगा। 7 अगस्त को ही सुबह 11 बजे प्रियंका गोस्वामी वॉक मिक्स रिले इवेंट में प्रतिभाग करेंगी। दोपहर 1:55 पर अन्नू रानी भाला फेंक के पहले राउंड में प्रतिभाग करेंगी।

10 अगस्त को भाला फेंक का फाइनल राउंड होगा।

अब आपके किचन में मिलेगा भूटान का आलू

बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए सरकार करेगी इंपोर्ट

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। महंगाई की पिच पर वैसे तो दालें और हरी सब्जियां भी उछल रही हैं पर आम आदमी के किचन के बजट को सबसे ज्यादा बिगाड़ रहे हैं आलू, प्याज और टमाटर के दाम. ऐसे में महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार ने मास्टर प्लान बनाया है. जल्द ही अब आपके किचन में भूटान का आलू मिलने वाला है.

दरअसल, आलू की बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार पडोसी देश भूटान से आयात बढ़ा सकती है, जिससे आलू की बढ़ती कीमतों को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी और लोगों को सस्ते में आलू मिल सकेगा.ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार को लग रहा है कि देश में आलू के कम उत्पादन के कारण कीमतें तेज बनी रह सकती हैं. ऐसे में सरकार कीमतों में नरमी लाने के लिए विभिन्न उपायों पर गौर कर रही है. रिपोर्ट में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि सरकार पड़ोसी देश भूटान से आलू मंगाने की मंजूरी दे सकती है. अन्य देशों से भी आलू का आयात करने पर विचार किया जा सकता है.

जून 2024 में खत्म हुई वैलिडिटी

अधिकारी के अनुसार, सरकार व्यापारियों को फिलहाल छोटे-छोटे अमाउंट में आलू का आयात करने की मंजूरी दे सकती है. सरकार ने पिछले साल भूटान से आलू खरीदने की मंजूरी दी थी. सरकार ने पिछले साल जो मंजूरी दी थी, उसके तहत व्यापारी बिना लाइसेंस के जून 2024 तक भूटान से आलू खरीदकर भारत ला सकते थे.पहचान उजागर न करने की शर्त पर इकोनॉमिक टाइम्स के हवाले से एक अधिकारी ने कहा कि सरकार जल्द ही व्यापारियों को छोटी मात्रा में स्टेपल आयात करने की अनुमति देगी. आलू के प्रमुख उत्पादक राज्यों जिनमें पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश शामिल हैं यहां मौसम की मार के कारण ख़राब हुई मौसम संबंधी क्षति के कारण इस साल उत्पादन प्रभावित हुआ, जिससे कीमतों में बढ़ोतरी हुई.

इतना रह सकता है आलू का उत्पादन

भारत आलू का उत्पादन करने के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर है. आलू के उत्पादन के मामले में भारत से आगे सिर्फ चीन है. पिछले साल भारत में 60.14 मिलियन टन आलू का उत्पादन हुआ था. इस साल आलू का उत्पादन कम रहने की आशंका है. कृषि मंत्रालय के पहले एडवांस एस्टिमेट के अनुसार, इस साल देश में आलू का उत्पादन लगभग 58.99 मिलियन टन रह सकता है.दरअसल खराब मौसम के चलते पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में आलू की फसल प्रभावित हुई है. इसके चलते आलू के दाम भी प्याज और टमाटर की तरह बढ़ने लगे हैं. टमाटर, प्याज और आलू की महंगाई बढ़कर 48.4 फीसदी पर पहुंच चुकी है. ऐसी आशंका है कि आलू की कीमतें लगातार तेज हो सकती हैं और अक्टूबर से बाजार में उसकी कमी महसूस हो सकती है.आम तौर पर हर साल बाजार में नवंबर-दिसंबर में आलू की कमी देखी जाती रही है, लेकिन इस बार पहले से ही असर दिखने की आशंका है.देशभर में फ़िलहाल आलू की कीमतें 50 रुपए के नीचे हैं. दिल्ली की आजादपुर मंडी में आलू की कीमतें 40 रुपए किलो पर हैं. वहीं, नोएडा में आलू की कीमतें 44 रुपए किलो के करीब हैं।

इन 78,213 करोड़ लावारिस रुपयों का मालिक कौन? कहीं आपका तो नहीं ये पैसा ऐसे लगाएं पता

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग बैंकों में आज भी हजारों करोड़ रुपए लावारिस जमा हैं. उन पैसों का मालिक कौन है? और जो लोग उन पैसों के असल हकदार हैं उन्हें वह कैसे अपने अकाउंट में ट्रांसफर या निकासी कर सकते हैं. आज हम आपको स्टेप-बाई-स्टेप बताने वाले हैं. आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, बैंकों में दावा न किए गए जमा राशि में पिछले साल की तुलना में 26 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो मार्च 2024 के अंत तक 78,213 करोड़ रुपए हो गई. मार्च 2023 के अंत तक डिपॉजिटर एजुकेशन और अवेयरनेस फंड में जमा राशि 62,225 करोड़ रुपए थी. बता दें कि सहकारी बैंकों सहित बैंक खाताधारकों की 10 या उससे अधिक वर्षों से उनके खातों में पड़ी दावा न की गई जमा राशियों को आरबीआई के डिपॉजिटर एजुकेशन और अवेयरनेस फंड में ट्रांसफर करते हैं.

क्या है डिपॉजिटर एजुकेशन और अवेयरनेस फंड?

भारतीय रिजर्व बैंक ने साल 2014 में जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष (डीईएएफ) की स्थापना की थी. असल में बैंकों के पास ऐसी रकम हमेशा से चिंता का कारण रही हैं, जिनका कोई दावेदार नहीं है. लोग पैसा जमा किये और भूल गए. परिवार में किसी को बताया नहीं और असमय दुनिया से चले गए. ऐसी रकम बैंक इस इंतजार में अपने पास रखते कि न जाने कब कौन दावेदार आ जाए.इस फंड की स्थापना से सार्वजनिक और निजी, दोनों ही क्षेत्र के बैंकों की इस समस्या का समाधान हो गया. उन्हें अपने पास पैसा रखने की मजबूरी नहीं है. वे केंद्रीय बैंक की ओर से तय गाइड लाइन के मुताबिक लावारिस रकम इस फंड में जमा कर रहे हैं और जब भी जरूरत हो रही है, मतलब दावेदार के सामने आने पर उसे वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दे रहे हैं।

निफ्टी ने बनाया नया ऑलटाइम हाई

सेंसेक्स 1300 अंकों के उछाल के साथ बंद, आईटी-ऑटो स्टॉक्स ने बाजार में भरा जोश

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र निवेशकों के लिए राहत लेकर आया है. पांच दिनों से जारी गिरावट पर आज ब्रेक लग गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी ऑलटाइम हाई बनाने में कामयाब रहा है. आईटी, ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी के चलते सेंसेक्स 1350 अंकों के उछाल के साथ बंद हुआ है. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 444 अंकों के उछाल के साथ 24,850 अंकों पर बंद हुआ है. निवेशकों की संपतति में 7 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 456.90 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है.

फार्मा-हेल्थकेयर-ऑटो-आईटी स्टॉक्स में तेजी

निफ्टी ऑलटाइम हाई को छूने में कामयाब रहा तो निफ्टी के 50 शेयरों में 47 तेजी के साथ बंद हुए जबकि केवल तीन शेयर गिरकर बंद हुए. निफ्टी में तेजी में जिन स्टॉक्स का योगदान रहा है उसमें श्रीराम फाइनेंस है जो 9.18 फीसदी, डिवीज लैब 5.36 फीसदी, सिप्ला 5 फीसदी, भारती एयरटेल 4.50 फीसदी, अपोलो हॉस्पिटल 4.37 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज 3.60 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 3.75 फीसदी, विप्रो 3.54 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. केवल ओएनजीसी 1.25 फीसदी, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.81 फीसदी, नेस्ले 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है.

सभी सेक्टर्स तेजी के साथ बंद

बाजार में तेजी में सभी सेक्टर्स का इंडेक्स हरे निशान में बंद हुआ है. सबसे बड़ी तेजी निफ्टी आईटी में रही, इसके अलावा ऑटो स्टॉक्स, बैंकिंग, फार्मा, हेल्थकेयर, एनर्जी, मेटल्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, मीडिया और रियल एस्टेट स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए. भारतीय बाजार में तेजी को ग्लोबल मार्केट का बड़ा सपोर्ट मिला है. अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुए थे. तो शुक्रवार के सत्र में यूरोपीय बाजार तेजी के साथ कारोबार कर रहा हैं. बाजार में आई इस शानदार तेजी के बाद उतार-चढ़ाव मापने वाला इंडेक्स इंडिया वीआईएक्स 3.01 फीसदी की कमजोरी के साथ क्लोज हुआ है.

क्या कैपिटल गेन टैक्स बढ़ा सकता है काजू-बदाम के दाम

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बजट में कैपिटल गेन टैक्स बढ़ते ही चौतरफा गिरावट दिखने लगी है. लेकिन इस दौरान दिल्ली में काजू-बादाम समेत अन्य ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. इन ड्राई फ्रूट्स की कीमतें बजट के बाद से ही सातवें आसमान पर पहुंच गई हैं. अचानक बेमौसम ड्राई फ्रूट्स की कीमतें क्यों बढ़ने लगीं ये सोचने वाली बात है. क्या कैपिटल गेन टैक्स काजू-बादाम की बढ़ती कीमतों का जिम्मेदार है या कुछ और ही कारण है?

कैपिटल गेन टैक्स बढ़ा सकता है कीमतें?

बजट में कैपिटल गेन टैक्स में बढ़ोतरी का ऐलान हुआ. जिसके बाद से भारतीय शेयर बाजार लगातार टूट रहा था. वही, दूसरी तरफ विदेशी निवेशक भी बाजार से पैसा निकाल रहे हैं. इस वजह से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया आल टाइम लो पर आ गया है. डॉलर महंगा होने से कई चीजों के दाम भी बढ़ने लगे हैं. जिसमे ड्राई फ्रूट्स की कीमतें भी शामिल हैं.

क्यों बढ़ रहे ड्राई फ्रूट्स के दाम?

इन दिनों डॉलर के मुकाबले रुपया रिकार्ड लो लेवल पर है. बीते दिन अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गिरावट के साथ 83.72 रुपये पर बंद हुआ. इसका असर अन्य चीजों के अलावा ड्राई फ्रूट्स पर भी दिख रहा है. कारोबारियों के मुताबिक, विदेशी करेंसी रुपया के मुकाबले महंगी हुई है. जिसके चलते ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई प्रभावित होने के कारण दाम में तेजी आई है. दिल्ली के थोक ड्राई फ्रूट्स मार्केट खारी बावली में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों से ड्राई फ्रूट्स की सप्लाई होती है. ऐसे में जब सप्लाई प्रभावित हुई है तो कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है.

महंगी हो सकती हैं मिठाइयां

काजू के अलावा इस समय बाजार में किशमिश, बादाम, अखरोट, सभी के दाम भी बढ़ गए हैं. इसकी वजह से आने वाले दिनों में मिठाइयों के दाम बढ़ने के आसार हैं. टाइम्स की रिपोर्ट्स में बाजार कारोबारियों के मुताबिक, बीते 20 दिनों से काजू के साथ बादाम की डिमांड बढ़ गई है. सबसे ज्यादा डिमांड चार टुकड़े काजू की है. इसका इस्तेमाल मिठाइयों में किया जाता है. अगले महीने रक्षाबंधन का त्यौहार है ऐसे में ड्राई फ्रूट्स की कीमतें बढ़ने से त्योहारी सीजन में लोगों की जेब ढीली हो सकती है. बड़ी बड़ी मिठाई बनाने वाली कंपनियों ने इस दौरान काजू की खरीदारी शुरू कर दी है इस वजह से भी दाम में बढ़ोतरी हुई है.

20 दिन में बढ़ गई कीमतें

दिल्ली में काजू की सप्लाई सबसे ज्यादा दक्षिण अफ्रीका से होती है. लेकिन कुछ दिनों से सप्लाई प्रभावित होने के चलते रॉ मटीरियल की कमी आई, जिससे काजू के दाम में बढ़ोतरी हुई है. ईरानी मामरा बादाम के दाम में भी बढ़ोतरी हुई है.

इसके पीछे का कारण वहां करेंसी में हुआ उतार-चढ़ाव है. बीते 20 दिन में 1,000 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाले काजू की कीमत 1,200 रुपये किलो हो गई है. ईरानी मामरा बादाम जो पहले 2,000 रुपये प्रति किलो बिकता था, उसकी कीमत अब 2,600 रुपये तक पहुंच गई है. सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में ड्राई फ्रूट्स के दाम में और तेजी आ सकती है.करेंसी मार्केट में गुरुवार 25 जुलाई के सेशन में एक डॉलर के मुकाबले रुपया अपने ऑलटाइम लो 83.72 रुपये पर क्लोज हुआ है.

विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मांग और भारत से विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण यह गिरावट आई.

बजट के बाद सोना 5,149 और चांदी 6,860 रुपए सस्ती

गोल्ड का दाम आज 158 घटा, 68,069 प्रति 10 ग्राम बिक रहा; एक किलो चांदी 81,336 की

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी (इम्पोर्ट टैक्स) घटने के बाद लगातार चौथे दिन इनकी कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। चार दिन में सोना 5,149 रुपए और चांदी 6,860 रुपए सस्ती हो चुकी है। सरकार ने बजट में सोना-चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 15% से घटाकर 6% कर दिया है। इसी का असर इनकी कीमतों में देखने को मिल रही है। बजट के तीन दिन बाद, यानी आज 26 जुलाई को सोना 158 रुपए गिरकर 68,069 रुपए पर आ गया है। वहीं चांदी आज 138 रुपए गिरकर 81,336 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। 23 जुलाई को इसमें 3,616 रुपए और 24 जुलाई को 451 रुपए गिरावट आई थी।

सोने की मांग बढ़ेगी, कीमतें ज्यादा नहीं घटेंगी

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के अनुसार इस बार बजट में सोना-चांदी पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी 15% से घटाकर 6% कर दी गई है। इससे इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है, लेकिन आने वाले दिनों में सोने की मांग और तेजी से बढ़ेगी।अभी सोने और चांदी में गिरावट भले हुई है, लेकिन इसे केवल ड्यूटी एडजस्टमेंट कह सकते हैं। कुछ दिन अगर सोना गिरा भी तो यह फिर कवर कर लेगा। अमेरिका में चुनाव और वैश्विक तनाव को देखते हुए सोने और चांदी के दाम अधिक नहीं गिरेंगे। यह खरीद का अच्छा मौका है।

इस साल अब तक 4,700 रुपए से ज्यादा बढ़ चुके हैं सोने के दाम

इस साल अब तक सोने के दाम 4,717 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 68,069 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 81,336 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 7,941 रुपए बढ़ चुकी है।

इंडिगो पर अमेरिकी कस्टम विभाग ने लगाया जुर्माना

विमान में देरी से इस्तांबुल में घंटों फंसे यात्री

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने आव्रजन उपयोगकर्ता शुल्क के भुगतान में देरी के लिए इंडिगो एयरलाइंस पर 5,832.60 डॉलर (488333.27 रुपये) का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने नियत तारीख (गैर-इंटरलाइनेबल टैक्स) के बाद आव्रजन उपयोगकर्ता शुल्क के भुगतान के लिए जुर्माना लगाया है। कंपनी जुर्माने में छूट हासिल करने की कोशिश कर रही है। कंपनी ने गुरुवार को एक नियामकीय फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा है कि इसके वित्तीय, संचालन या अन्य गतिविधियों पर इसका कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ा। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर गुरुवार को बीएसई पर 1.22 फीसदी की तेजी के साथ 4,430.50 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। इंडिगो को अमेरिकी प्राधिकरण से जुर्माने के बारे में 24 जुलाई को सूचना मिली थी

इस्तांबुल में फंसे इंडिगो के 200 यात्री

एक अलग घटनाक्रम में, गुरुवार (25 जुलाई) को एयरलाइन को 200 यात्रियों को इस्तांबुल हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। यात्रियों ने इसकी ऑनलाइन आलोचना की। दरअसल, दिल्ली के लिए इंडिगो की उड़ान को 12 घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया था। विमान में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को देर तक इंतजार करना पड़ा।

यात्रियों ने उड़ान में देरी की आलोचना की

देरी से चल रही उड़ान 6ई 12 के एक यात्री हृदय मदान ने एक्स पर एक पोस्ट में अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा, ₹इंडिगो एयरलाइंस की बिल्कुल दयनीय सेवा। मैं और मेरी पत्नी मिलान से इस्तांबुल इंडिगो-तुर्की एयरलाइंस (6इ 4156) के साथकोडशेयर बुकिंग के जरिए लौट रहे हैं। 6इ 12 से आगे दिल्ली के लिए हमें जाना है। हम इस्तांबुल में दोपहर 3 बजे उतरे और अब हमारी कनेक्टिंग फ्लाइट में देरी हो गई है। एक अन्य यात्री गोविंद कनकन ने लिखा, 'इस्तांबुल से दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए इस्तांबुल हवाई अड्डे पर दयनीय स्थिति।

दुनिया के अरबपतियों में गौतम अडानी का जलवा,मुकेश अंबानी को क्यों लगने लगा डर?

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। को दुनिया के अरबपतियों की दौलत में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली. आंकड़ों को देखें दुनिया के टॉप 20 अरबपतियों में से सिर्फ दो अरबपतियों का जलवा दिखाई दिया. एक तो एलन मस्क, जिनकी दौलत में सबसे ज्यादा इजाफा देखा गया. दूसरा नाम है गौतम अडानी का. जिन्होंने सिर्फ भारत और एशिया में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में अपनी ताकत दिखाई और एक लंबी छलांग लगाते हुए मुकेश अंबानी के बाद दुनिया के 12वें सबसे अमीर कारोबारी बन गए. अगर उनकी स्पीड ऐसी ही बनी रही तो वह मुकेश अंबानी को भी पीछे छोड़ सकते हैं. उसका कारण भी है. उनकी दौलत में बीते एक हफ्ते में 7 अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. जबकि गौतम अडानी अभी मुकेश अंबानी से करीब 9 अरब डॉलर

पीछे दिखाई दे रहे हैं. आइए ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की कितनी नेटवर्थ है.

दुनिया के अरबपतियों में अडानी का जलवा

अगर एक एलन मस्क को छोड़ दिया तो सिर्फ गौतम अडानी टॉप 20 अरबपतियों की लिस्ट में ऐसे अरबपति रहे जिनकी दौलत में इजाफा देखने को मिला. वर्ना जेफ बेजोस लेकर, वॉरेन बफे, बिल गेट्स, स्टीव बॉल्मर, मार्क जुकरबर्ग सभी दौलत में गिरावट देखने को मिली यहां तक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिली. आंकड़ों के अनुसार गौतम अडानी की दौलत में 1.27 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है. जिसके बाद उनकी दौलत 103 अरब डॉलर हो गई है. मौजूदा साल में उनकी नेटवर्थ में 18.4 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिल चुका है.

लगाई लंबी छलांग

गौतम अडानी ने इस तेजी के साथ दो पायदान की छलांग लगाई है. वह दुनियाके 14वें सबसे अमीर अरबपति से 12वें सबसे अमीर कारोबारी की रैंकिंग में पहुंच गए हैं. उन्होंने माइकल डेल और जेंसन हुआंग को पीछे छोड़ दिया है. जिनकी दौलत बड़ी गिरावट देखने को मिली है. जेंसन हुआंग अब 100 अरब डॉलर की एलीट लिस्ट से बाहर हो गए हैं. उकनी नेटवर्थ 98.6 अरब डॉलर रह गई है. गुरुवार को उनकी दौलत में 1.73 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली. वैसे इस साल की उनकी नेटवर्थ में 54.6 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है. जो दुनिया के अरबपतियों में सबसे ज्यादा है.

मुकेश अंबानी को छोड़ सकते हैं पीछे

वहीं दूसरी ओर गौतम अडानी जल्द ही अपने ही हमवतन मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ एशिया के सबसे अमीर कारोबारी बन सकते हैं. वैसे दोनों की दौलत में अभी भी करीब 8 अरब डॉलर का अंतर देखने को मिल रहा है. लेकिन बीते एक हफ्ते मुकेश अंबानी की दौलत में 7 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है. रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट की वजह से ऐसा देखने को मिल रहा है. अभी रिलायंस के शेयरों में गिरावट जारी है, जोकि आने वाले दिनों में भी रह सकती है.

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-15 बजे
चंद्र-	मीन	मे	सिंह-	07-28 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-	09-34 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला-	11-40 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक-	13-49 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु-	16-03 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कुंभ-	18-09 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	20-00 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष---	21-38 बजे
			वृष--	23-14 बजे
			मिथुन-	00-59 बजे
				02-59 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-57 सूर्यास्त. -18-47
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 21-19 तक उपरान्त अष्टमी
मास - श्रावण कृष्ण ,शनिवार 27 July
नक्षत्र - रेवती 12-59 तक उपरान्त अश्विनी
योग - धृति 22-43 तक उप धृति
करण- विष्टी 10-22 तक उप बव
विशेष:- व्रत -त्योहार - पंचक 12-59 तक

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:09 से 10:46 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	05:57 - 07:32 अशुभ	लाभ	18:47 - 20:13 शुभ
शुभ.	07:32 - 09:09 शुभ	उत्पात	20:13 - 21:36 अशुभ
रोग	09:09 - 10:46 अशुभ	शुभ	21:36 - 22:59 शुभ
उत्पात	10:46 - 12:23 अशुभ	अमृत	22:59 - 00:23 शुभ
चंचल	12:23 - 13:59 शुभ	चंचल	00:23 - 01:46 शुभ
लाभ	13:59 - 15:36 शुभ	रोग	01:46 - 03:09 अशुभ
अमृत	15:36 - 17:13 शुभ	काल	03:09 - 04:32 अशुभ
काल	17:13 - 18:47 अशुभ	लाभ	04:32 - 05:57 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है । बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे । आज अप्रत्याशित स्रोतों से धन प्राप्ति के संकेत है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योंकि इससे न केवल आपकी वर्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योंकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीबीआई ने नीट पेपर लीक का सीन रीक्रिएट किया

हजारीबाग में कंट्रोल रूम से पंकज ने उड़ाया था प्रश्न-पत्र प्रिंटर समेत कई इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस-डॉक्यूमेंट्स जब्त

पटना, 26 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में गुरुवार को केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) तीन आरोपियों को हजारीबाग के उस राज गेस्ट हाउस में ले गई, जहां सॉल्वरों ने पेपर सॉल्व किया था। सीबीआई ने वहां जांच के दौरान सीन रीक्रिएट किया और ये समझने की कोशिश की कि कैसे ओएसिस एग्जाम सेंटर से प्रश्नपत्र गेस्ट हाउस लाने के बाद उसे सॉल्व कराया गया। इस गेस्ट हाउस से सीबीआई प्रिंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस समेत कई दस्तावेज ले गई।

सील किए गए इन दस्तावेज पर बीपी राजू, एडिशनल सुपरिटेंडेंट, साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन, सीबीआई, नई दिल्ली लिखा है। सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम के साथ बिहार की टीम भी थी। करीब तीन घंटे तक इस गेस्ट हाउस को खंगाला गया। उसके बाद गेस्ट हाउस को फिर से सील कर दिया। पिछले दो दिनों से सीबीआई की टीम तीन आरोपियों के साथ हजारीबाग में डटी थी। सीबीआई के साथ पेपर उड़ाने वाले पंकज उर्फ आदित्य उर्फ साहिल के अलावा गेस्ट हाउस का मालिक राजकुमार सिंह राजू और धनबाद से गिरफ्तार अविनाश उर्फ बंटी भी था। फॉरेंसिक टीम भी उनके साथ थी। जांच के बाद एक टीम दो आरोपियों को लेकर गेस्ट हाउस से निकली। कुछ देर बाद दूसरी टीम एक अन्य आरोपी को लेकर वहां से निकली। सीबीआई अफसरों ने कहा कि जांच जारी है। इससे पहले बुधवार को सीबीआई तीनों आरोपियों को लेकर ओएसिस स्कूल पहुंची थी। वहां आरोपियों की निशानदेही पर उस कमरे की जांच की, जहां पेपरलीक किया गया था। आरोपियों ने बताया कि कैसे पेपर को बक्से यानी ट्रंक से निकाला गया था। सीबीआई ने पंकज के उस टूटे फोन की भी जांच की, जिससे पेपर की तस्वीर खींचकर सॉल्वर को भेजा गया था। टीम ने स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी फिर से खंगाला।

इस मामले में सीबीआई ने बुधवार को अविनाश उर्फ बंटी को धनबाद से गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उसे 30 जुलाई तक रिमांड पर भेज दिया है। बंटी ने ही अभ्यर्थियों को 16 मोबाइल से पेपर और आंसर भेजे थे। फिर सबूत मिटाने के लिए सभी मोबाइल तालाब में फेंक दिया था, जिसे सीबीआई ने बरामद कर लिया।

बंटी के ठिकाने से ब्लूटूथ, प्रिंटर और अन्य डिवाइस भी बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक चचेरे भाई शशिकांत की निशानदेही पर बंटी की गिरफ्तारी हुई। शशिकांत राज गेस्ट हाउस के मालिक राजकुमार सिंह उर्फ राजू का दोस्त है।सीबीआई की टीम हजारीबाग के राज गेस्ट हाउस में।

नीट पेपर लीक मामले की जांच 23 जून से सीबीआई कर रही है। जांच शुरू होने के 32 दिन के बाद सीबीआई ने माना कि नीट यूजी-2024 का पेपर हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल परीक्षा केंद्र से लीक हुआ था।

झारखंड के नए डीजीपी बने अनुराग गुप्ता

अजय कुमार सिंह को पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन की जिम्मेदारी, जारी हुई अधिसूचना

रांची, 26 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के नए डीजीपी अनुराग गुप्ता बने हैं। तत्कलीन डीजीपी अजय कुमार सिंह को सरकार ने अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड रांची के पद पर पदस्तापित कर दिया है। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता को डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वर्तमान में सीआईडी के डीजी हैं। उनके पास एसीबी के डीजी का भी अतिरिक्त प्रभार है। राज्य सरकार की गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग में इसे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। प्रभारी डीजीपी के साथ साथ अनुराग गुप्ता एसीबी और सीआईडी डीजी की भी जिम्मेदारी सभालेंगे। साल 2022 में अनुराग गुप्ता को डीजी रैंक मिला था. डीजी रैंक मिलने के बाद सबसे पहले उन्हें डीजी ट्रेनिंग की जिम्मेदारी मिली थी अब उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रायपुर समेत कई जिलों में जोरदार बारिश

गरियाबंद में चेकडैम टूटा, कोरबा की पितनी नदी में गाय बही, 16 जिलों में यलो अलर्ट

रायपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में आज सुबह से बारिश हो रही है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने प्रदेश के 16 जिलों में हैवी रेन का यलो अलर्ट जारी किया है। आज रायपुर, बिलासपुर समेत लगभग सभी संभागों में भारी बारिश की संभावना है। अगले दो दिनों में भी सरगुजा और बस्तर संभाग के एक दो जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। दल्लीराजहरा से अंतागढ की तरफ जा रही पैसेंजर ट्रेन ट्रैक पर गिरे बरगद के पेड़ से टकरा गई है। हादसे में ड्राइवर को चोट आई है। वहीं, गरियाबंद जिले के चलनापदर में बना नया चेक डैम 15 दिन में ही टूट गया। कोरबा की पितनी नदी में आई बाढ़ में एक गाय बह गई। बालोद के दल्ली राजहरा से भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, दुर्ग, रायपुर तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन हादसे का शिकार हो गई। पैसेंजर ट्रेन ट्रैक पर पड़े बरगद के पेड़ से टकरा गई, जिसमें पायलट को हल्की चोटें आई हैं। घटना भानुप्रतापपुर के मुल्ले कैंप के पास की है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन के सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। बालोद जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर ग्राम मोहलई गांव में सड़क पर कीचड़ से परेशान कुछ ग्रामीणों ने धान की रोपाई कर दी। ग्रामीण सड़क बनाने की मांग सरपंच, सचिव से कई बार कर चुके हैं। बारिश होने पर गिट्टी, मुरम डालने की गुहार लगा चुके थे, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया तो धान की रोपाई कर विरोध जताया। बिलासपुर में पिछले दो दिन से बारिश के बाद मौसम में ठंडक बढ़ गई है। गुरुवार को पूरे दिन आसमान में बादलों का घेरा रहा, फिर शाम होते ही रिमझिम बरसात शुरू हो गई। इसके बाद देर रात तक रुक-रुककर बारिश होती रही। सावन में झड़ी लगने के बाद किसानों के चेहरों पर भी मुस्कान आ गई है। आज भी सुबह से बारिश हो रही है। कसडोल के मशहूर सिद्ध खोल वाटर फॉल में पर्याप्त पानी आने से झरना बहने लगा है, जिसे लोग देखने पहुंचने लगे हैं। कसडोल से आठ किलोमीदूर दूरी पर स्थित पहाड़ी क्षेत्र से पानी आकर नाले में 70 से 75 फीट की ऊंचाई से तेज आवाज के साथ गिरता है।

सुकमा में रचा इतिहास: दो लड़के और दो लड़कियां

महिला ने अस्पताल में दिया चार बच्चों को जन्म, खुशी का माहौल

सुकमा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कहते हैं कि ऊपर वाले की लीला निराली है। वर्तमान समय में कई दंपति एक बच्चे की किलकारी सुनने के लिए हजारों जतन करते हैं। यहां तक की आईवीएफ का सहारा तक लेने से भी नहीं चूकते हैं तो वहीं दूसरी ओर कभी-कभी ईश्वर किसी पर इतनी कृपा बरसा देते हैं जिसका अंदाजा भी कोई नहीं लगा सकता। ऐसा ही एक करिश्मा जगदलपुर के बंसल अस्पताल में देखने को मिला जहां गर्भवती महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया है। सुकमा जिले के जमीर के सरपंच हिरमा कवासी की पत्नी ने अस्पताल में एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया है, चार बच्चों में दो लड़के और दो लड़कियां हैं।

दरअसल सुकमा जिले के जैमेर पंचायत के तहत हमीरगढ़ की एक आदिवासी महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया है। सभी बच्चे स्वस्थ बताए जा रहे हैं और इन बच्चों में दो लड़का दो लड़की बताई जा रही हैं। फिलहाल जच्चा-बच्चा जगदलपुर के बंसल अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि चारों बच्चे स्वस्थ हैं। महिला सुकमा जिले के जैमेर की रहने वाली है और जिले में एक साथ चार बच्चों के जन्म का पहला मामला है। हालांकि इससे पहले एक साथ तीन बच्चों के जन्म के कई मामले जिले में सामने आ चुके हैं लेकिन चार बच्चों के एक साथ जन्म का यह पहला मामला है। कवासी परिवार में खुशी का माहौल है।

रायपुर परिसीमन, 2 वार्ड मर्ज कर 2 नए बना दिए

कांग्रेस की बैठक में दावा-आपत्ति पर फैसला, हाईकोर्ट ने 1 निगम, 3 नगरपालिका का डिलिमिटेशन रोका

रायपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। नगरीय निकाय चुनाव से पहले नगर निगम रायपुर का परिसीमन हो गया है। परिसीमन से 2 वार्ड को खत्म कर दूसरे वार्डों में मर्ज किया गया है। शहर के आउटर एरिया को मिलाकर 2 नए वार्ड बनाए गए है। आज कांग्रेस की बैठक के बाद इस पर दावा आपत्ति भी की जा सकती है।

वहीं, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राजनांदगांव नगर निगम के साथ ही कुम्हारी, बेमेतरा और तखतपुर नगर पालिका में होने वाले परिसीमन पर रोक लगा दी है। जस्टिस पीपी साहू की बेंच ने परिसीमन के खिलाफ लगी 3 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए स्थगन आदेश दिया है।

परिसीमन में वार्डों की संख्या तो नहीं बदली, लेकिन 21 वार्डों का नंबर बदला गया है। एक वार्ड की जनसंख्या को दूसरे में शिफ्ट करने से करीब 52, 815 वोटर्स का वार्ड बदल गया है। इस तरह परिसीमन से शहर के करीब चार लाख वोटर प्रभावित हो रहे हैं। निगम चुनाव से पहले इन्हें मतदाता सूची और आधार कार्ड को अपडेट कराना होगा। राशन कार्ड में भी अपना पता बदलवाना होगा। इस परिसीमन से न केवल शहरवासियों को बड़ा फर्क पड़ेगा, बल्कि पार्षद भी प्रभावित हो रहे हैं। चार वार्डों के वोटरों को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया है। इससे उस वार्ड के पार्षद को अपनी चुनावी जमीन नए सिरे से तलाशनी पड़ेगी। कई नेताओं के वोटर्स शिफ्ट होने से उनके लिए राजनीतिक संकट गहरा गया है।

कांग्रेस के वर्तमान पार्षद इसे राजनीतिक परिसीमन बता रहे हैं और बड़ी संख्या में दावा-आपत्ति की तैयारी कर रहे हैं। जिन वार्डों को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है, वहां के पार्षद परिसीमन के खिलाफ प्रदर्शन भी करेंगे।

2019 में निगम चुनाव से पहले तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सभी 70 वार्डों का परिसीमन कराया था। 2021 में जनगणना नहीं होने के कारण उस समय भी 2011 की जनसंख्या को आधार मानते हुए परिसीमन किया गया था। वार्डों के क्षेत्रफल और जनसंख्या में असमानता बताते हुए अब राज्य सरकार ने भी 2024 में नए सिरे से परिसीमन का आदेश दिया है।

केंद्र सरकार ने 2025 में जनगणना कराने का आदेश पहले ही जारी कर दिया है।

लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

छत गिरने से 10 साल के बच्चे की मौत, परिजनों में मातम

कोंडागांव, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कोण्डागांव जिले में लगातार हो रही बारिश ने कहर बरपा रखा है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसी बीच प्राकृतिक आपदा के कारण एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सिटी कोतवाली कोण्डागांव के तहत आने वाले पलारी गांव के नानीपदर में आज सुबह एक 10 वर्षीय मासूम बच्चा टॉयलेट करते समय मलबे में दब गया। जानकारी के अनुसार, लगातार हो रही बारिश के कारण टॉयलेट की छत और सैप्टिक टैंक की दीवार गिर गई। इस हादसे में बालक आकाश मंडावी, पिता सुरजू मंडावी, मलबे में दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और लोग इस हादसे से बेहद दुखी है।

प्रशासन ने इस हादसे को गंभीरता से लेते हुए लोगों से अपील की है कि वे बारिश के मौसम में सावधानी बरतें और टूटे-फूटे मकानों या ढांचों के पास न जाएं। प्रशासन ने इस आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाने के लिए त्वरित कदम उठाने का आश्वासन भी दिया है।

पैरों को कपड़े से बांधा फिर घसीटते ले गए

रेलवे स्टेशन में बिस्किट चोरी करने पर दर्दनाक सजा, प्लेटफॉर्म-5 से पीटते लाए

रायपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर रेलवे स्टेशन में बिस्किट चोरी करने के आरोप में एक युवक को कैंटीन के कर्मचारियों ने जमकर पीटा। इसके बाद उसके पैरों को कपड़े से बांधकर प्लेटफॉर्म पर घसीटा। इस दौरान रेलवे स्टेशन पर मौजूद किसी यात्री ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। मामला प्लेटफॉर्म नंबर एक का है।

मारपीट के दौरान वीडियो बनाने वाला शख्स पूछ रहा है कि कहां से हो आप लोग, तो युवक को घसीटने वाला शख्स कह रहा है कि ये चोर है भैया, दुकान से चोरी करता है, प्लेटफॉर्म नंबर पांच से। प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में यात्री और आरपीएफ जवान मौजूद थे लेकिन युवक को घसीटने वाले शख्स को किसी ने नहीं रोका। कर्मचारियों का इतने पर भी मन नहीं भरा तो उन्होंने युवक के पैरों को कपड़े से बांध दिया। फिर उसे डंडे से मारते-पीटते रहे। वे युवक को घसीटते हुए प्लेटफॉर्म 5 से प्लेटफॉर्म 1 तक लेकर आए। तभी वहां मौजूद किसी यात्री ने इस घटना का वीडियो बना लिया। बताया जा रहा है कि कर्मचारी युवक को जीआरपी थाना लेकर जा रहे थे। घसीटने के दौरान युवक का सिर लगातार प्लेटफॉर्म पर रगड़ खाता रहा।

वीडियो में दिख रहा है कि युवक के एक हाथ में डंडा है, दूसरे हाथ से पैरों पर बंधे कपड़े से घसीटते हुए ले जा रहा है। उसके साथ दो और लोग हैं, जो साथ में चल रहे हैं। रायपुर रेलवे स्टेशन जीआरपी के प्रभारी एल.एस राजपूत ने बताया कि घटना रात 3 से साढ़े बजे के आसपास की है।

स्टेशन में घूमने वाले एक युवक को भूख लगी तो उसने प्लेटफॉर्म की कैंटीन से एक पैकेट बिस्किट चुराने की कोशिश की।

किरंदुल के पीड़ित बोले-महंगी मशीनें बचाने एनएमडीसी ने तोड़ा डैम

सैकड़ों जिंदगियों से किया गया खिलवाड़ अफसरों ने कहा- ओवरफ्लो से टूटा

दंतेवाड़ा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। 21 जुलाई की शाम बस्तर की बैलाडीला की पहाड़ी से अचानक लाखों लीटर पानी किरंदुल शहर में घुस गया। 180 से ज्यादा मकान प्रभावित हुए, 15 से ज्यादा परिवार बेघर हो गए। हर तरफ तबाही का मंजर देखने को मिला। लोगों को करीब 5 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति का नुकसान उठाना पड़ा है।

अब बाढ़ पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि ये कोई प्राकृतिक आपदा नहीं थी। प्लांट 11-सी में एनएमडीसी का अस्थायी डैम बना था। उनकी करोड़ों रुपए की मशीनें और गाड़ियां वहां फंस गईं थी, जिन्हें निकालने के लिए डैम खोल दिया गया। इससे सैकड़ों लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ गई। हमारी टीम बैलाडीला की पहाड़ी पर हजारों फीट ऊपर बने एनएमडीसी के 11-सी प्लांट पहुंची। इस दौरान झमाझम बारिश हो रही थी। तेज ठंडी हवा, ऑक्सीजन लेवल की कमी, दलदली जगह और जमकर धुंध थी। हम उस इलाके तक पहुंच गए, जहां से पानी नीचे उतरा। वहां का मंजर देख हम भी हैरान रह गए। यहां कई जगहों पर अब भी पानी भरा हुआ है। एक तरफ सीढ़ीनुमा आकार में कई एकड़ में फैले 3 से 4 इनके अस्थायी डैम दिखे, जिसे एनएमडीसी अपनी तकनीकी भाषा में सम कहती है। यहीं पर पहाड़ों से उतरा बारिश का पानी जमा हुआ था। इसी जगह पर एनएमडीसी की कुछ मशीनें थीं, जो डूबी थीं। इन्हीं महंगी मशीनों को बचाने के लिए एनएमडीसी के कुछ कर्मचारियों ने एक हिस्से की मिट्टी या कहें मेड़ को काट दिया। जिससे पानी ने अपना रास्ता बना लिया और अचानक लाखों गैलन पानी चंद मिनटों में शहर के अंदर घुस गया। वहीं, एनएमडीसी के कर्मचारियों ने 21 जुलाई की कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिनमें प्लांट की करोड़ों रुपए की मशीन पानी में डूबी हुई दिख रही है। दावा किया गया है कि ये प्लांट 11-सी की ही तस्वीर है। इन्हीं मशीनों को बचाने के लिए अस्थायी डैम तोड़ा गया था।

दुष्कर्म के बाद हत्या

पानी मांगने के बहाने घर में घुसा, वारदात के बाद मौके से फरार, बच्चों ने बताई आखों-देखी

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 26 जुलाई (एजेंसियां)। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में हत्या के मामला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक बार फिर अंधे कत्ल की वारदात सामने आई है। जहां संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव उसके ही घर के पास मिला है। महिला के साथ दुष्कर्म के बाद धारदार हथियार से हत्या की आशंका जताई जा रही है। वहीं मृतका के बच्चों ने आरोपी के हाथ मे चाकू जैसा हथियार देखा है। वारदात के बाद अज्ञात आरोपी फरार हो गया है। गौरेला पुलिस के साथ साइबर सेल डॉग स्कोर्ट व फोरेसिंक एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर पहुचकर मामले की जांच कर रही है।

गौरेला थाना क्षेत्र एक बार फिर अंधे कत्ल की वारदात से सहम गया है। जहां पर छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश की सीमा से लगे हुए गांव खैरझिठी गांव की रहने वाली महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला है। शव महिला के घर के पास से ही पुलिस ने बरामद किया किया है। वही महिला के साथ दुष्कर्म के बाद धारदार हथियार से हत्या की भी आशंका जताई जा रही है। वहीं मृतिका के बच्चों ने आरोपी के हाथ मे चाकू जैसा हथियार भी देखा है। बच्चों के अनुसार आरोपी पानी मांगने के बहाने घर मे दाखिल हुआ और उसके बाद उसने मृतिका को खींच कर जबरदस्ती घर से कुछ दूर पेड़ के पास ले जाकर उसके साथ गलत काम किया और फिर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद अज्ञात आरोपी फरार हो गया है। वही घटना की जानकारी मिलते ही गौरेला की पुलिस,साइबर सेल, फोरेसिंक एक्सपर्ट की टीम के साथ डॉग स्कोर्ट की टीम भी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पुलिस मामले में पंचनामा और शव का पोस्टमार्टम कार्यवाही के बाद ही मामले में सही बात सामने आने की बात कह रही है। वही घटना के दौरान मृतिका के बच्चों ने अज्ञात आरोपी को हाथ मे चाकू जैसा धारदार हथियार रखे वहां से भागते देखा है। फिलहाल पुलिस टीम सभी दिशाओं में जांच शुरू कर दी है और आरोपी की पतासाजी में जुट गई है।

राज्य अल्पसंख्यक आयोग की बैठक

अध्यक्ष बोले- अल्पसंख्यक के हित में चलाई जा रही योजना धरातल पर उतरे

गिरिडीह, 26 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह नया परिसदन भवन में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, सदस्य शबरकत अली और इकरारुल हसन ने गुरुवार को संयुक्त रूप से जिले में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विभागवार समीक्षा की। समीक्षा के बाद आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने ने कहा कि आयोग का उद्देश्य है कि झारखंड के सभी जिलों में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाएं सही तरीके से धरातल पर उतरे। राज्य के मुख्यमंत्री की भी यही प्राथमिकता है कि राज्य के सभी व्यक्तियों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने बताया कि समीक्षा के क्रम में विभागों से प्राप्त रिपोर्ट से आयोग संतुष्ट है। जन सुनवाई के दौरान कई आवेदन भी प्राप्त हुए जिन्हें सम्बंधित विभाग को अग्रतर करवाई हेतु भेज दिया गया है साथ ही राज्यस्तरीय मामले को आयोग सभी जिलों से प्राप्त रिपोर्ट का डाटा इकट्ठा कर राज्यस्तरीय बैठक करेगा। इसके बाद रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार को अपनी अनुशंसा प्रदान करेगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बीजेपी नेता के फार्म हाउस में मर्डर

बुजुर्ग की खून से लथपथ लाश मिली केयरटेकर के साथ मिलकर पी थी शराब

बालोद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर के फार्म हाउस में मर्डर हो गया। बताया जा रहा है कि एक बुजुर्ग की खून से लथपथ लाश मिली है। धारदार हथियार से हुई हत्या के बाद आस-पास जमीन पर भी खून बिखरा हुआ था। पूरा मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान 50 साल के संजय ठाकुर के रूप में हुई है जो कोटरा गांव का रहने वाला था। वारदात के बाद डौंडीलोहारा थाने की फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। बुजुर्ग के शरीर पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। मामले में प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि मेरे फॉर्म हाउस में जो केयरटेकर है, उनके पास यह व्यक्ति आया हुआ था। केयरटेकर के साथ दोनों ने शराब पी। इस दौरान इनके बीच किस तरह का विवाद हुआ, वह मैं नहीं जानता। सभी लोग यही हैं, जो भी दोषी हैं, उसे पर कार्रवाई होनी चाहिए। वारदात की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार जोशी ने बताया कि हत्या के आरोप में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ किया जा रहा है।

सड़क लुटेरों ने बाइक सवार पर किया हमला

नर्सिंग होम से लौट रहा था घर लूट लिया बाईक और मोबाइल

पलामू, 26 जुलाई (एजेंसियां)। मेदिनीनगर-गढ़वा मुख्य मार्ग पर सड़क लुटेरों ने एक युवक को गोली मार दी। पैर में गोली के बाद युवक सड़क पर गिर गया। फिर लुटेरे उसका मोटरसाइकिल और मोबाईल लेकर फरार हो गए।

लूट की वारदात चैनपुर थानाक्षेत्र के भिखही मोड़ के पास हुई। जख्मी युवक मुजफ्फर अंसारी (27) गढ़वा के टेढ़ी हरैया का रहने वाला है। उसका प्राथमिक इलाज एमएमसीएच में किया गया। शुक्रवार को उसे बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर राहुल अग्रवाल के अस्पताल में भर्ती किया गया है। जख्मी मुज्जफर अंसारी एक नर्सिंग होम में काम करता है। उसके पैर में दो गोली लगी है। मुजफ्फर अंसारी रोज की तरह मेदिनीनगर के नावाटोली में नर्सिंग होम में ड्यूटी खत्म करने के बाद मोटरसाइकिल से गुरुवार की रात 10 बजे के करीब अपने घर गढ़वा के टेढ़ी हरैया जा रहा था। जैसे ही भिखही में पहुंचा कि पहले से सड़क पर मौजूद तीन लोगों ने उसे रूकने का इशारा किया। खतरा भांप कर मुजफ्फर अंसारी ने बाइक नहीं रोका। उसके भागने पर लुटेरों ने गोली चला दी। लुटेरों ने तीन राउंड फायरिंग किया। जिसमें से दो गोली मुजफ्फर को लगी। गोली लगने पर मुजफ्फर बाइक सहित कुछ दूर आगे जाकर गिर गया। घटना के बाद मुजफ्फर को इलाज के लिए देर रात एमएमसीएच में गुरुवार देर रात भर्ती किया गया। इलाज के दौरान उसके पैर में लगी गोली निकाल दी गई है।

मेदिनीनगर-गढ़वा मुख्य मार्ग पर हाल के दिनों में फिर अपराधी सक्रिय हो गए हैं। पिछले दो महीने के दौरान लूट की घटनाओं में वृद्धि हुई है। चैनपुर पुलिस के लिए अपराधियों से निपटना चुनौती बन गया है।

विधानसभा में एटीआर रिपोर्ट पेश

रांची, 26 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने शोक प्रकाश के साथ सदन को संबोधित किया। शोक संदेश के बाद सदन में एटीआर रिपोर्ट पेश किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी समेत कई विधायकों ने शोक प्रकाश व्यक्त किया। सदन को सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। भाजपा के विधायकों ने कई मुद्दों को लेकर सदन के बाहर प्रदर्शन किया। झारखंड विधानसभा यह मॉनसून सत्र का समय आठ दिन का है जिसमें छह दिन कार्य दिवस है। विधानसभा चुनाव से पहले यह हेमंत सोरेन सरकार का अंतिम बजट है। विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश होना है।

सदन दो अगस्त तक चलेग। शनिवार और रविवार को छुट्टी है। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में 29 जुलाई को वित्तीय वर्ष 2024-25 का पहला अनुपूरक बजट पेश होना है। 30 को बजट पर चर्चा होगी। इस सत्र में कई अहम विधेयक भी लाने की चर्चा है। आखिरी दिन गैर सरकारी संकल्प होंगे।

जेडी वैंस ने कमला हैरिस को कहा 'निसंतान बिल्ली'

बच्चे न होने पर उठाए सवाल, सोशल मीडिया पर हुआ हंगामा

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में नवंबर में होने वाले चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस अपनी एक टिप्पणी को लेकर विवादों में फंस गए हैं। दरअसल जेडी वैंस ने डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस समेत डेमोक्रेट पार्टी की कई अन्य महिला नेताओं को 'निसंतान बिल्ली महिला' बता दिया, जिस पर विवाद हो गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स वैंस के बयान को लैंगिक भेदभाव और रिपब्लिकन मानसिकता बता रहे हैं, जिसका आधुनिक युग में कोई स्थान नहीं है।

जेडी वैंस की किस टिप्पणी पर हुआ विवाद

उल्लेखनीय है कि जेडी वैंस का यह पुराना बयान है और साल 2021 में एक टीवी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बयान दिया था। अब जेडी वैंस के बयान की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जेडी वैंस ने अपने बयान में कहा कि 'जो लोग संतान पैदा नहीं करते हैं, खास तौर पर 'निसंतान बिल्लियां', वे दुखी हैं और देश में उनकी कोई सीधी हिस्सेदारी नहीं है।' वैंस साल 2021 में ओहायो स्टेट से अमेरिकी सीनेट के उम्मीदवार थे। इस दौरान एक मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में जेडी वैंस ने कहा था कि 'संयुक्त राज्य अमेरिका को निसंतान महिलाओं के एक समूह द्वारा चलाया जा रहा है, जो अपने जीवन, और अपने द्वारा चुने गए विकल्पों से दुखी हैं, इसलिए वे देश के बाकी हिस्सों को भी दुखी बनाना चाहते हैं।'

जेडी वैंस ने कहा कि 'यह एक बुनियादी तथ्य है- आप कमला हैरिस, पीट बुटिगेग आदि को देखें तो पता चलता है कि डेमोक्रेट पार्टी का पूरा भविष्य निसंतान लोगों के हाथ में ही है। ऐसे में हम अपने देश को उन लोगों के हाथ में कैसे सौंप सकते हैं, जिनकी इस देश में सीधे हिस्सेदारी ही नहीं है।' बता दें कि कमला हैरिस की तरह ही बुटिगेग भी निसंतान हैं, लेकिन जिस साल जेडी वैंस ने यह बयान दिया था, उसी साल बुटिगेग ने दो बच्चों को गोद लिया था। वहीं कमला हैरिस के भी दो सौतेल बच्चे हैं, जो उनके पति की पहली पत्नी की संतान हैं।

जेडी वैंस की हो रही आलोचना

जो बाइडन के नाम वापस लेने के बाद कमला हैरिस डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। अगर वह डोनाल्ड ट्रंप को हराकर अमेरिका की राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो यह पहली बार होगा कि अमेरिका में एक महिला और एक अफ्रीकी-एशियाई मूल की महिला वहां की राष्ट्रपति बनेगी।

जेडी वैंस के बयान पर मशहूर अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन ने भी नाराजगी जताई और एक पोस्ट में लिखा कि जेडी वैंस पर निशाना साधा। सोशल मीडिया पर भी कई यूजर्स ने वैंस के बयान पर नाराजगी जताई।

ट्रम्प बोले-ईरान ने मुझे मारा तो उसे तबाह करेगा अमेरिका

कहा- दुनिया के नक्शे से मिटा देंगे, ऐसा नहीं किया तो अमेरिकी लीडर्स डरपोक कहलाएंगे

वाशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ईरान को तबाह करने की बात कही है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए ट्रम्प ने कहा, "अगर ईरान कभी भी मेरी हत्या करने में कामयाब होता है तो मुझे उम्मीद है कि अमेरिका उसे खत्म कर देगा। उसे दुनिया के नक्शे से मिटा दिया जाएगा।"ट्रम्प ने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो अमेरिकी लीडर्स को डरपोक माना जाएगा। दरअसल 13 जुलाई को ट्रम्प पर जानलेवा हमले के बाद सीएनएन की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने के लिए ईरान में साजिश रची जा रही थी। हमले की जांच में सामने आया था कि अमेरिकी अधिकारियों को कई हफ्ते पहले इसकी जानकारी भी मिली थी।

अंतरिक्ष में फंसी रहेंगी सुनीता विलियम्स

नासा ने कहा- अभी वापसी की कोई तारीख तय नहीं

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे अंतरिक्ष यात्रियों के लिए अभी भी कोई वापसी तिथि निर्धारित नहीं है। सुनीता विलिम्स और बुच विल्मोर जून से ही अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए हैं। ये दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग स्टारलाइनर नाम के एक कॉमर्शियल स्पेसक्राफ्ट पर सवार होकर फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से 5 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे। उनका मिशन मात्र 10 दिनों का था, लेकिन स्टारलाइनर के खराब होने के कारण वे पिछले डेढ़ महीने से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। स्टारलाइनर में पांच जगहों से हीलियम गैस का रिसाव पाया गया। इस कारण स्पेसक्राफ्ट का रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम थ्रस्टर्स ने काम करना बंद कर दिया।

इस खराबी के कारण सुनीता विलिम्स और बुच विल्मोर के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर प्रवास को 50 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया। फिर भी नासा और बोइंग का कहना है कि भले ही जमीनी परीक्षण पूरे हो गए हों, लेकिन घर वापसी के लिए अभी भी कोई स्पष्ट तिथि नहीं है। नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के प्रोग्राम मैनेजर स्टीव स्टिच ने गुरुवार (25 जुलाई) को एक समाचार सम्मेलन में कहा, आज हमारे पास वापसी की तारीख के बारे में कोई बड़ी घोषणा नहीं है। हम बहुत अच्छी प्रगति कर रहे हैं, लेकिन हम अभी ऐसा करने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। अंतरिक्ष यात्री कब वापस लौटेंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन नासा के अधिकारियों ने पहले कहा है कि अंतरिक्ष यान में अगस्त के मध्य तक कक्षा में रहने के लिए पर्याप्त ईंधन है।

स्टिच ने कहा कि नासा और बोइंग अगले सप्ताह की शुरुआत में अंतरिक्ष यान का परीक्षण कर सकते हैं। स्टिच ने कहा कि इस समीक्षा के बाद, एक अनडॉक समय निर्धारित किया जाएगा। स्टारलाइनर को नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम के एक हिस्से के रूप में बनाया गया था, जो 2011 में नासा के अंतरिक्ष शटल कार्यक्रम की सेवानिवृत्ति के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को निचली पृथ्वी की कक्षा में ले जाने के लिए एजेंसी और निजी कंपनियों के बीच एक साझेदारी थी। स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन भी इसी पहल से आया था और 2020 में परिचालन शुरू करने के बाद से इसने 13 क्रू उड़ानों की गिनती की है।

दुनियाभर में बेइज्जत होने की आदत बन गई है

ब्रिटेन में पिटे पाकिस्तानी तो लाहौर में भड़के लोग, जमकर सुनाया

इस्लामाबाद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के मैनचेस्टर एयरपोर्ट पर ब्रिटिश पुलिस अधिकारी के एक व्यक्ति के सिर पर लात मारते हुए दिखाए गए वीडियो की यूके से पाकिस्तान तक चर्चा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद बुधवार देर रात पुलिस स्टेशन के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया है। वीडियो में दिखाया गया है कि एक व्यक्ति को फर्श पर लेटाकर पुलिस अधिकारी लात मार रहा है। जिस व्यक्ति को लात मारी गई वो ब्रिटिश पाकिस्तानी है। मैनचेस्टर पुलिस ने चिंता जताई है लेकिन पाकिस्तान के लोग इस पर भड़के हुए हैं। पाकिस्तान के यूट्यूबर सुहेब चौधरी ने आम लोगों से इस मुद्दे पर बात की है। सुहेब चौधरी ने आम लोगों से सवाल किया कि आखिर पाकिस्तानी लोगों के साथ यूके में मारपीट का ये हादसा क्यों हुआ है। इस पर तारिक नाम के शख्स ने कहा कि पाकिस्तानी पासपोर्ट की हालत दुनिया में खस्ता है और दुनियाभर में पाकिस्तानी लोगों को शक की निगाह से देखा जाता है। पाकिस्तानी लोगों की ज्यादा तलाशी होती है और अलग लाइन लगती है। यूके में भी यही हुआ है और ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, पहले भी दूसरे देशों में पाकिस्तानियों को मुश्किल का सामना करना पड़ा है। तारिक ने आगे बात करते हुए तारिक से कहा कि ये भी देखा जाए कि ब्रिटेन में जो हुआ, उसकी कोई वजह रही होगी। इस तरह की हरकत पाकिस्तानी शख्स की ओर से की गई होगी, जिससे बात इतनी बढ़ी और मारपीट तक हालात पहुंचे। पाकिस्तान के लोगों को तो वैसे भी ये लगता है कि कानून तो तोड़ने के लिए ही होता है। यही वो बाहर के मुल्कों में भी करते हैं और वहां उनको पिटना पड़ता है।

एक और पाकिस्तानी शख्स ने कहा कि पाकिस्तान की बीते 60-70 वर्षों में जो पॉलिसी रही है, वो भी देश के लोगों को बाहर इजजित ना मिलने की वजह है।

इजरायल का वह 'ब्रह्मास्त्र' जिसने कारगिल युद्ध में तोड़ दी पाकिस्तानी सेना की कमर

भारत ने यूं उतारा कर्ज

तेल अवीव/यरुशलम, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध के आज 25 साल पूरे हो गए हैं और पूरा देश विजय दिवस मना रहा है। भारत की इस जीत में दोस्त इजरायल ने बड़ी अहम भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना को साल 1999 में कारगिल की चोटियों पर बैठे पाकिस्तानी सैनिकों को निशाना बनाने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। भारत के पास एक बोफोर्स तोप थी जो चोटियों पर निशाना बना रही थी लेकिन दुश्मन के बंकर पर सटीक हमला करने में मुश्किल आ रही थी। महासंकट की इस घड़ी में दोस्त इजरायल भारत के साथ आया और लेजर गाइडेड बमों के लिए लाइटनिंग पॉड की तत्काल भारत को आपूर्ति कर दी। इन पॉड को इजरायली इंजीनियरों की मदद से भारत के मिराज 2000 फाइटर जेट में लगाया गया। इसके बाद भारतीय वायुसेना के शेरों ने पाकिस्तानी सैनिकों के ठिकानों को चुन-चुनकर तबाह करना शुरू कर दिया।

इजरायल ने जिन हथियारों को दिया था, उनमें एक प्रमुख उपकरण था इजरायल का लाइटेनिंग लेजर डेजिग्नेटर पॉड। यह पॉड टारगेट पर अदृश्य बीम को फायर करता था जिससे इजरायली बम उसे ट्रैक करता था और फिर सटीक तरीके से तबाह कर देता था। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर रघुनाथ नामबियार ने 24 जून 1999 को लाइटनिंग पॉड से लैस मिराज विमान की मदद से कारगिल की चर्चित टाइगर हिल पर पाकस्तिानी सेना के ठिकाने पर निशाना लगाया। इस हमले में पाकिस्तानी सेना का यह ठिकाना तबाह हो गया। यह युद्ध में भारतीय वायुसेना का लेजर गाइडेड बम से पहला सफल हमला था। भारतीय वायुसेना ने कुछ साल पहले इसका वीडियो भी जारी किया था।

इजरायल ने कंधे से कंधा मिलाकर किया काम

बाद में एयर मार्शल बने रघुनाथ नामबियार के मुताबिक लाइटेनिंग पॉड और 1000 किलो के लेजर गाइडेड बमों को एकीकृत करने में भारतीय इंजीनियरों को 12 दिन का समय लगा था। दरअसल, साल 1997 में कारगिल युद्ध से दो साल पहले भारत ने इजरायली पॉड के लिए एक समझौता किया था। इनमें से 15 पॉड भारत के जगुआर विमान में लगाए जाने थे और 5 मिराज 2000 फाइटर जेट के लिए थे। इसे अमेरिका के सप्लाई किए गए लेजर गाइडेड बम के साथ इस्तेमाल किया जाना था लेकिन 1998 में पोखरण विस्फोट के कारण अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया। इससे भारत की योजना सफल नहीं हो पाई थी। यही नहीं मिराज के साफ्टवेयर भी इसके लिए टेस्ट नहीं किए गए थे।

इस समस्या को दूर करने में भी इजरायल ने भारत की मदद की। एयर मार्शल नामबियार के मुताबिक इजरायली तकनीकी एक्सपर्ट ने भारतीय विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम किया। इससे कारगिल में अमेरिकी लेजर गाइडेड बम में इजरायी पॉड को इस्तेमाल के लिए तैयार कर लिया गया। इस लड़ाई के दौरान एक और दिक्कत यह आई कि भारतीय मिग 27 और मिग 21 विमान सटीक तरीके से कारगिल की चोटियों पर हमला नहीं कर पा रहे थे। पाकिस्तानी सैनिक कंधे पर रखकर फायर की जाने वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहे थे। इन हमलों में भारतीय वायुसेना का एक मिग 21 फाइटर जेट और एक एमआई 17 हेलिकॉप्टर नष्ट हो गया था।

पीटीआई नेताओं की रिहाई के लिए समर्थक करेंगे देशभर में प्रदर्शन

महंगाई को लेकर धरने पर बैठने की तैयारी

इस्लामाबाद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान तहरीक-ए-इंसाफ और पार्टी के नेताओं की रिहाई के लिए समर्थक देशभर में विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। इसे देखते हुए पाकिस्तान के अधिकारियों ने शुक्रवार को समर्थकों से निपटने की तैयारी कर ली। पीटीआई के अलावा जमात-ए-इस्लामी ने बिजली और अन्य वस्तुओं बढ़ती उच्च लागत को लेकर इस्लामाबाद में प्रदर्शन करने की घोषणा की। पीटीआई समर्थक 71 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पीटीआई के अन्य नेताओं की रिहाई के लिए प्रदर्शन करेंगे।

पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा दायर पहले तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान खान को पांच अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान को जमानत दे दी गई थी, लेकिन उन्हें रिहा नहीं किया गया। पीटीआई के अनुसार, समर्थक इस्लामाबाद के नेशनल प्रेस क्लब के सामने प्रदर्शन करेंगे और जमात-ए-इस्लामी संसद भवन के सामने प्रसिद्ध एफ चौक पर धरना देने की योजना बनाई है। हालांकि, पुलिस ने स्थिति को देखते हुए इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी है। उन्होंने इस्लामाबाद राजमार्ग को भी आंशिक रूप से बंद कर दिया। पंजाब गृह मंत्रालय ने भी प्रांत में सभी विरोध प्रदर्शनों और सभाओं पर प्रतिबंध लगाते हुए धारा 144 लागू कर दी। पीटीआई ने दावा किया कि देशभर में विरोध प्रदर्शन से पहले उनके नेताओं को गिरफ्तार किया गया।

मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी बोलीं- मेरे पिता क्रूर हैं

उनसे कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती, कहा- उन्होंने लड़की जैसे बर्ताव करने पर प्रताड़ित किया

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी विवियन जेना विल्सन ने अपना जेंडर बदलवाने के बाद पहला इंटरव्यू दिया है। अमेरिकी मीडिया एनबीसी न्यूज से बात करते हुए विवियन ने मस्क को निर्दयी और क्रूर बताया है। दरअसल, कुछ दिन पहले मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलवाने की सर्जरी ने उनसे उनके बेटे को अलग कर दिया था।

इस पर जवाब देते हुए मस्क की 20 साल की बेटी विवियन बोली, "मस्क ने कहा था कि मैं एक लड़की नहीं हूं। मैं उनके लिए मर चुकी हूं। यह कहकर उन्होंने हद पार कर दी। अगर वे लाखों लोगों के सामने झूठ बोलेंगे तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगी।"

दरअसल, एलन मस्क के बेटे जेवियर ने साल 2022 में 18 साल की उम्र पार करने के बाद अपना जेंडर बदलवाया था। इसके बाद जेवियर ने अपना नाम बदलकर विवियन जेना विल्सन करवाया था। अपने बचपन को याद करते हुए विवियन ने कहा, "मस्क कभी भी एक अच्छे पिता नहीं रहे। उन्होंने कभी हमारा साथ नहीं दिया। मुझे और मेरे भाई-बहनों को मां के पास छोड़ दिया था। वे जब भी मिलते थे तो हमसे बुरा व्यवहार करते थे। हमेशा चिल्लाते रहते थे। वे लापरवाह थे। उनका ध्यान सिर्फ खुद पर रहता था।" विवियन ने बताया कि वह बचपन से ही एक लड़की जैसा महसूस करती थीं। इस पर मस्क ने उन्हें कई बार प्रताड़ित भी किया था। मस्क उसे बार-बार लड़कों की तरह रहने का दबाव डालते थे। विवियन ने कहा, "जब मैं चौथी कक्षा में थी तब हम रोड ट्रिप पर गए थे। लेकिन बाद में पता चला कि वो मस्क की कार का एडवरटाइजमेंट था। वह पूरे समय हम पर चुप रहने के लिए चिल्ला रहे थे।" मस्क की बेटी ने इंटरव्यू में कहा कि वे अपने पिता से कोई संपर्क नहीं रखना चाहती हैं। वे 20 साल की हैं और अपने फैसले खुद ले सकती हैं। दरअसल, इलॉन मस्क ने अमेरिकी कमेंटेटर जॉर्डन पीटरसन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलने की सर्जरी असल में बच्चे की हत्या और नसबंदी करने जैसा है। यह एक वायरस है।

मस्क ने बताया था कि कोविड-19 महामारी के दौरान उनसे धोखे से बेटे का जेंडर बदलवाने से जुड़े दस्तावेज साइन करवाए गए थे। उन्हें कहा गया था कि उनका बेटा आत्महत्या कर सकता है। बीबीसी के मुताबिक, इलॉन ने पिछले साल कहा था कि वे ट्रांसजेंडर मेडिकल ट्रीटमेंट को अपराध घोषित करने के लिए लड़ाई लड़ेंगे।

क्रैश हुए प्लेन का ब्लैक बॉक्स मिला

काठमांडू, 26 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में 24 जुलाई को क्रैश हुए प्लेन ब्लैक बॉक्स गुरुवार (25 जुलाई) को अधिकारियों ने बरामद किया है। सौर्य एयरलाइंस का बॉम्बार्डियर सीआरजे-200 प्लेन त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही क्रैश हो गया था। प्लेन सवार 19 में 18 लोगों की मौत हुई है। मारे गए लोगों में दो क्रू मेंबर, एयरलाइन के तकनीकी कर्मचारी, 4 साल के बच्चे सहित 3 सदस्यों का परिवार शामिल है। नेपाल सिविल एविएशन अथॉरिटी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल हंस राज पांडे ने कहा कि बरामद ब्लैक बॉक्स को आगे की कार्रवाई के लिए जांच दल को सौंपा है। प्लेन क्रैश हादसे की जांच टीम को सिविल एविएशन अथॉरिटी के पूर्व डायरेक्टर जनरल रतीश चंद्र लाल लीड कर रहे हैं। इस टीम में 4 एक्सपर्ट भी शामिल हैं। टीम को 45 दिन के अंदर अपनी जांच रिपोर्ट अथॉरिटी को सौंपनी होगी। हंस राज पांडे ने यह भी बताया कि सभी शवों का पोस्टमार्टम किया गया है।

अमेरिकी संसद में मांग- भारत को नाटो जैसी तवज्जो मिले

पाकिस्तान को दी जाने वाली मदद बंद हो, चीन को काउंटर करने में मिलेगी मदद

न्यूयॉर्क, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद में गुरुवार को भारत को जापान, इजराइल, साउथ कोरिया और नाटो सहयोगियों के स्तर पर ही तवज्जो देने की मांग उठाई गई है। इसके अलावा पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाता है तो उसके लिए सुरक्षा सहायता बंद करने की भी अपील की गई है।

अमेरिकी सांसद मार्को रूबियो ने इसके लिए संसद में एक बिल पेश किया है। बिल में कहा गया है कि भारत को अमेरिका के प्रमुख सहयोगियों के तौर पर ही तकनीकी सहायता की जाए। इसके अलावा आतंकवाद के खतरे से निपटने में भी साथ दिया जाए। इस बिल को अमेरिका-भारत डिफेंस को-ऑपरेशन एक्ट नाम दिया गया है।

प्रस्ताव पेश करने के बाद अमेरिकी सांसद ने कहा, "कम्युनिस्ट चीन इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। साथ ही वह हमारे क्षेत्रीय सहयोगियों की संप्रभुता का भी उल्लंघन करता रहता है। ऐसे में यह जरूरी है कि अमेरिका भारत जैसे अपने सहयोगियों को चीन से निपटने में मदद करे।"

रूस से हथियार खरीदने पर नहीं लगेगी पाबंदियां

अगर यह बिल पास होता है तो अमेरिका भारत को अपनी क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा के लिए रक्षा, तकनीक और आर्थिक स्तर पर मदद करेगा। इसके अलावा दोनों देशों में मेडिसिन, मिलिट्री और सिविल स्पेस के क्षेत्र में भी को-ऑपरेशन बढ़ेगा।

इसके अलावा रूस से इक्विपमेंट खरीदने पर भारत पर पाबंदियां भी नहीं लगेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पहली बार है जब अमेरिकी संसद में भारत को फोकस में रखकर इस तरह का बिल पेश किया गया है।

भारत को 'नाटो प्लस' का दर्जा देने की उठी थी मांग

इससे पहले पिछले साल अमेरिकी संसद में भारत को 'नाटो प्लस' का दर्जा देने की भी मांग उठी थी। अमेरिकी संसद की सिलेक्ट कमेटी ने इसकी सिफारिश की थी। भारत को हथियार और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने में तेजी को उद्देश्य बताकर 'नाटो प्लस' का दर्जा देने की कवायद शुरू की गई थी।

कमेटी का मानना था कि चीन ताइवान पर हमला करता है तो सामरिक तौर पर कड़ा जवाब देने के साथ-साथ क्वॉड को भी अपनी भूमिका बढ़ानी होगी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट संकेत दिया था कि वह 'नाटो प्लस' में शामिल नहीं होना चाहता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ किया था कि 'नाटो प्लस' के दर्जे के प्रति भारत ज्यादा उत्सुक नहीं है।

मूल नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) में 31 सदस्य देश हैं। अमेरिका ने 'नाटो प्लस' संगठन बनाया हुआ है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजरायल, जापान और दक्षिण कोरिया हैं। इन देशों के साथ अमेरिका के सामरिक संबंध हैं।

एक प्रतिशत अमीरों की संपत्ति 42 लाख करोड़ बढ़ी

ऑक्सफैम ने जारी की रिपोर्ट, टैक्स बढ़ाने के पक्ष में कई देश, अमेरिका नहीं दे रहा साथ

ब्राजील, 26 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर 1% लोगों की दौलत में करीब 42 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। ये जानकारी ऑक्सफैम ने हाल ही में एक रिपोर्ट में दी है। ये रकम दुनिया की आधी जनता की कुल दौलत से भी 36 गुना ज्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक इतनी ज्यादा कमाई होने के बाद भी इन अमीरों ने अपनी कुल दौलत का सिर्फ आधा फीसदी टैक्स दिया है जो कि अब तक में सबसे कम है। जबकि पिछले चार दशकों में इन अमीरों की संपत्ति में हर साल औसतन 7.1% की बढ़ोतरी हुई है। दुनिया में सबसे ज्यादा अमीर जी20 देशों में रहते हैं। इसी साल नवंबर में ब्राजील में जी20 होने जा रहा है जहां पर इन अमीर लोगों पर ज्यादा टैक्स लगाने की चर्चा हो सकती है।

अमीर और गरीब के बीच फासला और बढ़ा

रिपोर्ट के मुताबिक हाल के दशकों में अमीर लोगों की दौलत बहुत तेजी से बढ़ी है, लेकिन इन पर लगने वाले टैक्स बहुत कम हो गए हैं। इससे अमीर और गरीब के बीच का फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है। ज्यादातर लोग बहुत कम पैसे में गुजारा कर रहे हैं।

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में इस सप्ताह जी20 के वित्त मंत्रियों की बैठक होने वाली है। इस दौरान ये नेता बेहद अमीर लोगों पर टैक्स बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही ये इस पर भी चर्चा करेंगे कि इनके टैक्स बचाने के इनके तरीकों पर कैसे लगाम लगाई जाए।

टैक्स बढ़ाना चाहता है ब्राजील, अमेरिका नहीं दे रहा साथ

रिपोर्ट के मुताबिक जी20 का अध्यक्ष ब्राजील चाहता है कि इन देशों के साथ मिलकर अमीर लोगों पर ज्यादा टैक्स लगाया जाए। वह इस मुद्दे पर बाकी देशों से सहयोग चाहता है। फ्रांस, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, कोलंबिया और अफ्रीकी संघ इस बात के पक्ष में हैं, लेकिन अमेरिका इसके खिलाफ है।

गाजा में जंग के बीच नेतन्याहू का अमेरिका दौरा

वाशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ने गुरुवार को इजराइली पीएम नेतन्याहू पर गाजा में सीजफायर का दबाव बनाया। रॉयटर्स के मुताबिक, एक टीवी स्टेटमेंट में हैरिस ने कहा कि अब जंग खत्म करने का समय आ गया है। मैं अब चुप नहीं बैठूंगी। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी नेतन्याहू से सीजफायर के लिए सभी अड़चनों को दूर करने की बात कही। साथ ही गाजा में मदद पहुंचाने में आ रही दिक्कतों को भी हटाने पर चर्चा की। मुलाकात में नेतन्याहू ने बाइडेन को इजराइल को दिए सपोर्ट के लिए धन्यवाद कहा। प्रेस ब्रीफिंग में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि दोनों नेताओं ने बंधकों की रिहाई, लेबनान तक जंग पहुंचने की आशंका, ईरान के खतरे और सीजफायर पर चर्चा की। किर्बी ने कहा कि अमेरिका-इजराइल के संबंधों में मतभेद हैं, लेकिन इसके बावजूद ये अच्छे हैं।

'फिलिस्तीनियों की तकलीफ खत्म होनी चाहिए'

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की नेतन्याहू से मुलाकात उनके ऑफिस में हुई। सीएनएन के मुताबिक, दोनों नेताओं ने युद्धविराम, बंधकों की रिहाई, इजराइल के अस्तित्व और उसकी सुरक्षा सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। कमला ने कहा कि अब समय आ गया है कि युद्धविराम और बंधकों की रिहाई का समझौता किया जाए। सीजफायर के तहत इजराइलियों की सुरक्षा, सभी बंधकों की रिहाई और गाजा में फिलिस्तीनियों की तकलीफ खत्म होनी चाहिए।

इसके अलावा कमला हैरिस ने इजराइल और फिलिस्तीन के बीच तनाव खत्म करने के लिए 2-स्टेट सॉल्यूशन का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इसी के जरिए इजराइल एक सुरक्षित यहूदी देश बन सकता है। साथ ही फिलिस्तीनी भी सुरक्षा और आजादी के साथ आगे बढ़ सकेंगे।

कमला बोलीं- गाजा में जो हो रहा उस पर आंखें नहीं मूंद सकते

हैरिस ने इजराइल के अपनी रक्षा करने के अधिकार का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पिछले 9 महीनों में गाजा में जो कुछ हुआ है, वह विनाशकारी है।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ राजस्थान भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष बने

> पार्टी ने प्रदेश प्रभारी भी बदला > उप चुनाव से पहले संगठन में बड़ा बदलाव

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में होने वाले उप चुनाव से पहले भाजपा संगठन ने प्रदेशाध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी को बदल दिया है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ नए प्रदेशाध्यक्ष होंगे। वहीं अरुण सिंह की जगह सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल प्रदेश प्रभारी बनाए गए हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राठौड़ को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। दो दिन पहले ही सांसद सीपी जोशी ने केन्द्रीय नेतृत्व से मिलकर प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी।

राठौड़ 5 महीने पहले ही राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। अब पार्टी ने उन्हें प्रदेश बीजेपी की नई जिम्मेदारी सौंप दी है। पार्टी ने मदन राठौड़ को अध्यक्ष बनाकर मूल ओबीसी के अपने वोट बैंक को ओर मजबूत किया हैं। राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद शुक्रवार को मदन राठौड़ ने दिल्ली में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान जोशी ने राठौड़ का साफा पहनाकर स्वागत किया।

विधानसभा में पार्टी ने नहीं दिया था टिकट

मदन राठौड़ पाली की सुमेरपुर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रहे। 2013 से 2018 में सरकारी उप मुख्य सचेतक भी रहे हैं। उन्हें संगठन का भी लंबा अनुभव हैं। पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। जिसके बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली थी। हालांकि उस वक्त उन्हें पीएम नरेंद्र मोदी ने फोन करके काम करते रहने को कहा था। कुछ महीने बाद ही उन्हें राज्यसभा में भेज दिया गया। वहीं अब प्रदेश बीजेपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मदन राठौड़ पीएम मोदी के पुराने परिचित हैं। लंबे समय से संगठन में सक्रिय राठौड़ ने बीजेपी के दिग्गज नेताओं के साथ काम किया हैं। जनसंघ से लेकर बीजेपी की यात्रा में शामिल रहे हैं। बीजेपी की पुरानी और नई पीढ़ी दोनों के साथ काम करने का अनुभव रखते हैं। राठौड़ मूल ओबीसी में घांची जाति से हैं।

सीएम और जोशी ने दी बधाई

मदन राठौड़ के बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त होने पर सीएम भजनलाल शर्मा ने भी उन्हें बधाई दी हैं। सीएम ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- निःसंदेह, आपके ऊर्जावान नेतृत्व और कुशल मार्गदर्शन में भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र के साथ प्रदेश में सफलता के नवीन मानक स्थापित करेगी। मैं प्रभु श्रीराम से आपके उत्कृष्ट कार्यकाल के लिए मंगलमय कामना करता हूं। जोशी ने लिखा- मदन राठौड़ को भाजपा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

किराये के हैलीकॉप्टर पर भजनलाल सरकार खर्च करेगी हर साल 23 करोड़ से अधिक धनराशि

जयपुर राजस्थान में भले ही किसी भी पार्टी की सरकार रही हो, लेकिन किसी भी सरकार ने हवाई जहाज या हेलीकॉप्टर खरीदने की जहमत नहीं उठाई, बल्कि हर साल करोड़ों रुपये किराये या लीज के हवाई जहाज और हेलीकॉप्टरों से यात्रा करने पर फूंक दिए गए है । राजस्थान विधानसभा में लगे एक सवाल से यह खुलासा हुआ है । सवाल के जवाब में बताया गया है कि राज्य सरकार के पास वर्तमान में कोई हवाई जहाज व हैलीकॉप्टर नहीं है।वहीं भजनलाल सरकार ने 5 जून 2024 को मैसर्स रेडबर्ड एयरवेज प्रा0 लि0, नई दिल्ली से हैलीकाप्टर लीज या किराये पर लेने का अनुबन्ध किया गया है। इस पर प्रतिवर्ष 23.79 करोड़ रुपये की राशि प्रतिवर्ष व्यय होना अनुमानित है।

कारगिल विजय दिवस पर अमर जवान ज्योति पहुंचे मुख्यमंत्री

पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजिल दी

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। कारगिल विजय दिवस की 25वीं सालगिरह पर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देने अमर जवान ज्योति पर पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सपूतों का बलिदान हमारे देश की रक्षा के लिए सदैव याद किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह दिन हमें उन सभी जवानों की वीरता और साहस को याद करने का अवसर प्रदान करता है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात की और उनकी बहादुरी और त्याग की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के साथ हर कदम पर खड़ी है और उनके कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। इस अवसर पर कई अन्य गणमान्य व्यक्ति, सेना के उच्च अधिकारी और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे। उन्होंने भी अमर जवान ज्योति पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने सैनिकों पर गर्व है और हमें एकजुट होकर देश की सेवा करनी चाहिए। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित इस कार्यक्रम ने लोगों को देशभक्ति और एकता का संदेश दिया और शहीदों की अमर गाथा को जीवंत किया।

अमेरिकी महिला से रेप का आरोपी वकील फायरिंग में घायल

अजमेर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी महिला से रेप के मामले में रात को नया मोड़ आया। आरोपी वकील को फायरिंग में लहूलुहान होने के बाद अजमेर के जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर, रेप के मामले में बूंदी पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर अजमेर के सिविल लाइंस थाना पुलिस को भिजवा दी है।

नसीराबाद थाना एएसआई उगमचंद ने बताया- नसीराबाद के पास राजगढ़-चैनपुरा में झोपड़ा का बाड़िया निवासी वकील मानव सिंह राठौड़ (43) के गोली लगने की सूचना मिली थी। मानव सिंह के परिजन लहूलुहान हालत में उसे गुरुवार रात करीब 9 बजे अजमेर के पंचशील स्थित क्षेत्रपाल अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मानव ने पुलिस को बयान में बताया कि 12 बोर की बंदूक साफ करते समय फायरिंग हो गई। छर्रे सीने, पैर और हाथ पर लगने से जख्मी हो गया। उगमचंद ने बताया- मामले की जांच की जा रही है।

ढलान में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 2 किसान की मौत

बाड़मेर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर तीन किसान कुतर (पशु चारा) खाली करके जा रहे थे। ढलान में ट्रैक्टर बेकाबू होकर पलट गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से दो की मौत हो गई। वहीं, एक गंभीर घायल हो गया। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना बाड़मेर जिले के धनाऊ थाना इलाके जानियों की बस्ती रोड आज सुबह की है। पुलिस ने गंभीर घायल को को धनाऊ से बाड़मेर रेफर किया है। वहीं, मृतक के शवों को धनाऊ हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

जयपुर में सफाई कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ निकाली रैली

बोले-सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज को मिले प्राथमिकता

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान ने 24 हजार से ज्यादा पदों पर प्रस्तावित सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिनों से जारी कार्य बहिष्कार हड़ताल के बाद अब सफाई कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

शुक्रवार को जयपुर में संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के बैनर तले वाल्मीकि समाज के कर्मचारियों ने परकोटे में विरोध रैली निकाल प्रदर्शन किया। इस दौरान संयुक्त वाल्मिकी एवं सफाई श्रमिक संघ के पधाधिकारियों ने कहा- अगर सरकार ने हमारी मांग को जल्द पूरा नहीं किया तो प्रदेशभर में वाल्मीकि समाज सरकार के खिलाफ आर - पार की लड़ाई लड़ेगा। संयुक्त वाल्मिकी एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नन्दकिशोर डंडोरिया ने बताया- प्रदेश में सरकार ने जो 24 हजार 797 पदों पर सफाई कर्मचारी की भर्ती की है। उस भर्ती के नियमों में कुछ संशोधन का प्रस्ताव संघ ने सरकार को दिया था। इन मांगों पर सरकार और संघ के बीच 15 मार्च को समझौता भी हुआ। समझौते में नगरीय निकायों में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों (अस्थायी) को वरियता देने एवं जिन अभ्यर्थियों के साल 2012 और 2018 की भर्ती के प्रकरण कोर्ट में विचाराधीन हैं। उन पर नीतिगत निर्णय करके नियुक्ति देने पर सहमति बनी थी। लेकिन सरकार ने सहमति पत्र को दरकिनार कर भर्ती करने की तैयारी शुरू की है। जिसे हम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। बता दें कि जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज में वर्तमान में 8 हजार से ज्यादा सफाई कर्मचारी कार्यरत है। इनमें बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज के कर्मचारी है। जो पिछले 3 दिन से कार्य बहिष्कार कर हड़ताल पर चल रहे हैं। ये कर्मचारी कल से हड़ताल पर जाएंगे। जिससे जयपुर शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

इन मांगों को लेकर अड़ा संघ

सफाई कर्मचारियों की भर्ती मस्टरोल के आधार पर की जाए। जिसमें 1 साल तक पहले कर्मचारी से काम करवाया जाए, उसके बाद नियुक्ति दी जाए। वाल्मीकि समाज के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाए।पूर्व की जिन भर्तियों में कोर्ट में मामला विचाराधीन है, या जिन पर निर्णय हो चुका है। उनमें नियुक्ति के आदेश जारी किए जाए।

धारीवाल की जुबान फिसली...सदन में सभापति को दी गाली

कहा-कोटा में रहना है कि नहीं

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में यूडीएच की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान बोलते हुए शांति धारीवाल ने बार-बार गालियों का इस्तेमाल किया। यहां तक की सभापति संदीप शर्मा की टोका-टोकी पर उन्हें भी गाली दे दी। बता दें कि जब सभापति संदीप शर्मा ने धारीवाल को बात खत्म करने को कहा तो वहां भी अपशब्द का इस्तेमाल कर दिया। धारीवाल ने सभापति के टोकने पर कहा, तुम तो कोटा के हो, कोटा में रहना है की नहीं रहना है। संदीप शर्मा कोटा दक्षिण से विधायक हैं और धारीवाल कोटा उत्तर से विधायक हैं।

तीन बार दी गाली : पहली बार धारीवाल ने कांग्रेस राज के दौरान गड़बड़ियों पर लगे आरोपों पर पलटवार करते हुए अपशब्द कहे। दूसरी बार उन्होंने फर्जी पट्टे जारी करने के मामले में भी अपश ब्दों का इस्तेमाल किया। इसके बाद तीसरी बार जब सभापति संजय शर्मा ने धारीवाल को बात खत्म करने को कहा तो वहां भी अपशब्द का इस्तेमाल कर दिया। धारीवाल ने सभापति के टोकने पर कहा, तुम तो कोटा के हो, कोटा में रहना है की नहीं रहना है।

शिक्षकों के स्कूल नहीं आने से नाराज ग्रामीणों ने गेट पर लगाया ताला, पहले भी कर चुके हैं प्रदर्शन

करौली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के हिंडौन क्षेत्र की बझेड़ा ग्राम पंचायत के गांव लीलोटी में लंबे समय से स्कूल से अनुपस्थित शिक्षकों से नाराज होकर स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया।

ग्रामीण ध्यानसिंह और पप्पू सिंह ने बताया कि स्कूल में लंबे समय से एक शिक्षक के नहीं आने के कारण स्कूली बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, जिसके कारण आक्रोशित ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने स्कूल के मेन गेट पर ताला जड़ दिया। गौरतलब है कि इस समस्या को लेकर ग्रामीणों की ओर से पूर्व में भी प्रदर्शन किया गया था और शिक्षा अधिकारी के आश्वासन के बाद ताला खोला था। आज एक बार फिर वही नौबत सामने आई है, जिससे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने स्कूल गेट पर ताला जड़ दिया।

ग्रामीणों का कहना है कि यहां डेपुटेशन पर शिक्षक लगा रखे हैं, जिससे स्कूल में बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। 3 घंटे बाद शिक्षक परेश कुमार के स्थान पर किसी अन्य शिक्षक को स्कूल भेजे जाने पर ग्रामीणों ने स्कूल के गेट से ताला खोला गया। बीती 10 जुलाई को भी ग्रामीणों ने सीडीईओ करौली को ज्ञापन दिया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

567 किलो अवैध गांजा जब्त

सवाई माधोपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले की रवाजंना डूंगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ आज एक बड़ी कार्रवाई की अंजाम दिया। पुलिस ने लालसोट-कोटा मेगा हाईवे स्थित रवाजंना चौड़ चौराहा पर नाकाबंदी कर एक मिनी ट्रक को पकड़ा। जानकारी के अनुसार पुलिस ने मिनी ट्रक से 567 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है, जिसकी बाजार में लाखों की कीमत है। पुलिस ने मिनी ट्रक के साथ एक स्विफ्ट कार भी जब्त की है।

मेले के दिनों में ट्रेक्टर-ट्रॉली पर ओवरलोडिंग को सख्ती से रोका जाए : भवानी सिंह पंवार

पाली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीलिंग भवानी सिंह पंवार की अध्यक्षता में जिला कलेक्टर कार्यालय में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर ने बाल वाहिनीयों के संचालन के सम्बन्ध आवश्यक बैठक करने के लिए, आगामी दिनों में बाबा रामदेव के मेले व परशुराम मेले के सम्बन्ध में सड़कों पर पैदल यात्री व वाहनों के चलने के बारे में आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही मेले के दिनों में ट्रॉली, ट्रेक्टर पर जरूरत से ज्यादा लोगों के ले जाने पर अंकुश लगाने, रिफलेक्टर लगाने आदि और हाईवे पर अवैध कट पर कार्रवाई व चालान बनाने, सड़कों से निराश्रित पशुओं को हटाने के निर्देश दिए। बैठक में बारिश में नालों को ढकंने व दुरूस्त करने के लिए, ट्रक, पिकअप वाले एक्स्ट्रा लाईट लगाने वाहनों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बांसवाड़ा में कार्यरत 6 वन रक्षक को पद से हटाया

पेपर लीक में गिरफ्तारी के बाद डीसीएफ ने जारी किए पद विमुक्ति के आदेश

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। वनरक्षक भर्ती-2020 पेपर लीक प्रकरण में शामिल वनकर्मियों पर वन विभाग ने एक्शन लिया है। प्रकरण में गिरफ्तार 6 वन कर्मियों के लिए वन विभाग ने पद विमुक्ति का आदेश जारी किया है। आदेश की प्रति संबंधित रेंजरों को भेजकर वनरक्षकों तक पहुंचाई जा रही है। डीसीएफ जिग्नेश शर्मा ने बताया- पिछले दिनों वनरक्षक भर्ती- 2020 परीक्षा में पेपर लीक का खुलासा हुआ था। इसके बाद एसओजी ने कार्रवाई करते हुए वनरक्षक सविता, प्रवीण, शीला, शिल्पा, वीर सिंह व सुखराम को गिरफ्तार किया था। जिनके खिलाफ विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हालांकि वन विभाग ने वन रक्षकों से उनका पक्ष जानने के लिए नोटिस भी भेजे थे।

भेजे गए नोटिस में यह दिया जवाब

आरोपी वनरक्षकों ने विभाग को जवाब भेज दिया है। विभागीय सूत्रों के अनुसार आरोपियों ने जवाब में लिखा कि उन्होंने अपनी योग्यता और मेहनत के बल पर यह परीक्षा पास की है। इसमें किसी प्रकार का जुर्म प्रमाणित नहीं हुआ है। केवल शक के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस और एसओजी के समक्ष अपना गुनाह कबूल कर चुके सभी वनरक्षक अब अपनी नौकरी बचाने के प्रयास में जुटे हैं।

8-8 लाख रुपए में बांटे थे पेपर

एसपी हर्षवर्धन अगरवाला के अनुसार-एडिशनल एसपी लीव रिजर्व पुलिस लाइन धनफूल मीणा ने सज्जनगढ़ थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। मामले की जांच के दौरान 28 जून को प्रवीण मालवीया (35) को गिरफ्तार किया था। प्रवीण ने 8-8 लाख रुपए में पति-पत्नी समेत तीन लोगों को पेपर दिया था। प्रवीण वर्तमान में बांसवाड़ा शहर के शास्त्री नगर में रहता है। परीक्षा 13 नवंबर 2022 को दो पारियों में हुई थी।

पुलिस टीम पर पथराव करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अलवर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर की वैशाली नगर थाना पुलिस ने पिछले दिनों पुलिस पर हमला कर एक बदमाश को छुड़ा ले जाने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस पर दो हजार का इनाम भी घोषित किया था। बदमाश का नाम महमूद बताया गया है। पुलिस के अनुसार इस बदमाश ने पिछले दिनों फिरोज को पकड़ने मन्नाका गांव पहुंची पुलिस टीम पर पथराव करके फिरोज को वहां से भगा दिया था और तभी से यह भी फरार चल रहा था। पुलिस ने फिरोज को महाराष्ट्र में एक होटल से गिरफ्तार कर लिया था।

घर के बाहर बैठे टीचर की तलवार से गर्दन काटी

उदयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सलूंबर में घर के बाहर बैठे एक शिक्षक पर तलवार से वार कर हत्या कर दी गई। बेटे को बचाने आए पिता पर भी बदमाश ने ताबड़तोड़ वार किए। हमले में पिता का हाथ कट गया है। घायल बुजुर्ग को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। परिवार के अनुसार आरोपी बुजुर्ग की किराने की दुकान पर सिगरेट लेने के बहाने आया था। हमलावर की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। मामला जिले के अदवास गांव की मेघवाल बस्ती में गुरुवार शाम करीब 7 बजे का है। पुलिस के अनुसार घटना में शिक्षक शंकरलाल मेघवाल (40) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पिता डालचंद मेघवाल (60) को गंभीर हालत में एमबी हॉस्पिटल उदयपुर रेफर किया गया है।

विधानसभा में विपक्ष के हंगामे पर सीएम का पलटवार

कांग्रेस सरकार में किसानों को बाजरा 1400 रुपए में बेचना पड़ा था, धरने भी दिए

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में बाजरा खरीद को लेकर कांग्रेस के हंगामे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में किसानों को धरने देने पड़े थे। बाजरा भी 1400 रुपए में बेचना पड़ा था। सवाल पूछा गया कि बाजरे की कितनी खरीद हुई। हमारी सरकार बनने के बाद तो पहली बार तो फसल अब आएगी। सीएम ने कहा कि सवाल करते हो तो जवाब सुनने की भी जिम्मेदारी भी होने चाहिए। मंत्रीजी ने कहा कि आगामी बाजरे की फसल एमएसपी पर खरीदने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिख रहे हैं। लेकिन इस बात पर भी विचार करना चाहिए, पांच साल में कितनी खरीद की गई। बाजरा खरीद को लेकर निर्दलीय विधायक ऋतु बानावत ने सवाल पूछा था। कांग्रेस विधायकों के हंगामे पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने नाराजगी भी जताई। उन्होंने ऐसे विधायकों को बाहर निकालने की भी चेतावनी दी।

वन मंत्री बोले-धारीवाल 81 साल की उम्र में भी वन्यजीवों की चिंता करते हैं

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल के गोडावण संरक्षण से जुड़े सवाल पर वन मंत्री संजय शर्मा के जवाब के दौरान हंसी मजाक का दौर चला। संजय शर्मा ने कहा- इस सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य शांति धारीवाल 81 साल की उम्र में भी वन्य जीवों और वनों की चिंता कर रहे हैं, यह सबके लिए प्रेरणास्पद है। आप जो सुझाव देंगे उन पर विभाग अध्ययन कर उन पर एक्शन लेगा। इसी दौरान संजय शर्मा को टोकते हुए स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा- ये 81 साल के नहीं, 19 साल के हैं, 100 माइनस 81 यानी 19 साल के हुए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि 19 साल की उम्र तय हो गई तो उसी हिसाब से जवाब दे दीजिए।

वन मंत्री और नेता प्रतिपक्ष का एक दूसरे पर तंज

शांति धारीवाल के सवाल का जवाब देते हुए वन मंत्री संजय शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष पर तंज कसा। संजय शर्मा ने कहा कि धारीवाल साहब इस उम्र में भी वन्य जीवों की चिंता कर रहे हैं, दूसरी तरफ कुछ लोग यहां ऐसे भी हैं जिनका नाम नदी नालों पर कब्जे करने वालों में हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंत्री पर तंज कसते हुए कहा- इधर-उधर की बातें करने की जगह जो पूछा है उसका जवाब दीजिए। आप तो जो सवाल पूछा है वो ही बता दो क्या पूछा था? संजय शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा- नेता प्रतिपक्ष फिर अधिकार की बात करेंगे, किन एक मुहावरा इनके ऊपर लागू हो रहा है जिसमें यह कहते हैं, इनकी हर बात पर टांग अड़ाने की आदत इनकी लगी हुई है।

मेयर, डिप्टी मेयर, पार्षदों ने 3,065 करोड़ रुपये आवंटित किए जाने पर खुशी मनाई

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य बजट में जीएचएमसी को 3065 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। जीएचएमसी के मेयर, डिप्टी मेयर और पार्षदों ने शुक्रवार को जीएचएमसी मुख्यालय में निगम को 3,065 करोड़ रुपये आवंटित किए जाने पर खुशी मनाई। मेयर गद्वाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी और कई पार्षदों ने कार्यक्रम में भाग लिया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया, पटाखे फोड़े, मिठाइयां बांटी और खुशी जाहिर की। इस अवसर पर बोलते हुए, महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा, मुझे खुशी है कि राज्य बजट में हैदराबाद शहर के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। विशेष रूप से, जीएचएमसी को 3065 करोड़ रुपये दिए गए हैं। जल बोर्ड के लिए 3,065 करोड़ रुपये और 3385 करोड़ रुपये आवंटित करने के लिए मुख्यमंत्री को विशेष धन्यवाद। इतनी बड़ी राशि के आवंटन से, हमें उम्मीद है कि शहर में सबसे महत्वपूर्ण पेयजल और जल निकासी की समस्या हल हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने बढ़ती आबादी के साथ तालमेल रखने के लिए शहर में बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा, मेट्रो रेल विस्तार, मुसी विकास, जीएचएमसी का बाहरी रिंग रोड तक विस्तार, हाइड्रा की स्थापना शहर के विकास के लिए बहुत उपयोगी होगी। इस अवसर पर, महापौर, उप महापौर और नगरसेवकों ने शहर के विकास के लिए धन आवंटित करने के लिए मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को फिर से धन्यवाद दिया।

कर्ज में डूबे किसान ने की आत्महत्या

कोत्तागुडेम, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ दिन पहले आत्महत्या का प्रयास करने वाले एक युवा किसान की खम्मम में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिले के अन्नापुरेड्डीपल्ले मंडल के कोत्तागुडेम गांव के मृतक एम अशोक (33) ने अपने घर पर कीटनाशक का सेवन कर लिया और उसे इलाज के लिए खम्मम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि खेती में घाटा होने के कारण वह कर्ज में डूबा हुआ था। परिवार के सदस्यों ने बताया कि आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वह शराब का आदी हो गया था और उसने आत्महत्या कर ली।

हैदराबाद मेट्रो की सवारियों में गिरावट

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (एलएंडटी) ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025 की पहली तिमाही में हैदराबाद मेट्रो की औसत दैनिक सवारियों में मामूली गिरावट देखी गई। अप्रैल से जून 2024 तक प्रतिदिन यात्रियों की संख्या घटकर 4,32,000 रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में प्रतिदिन 4,42,000 यात्रियों से कम है। तिमाही गिरावट के बावजूद, साल-दर-साल तुलना में सुधार का संकेत मिलता है। अप्रैल से जून 2023 में औसत दैनिक सवारियां 4,22,000 यात्री थीं। एलएंडटी में निवेशक संबंध प्रमुख पी. रामकृष्णन ने आंकड़े साझा किए और वित्तीय निहितार्थों पर ध्यान दिया। हैदराबाद मेट्रो ने 2.14 बिलियन रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया, जो 3.35 बिलियन रुपये के घाटे से काफी कम है।

एक और पुजारी की बीमारी से मृत्यु

मुलुगु, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडारम सम्मक्का-सरलम्मा मंदिर के देवताओं में से एक सरलम्मा के पुजारी काका संपत का शुक्रवार सुबह बीमारी के कारण निधन हो गया। वे जिले के तड़वई मंडल के कन्नेपल्ली गांव के निवासी थे। रिपोर्ट के अनुसार, वह कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित थे और ताड़वई के एक स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। 20 जुलाई को मेडाराम सम्मक्का-सरलम्मा मंदिर के पुजारी मल्लेला मुत्तैया का बीमारी के कारण निधन हो गया था।

मेदक में संदिग्ध तेंदुए के हमले में भैंस की मौत

संगारेड्डी, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक में घरेलू पशुओं पर एक और तेंदुए के हमले की खबर आई। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार तड़के रामायमपेट मंडल के थोनीगंडला गांव में एक तेंदुए ने एक भैंस को मार डाला। किसान कोथागारी रमेश ने गुरुवार रात को अपने मवेशियों को गांव के बाहरी इलाके में एक शेड में रखा था। शुक्रवार सुबह जब वह शेड में वापस आया तो उसने देखा कि उनमें से एक मवेशी मृत पड़ा था। रमेश ने वन अधिकारियों को बुलाया जिन्होंने मौके पर जाकर जानकारी जुटाई। वन अधिकारियों ने गांव वालों को अलर्ट कर दिया है। अधिकारियों ने गांव वालों से कहा है कि वे अकेले जंगल में न जाएं।

नागरकर्नूल में बिजली के तार में लगी आग

नागरकर्नूल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कलवाकुर्ती विद्यानगर से गुजरने वाली 33 केवी तार में शुक्रवार को आग लग गई, जिससे कॉलोनी के निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, जिस 33 केवी तार में आग लगी, वह ब्रह्मनगरी मंदिर के पास के घरों के पास से गुजरा था और चूंकि घटना के समय तार के नीचे कोई नहीं था, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ।

आग के कारण हाईटेंशन तार तीन जगहों पर टूट गया। कॉलोनी के निवासी बिजली अधिकारियों से 33 केवी लाइन को दूसरी जगह लगाने का अनुरोध कर रहे हैं, क्योंकि यह आवासीय कॉलोनियों से होकर गुजर रही है। पता चला है कि निवासियों ने कई बार शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

एससीआर स्काउट एंड गाइड फेलोशिप का स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

महाप्रबंधक, एससीआर अरुण कुमार जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे स्काउट एंड गाइड फेलोशिप ने चिकित्सा विभाग, एससीआर के साथ समन्वय में शुक्रवार को रेलवे संस्थान, मौला-अली, सिकंदराबाद में एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ.सी.के. वेंकटेश्वरुलु, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक, एससीआर, ए.के. श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, एससीआर, लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल, पार्थ सारथी, मुख्य सामग्री प्रबंधक, एससीआर और स्वयंसेवक भी उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, अरुण कुमार जैन ने कहा कि स्वास्थ्य किसी के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति है। उन्होंने कर्मचारियों को स्वस्थ आहार खाने और उचित शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एससीआर स्काउट एंड गाइड फेलोशिप और चिकित्सा विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम जानकारीपूर्ण और सहायक था। महाप्रबंधक ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य के महत्व और उचित कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के बारे में कर्मचारियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम के दौरान, कर्मचारियों के सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य के महत्व और सीपीआर जैसे आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक नाटक का प्रदर्शन किया गया। बाद में, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के डॉ. निरंजन ने जल जनित रोगों और मानसून के मौसम में किए जाने वाले एहतियाती उपायों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। इससे पहले, स्वयंसेवकों द्वारा स्वास्थ्य के महत्व पर चित्र और उद्धरणों को दर्शाने वाली तख्तियां लेकर रेलवे कॉलोनी, मौला-अली में एक स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली गई। आज कार्यक्रम में एससीआर चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों और अन्य कर्मियों के साथ लगभग 200 लोगों ने भाग लिया।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स का धमाका सेल कल से : गौतम सेहलोत

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स (एसएलजे) के मालिक गौतम सेहलोत ने कहा कि, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स का वार्षिक धमाका सेल रविवार, 28 जुलाई से शुरू हो रहा है।

गौतम सेहलोत ने बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स का मानसून धमाका सेल में ग्राहकों को, एक ही छत के नीचे हीरे, सोने, चांदी के आकर्षक आभूषणों की विभिन्न रेंज उचित दामों पर प्राप्त होगी।

उन्होंने आगे कहा कि, गत तेरह वर्षों की भांति इस वर्ष भी नये एवं प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए वार्षिक धमाका सेल शुरू किया जा रहा है। जिसमें 9.16 स्वर्ण आभूषणों को शुध्द सोने के भाव में खरीद सकते हैं। 100% के उपर कोई भी तरह का वेस्टेज या मजूरी शुल्क नहीं लगाया जा रहा है। सोने के भाव में भी 6000 रु. प्रति 10ग्राम की गिरावट आयी है। एक सप्ताह में सोना 7690 रु. प्रति ग्राम था जोकि आज 7050 रु. प्रति ग्राम पर चल रहा है। अतः ग्राहकों के लिए यह सुनहरा अवसर है।

एसएलजे प्रमुख मीठालाल सेहलोत ने कहा कि, इस सेल के माध्यम से हर वर्ष मुख्य रूप से नए ग्राहक जुडते जाते हैं एवं पुराने ग्राहकों को उचित दर पर ज्वैलरी खरीदने का अवसर मिलता है। इस सेल में 1500 से अधिक नेकलेस, 1500 चुडीयों के डिजाइन्स, 700 कालीपोत की डिजाइनें, 700 चैनों की डिजाइनें, कुल मिलाकर 20000 से अधिक डिजाइन्स देखने का अवसर मिलेगा। इस चलते एसएलजे प्रमुख मीठालाल सेहलोत ने सभी ग्राहकों से अपील की है कि, सभी इस वार्षिक धमाका सेल का लाभ उठाएं।

रेनू देसाई ने मंत्री से पर्यावरण, वन्य जीव कल्याण और आध्यात्मिक क्षेत्र पर चर्चा की

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध अभिनेत्री, भगवद गीता फाउंडेशन फॉर वैदिक स्टडीज की मुख्य सलाहकार रेनू देसाई ने शुक्रवार को जुबली हिल्स में वानिकी, पर्यावरण और देवदया चैरिटी मंत्री कोंडा सुरेखा से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों ने पर्यावरण, वन्य जीव कल्याण और आध्यात्मिक क्षेत्र पर चर्चा की। रेनू देसाई ने मंत्री सुरेखा को भगवद गीता फाउंडेशन फॉर वैदिक स्टडीज के तत्वावधान में दुनिया के पहले गीता विश्वविद्यालय का विवरण समझाया। इस अवसर पर मंत्री सुरेखा ने अपने घर पर अतिथि के रूप में पहुंची रेनुदेसाई को नए वस्त्र, फल और पीला केसर देकर सम्मानित किया। मंत्री सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता पटेल ने भी विशेष रूप से अपने हाथों से मंत्री सुरेखा रेनू देसाई से मुलाकात की। रेनू देसाई ने कोंडा परिवार द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार पर खुशी व्यक्त की।

डॉ. सुंदरगोपाल श्रीधर बनें रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, लंदन के फेलो

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, हैदराबाद में केमिकल इंजीनियर और मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुंदरगोपाल श्रीधर को प्रतिष्ठित रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (एफआरएससी), लंदन, यूके के फेलो के रूप में शामिल किया गया है।

एक शोध वैज्ञानिक के रूप में अपने 26 वर्षों के दौरान, डॉ.एस. श्रीधर ने रासायनिक और संबद्ध उद्योगों के लिए कई तकनीकों का विकास और हस्तांतरण किया है, साथ ही सामाजिक कल्याण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. श्रीधर ने भारत के 10 राज्यों में फ्लोरोसिस, टाइफाइड और अन्य जल जनित बीमारियों से प्रभावित 5 मिलियन आबादी के लिए भूजल, सतही जल और बाढ़ के पानी के शुद्धिकरण के लिए 600-4000 लीटर/घंटा क्षमता के नैनोफिल्ट्रेशन, अल्ट्राफिल्ट्रेशन और रिवर्स ऑस्मोसिस पर आधारित 75 से अधिक जल शोधन संयंत्र डिजाइन और स्थापित किए हैं।

यही नहीं विलक्षण प्रतिभा के धनी डॉ. सुंदरगोपाल श्रीधर ने 53 के एच-इंडेक्स के साथ प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 181 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्हें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए और एल्सेवियर साइंस पब्लिशर्स द्वारा 2021, 2022 और 2023 में विश्व भर के शीर्ष 27 वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है। उनके नाम 15 पेटेंट, 4 किताबें और 50 पुस्तक अध्याय हैं। डॉ. श्रीधर 70 प्रतिष्ठित विज्ञान पुरस्कारों के प्राप्त हैं।

पीएमश्री विद्यालय में प्रतियोगिताएं संपन्न

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय गोलकोंडा एवं नानलनगर, मेंहदीपट्टनम के तत्वावधान में हैदराबाद संभाग की तीन दिवसीय क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन सूबेदार माखनसिंह एथलेटीक्स स्टेडियम, आर्टिलरी सेंटर में किया गया। इसमें 80 अनुरक्षकों और लगभग 600 प्रतिभागियों ने सहभाग लिया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सूबेदार जालान पी एस द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रुप में सहायक आयुक्त रेजी वीआर नाथ उपस्थित थे। प्रचार्य सुरेश कटोच, प्रभारी प्रचार्य एन राजेश्वरी आदि की उपस्थिति थी। खिलाडियों ने मशाल समारोह एवं शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में गोला फेक, हाई जंप, भाला फेंक और 800 मीटर दौड प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार, हैदराबाद की ट्रस्टी शशिकला और सूर्य प्रकाश ने उप मुख्यमंत्री, मल्लु भट्टी विक्रमार्क, मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को बोनालू उत्सव के लिए आमंत्रित किया।

राजभाषा अधिकारियों के लिए संयुक्त बैठक का आयोजन

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 26 जुलाई को हिंदी शिक्षण योजना, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान, हैदराबाद में सी.जी.ओ. टॉवर्स, कवाड़ीगुड़ा, सिकंदराबाद स्थित प्रेक्षागृह में नगरद्वय के भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों और बीमा कंपनियों के राजभाषा अधिकारियों के लिए एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

अध्यक्षीय भाषण में हिंदी शिक्षण योजना की उप निदेशक बेला, ने आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अपने संकाय-सदस्यों के प्रयासों को सराहा। उन्होंने बैंकों, उपक्रमों और बीमा कंपनियों से ज्यादा से ज्यादा नामांकन भेज कर प्रशिक्षण पूरा करने का अनुरोध किया।

मुख्य अतिथि उप निदेशक (परीक्षा) डॉ प्रतिभा मलिक ने प्रशिक्षण जल्द-से-जल्द पूरा करने की अपील की। विशेष अतिथि के रूप में ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना की और सभी कार्यालयों को प्रशिक्षण पूरा करने का सुझाव दिया। आईआरडीआईए की महाप्रबंधक श्रीमती रमादेवी ने शेष अतिथि के रूप में अपने कार्यालय में जारी प्रशिक्षण संबंधी वक्तव्य दिया और सभी कार्यालयों से भी जल्द से जल्द लक्ष्य पूरा करने के लिए कहा।

कार्यक्रम में सभी ने चर्चा परिचर्चा में भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालन करने में सभी सहायक निदेशकों तरुण शेखावत, सीमा कुमारी, नीता बेटिगेरी, शिवानंद कालेकर, रविचंद्रराव, राजेश कुमार वर्मा, संतोष कुमार, अवर श्रेणी लिपिक मोहन राठोड़ एवं एमटीएस वेणु गोपाल उपस्थित थे।

प्रगति महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस आयोजित

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित प्रगति महाविद्यालय डिग्री कॉलेज, 4/1 कंपनी, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में 25 वा कारगिल विजय दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ ए माधवीलता ने कहा कि आज हम चैन के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो सिर्फ हमारी सेना के कारण। इसलिए हम सब उनके आभारी हैं, जो 24 घंटे सरहद पर देश की सुरक्षा में लगे हुए हैं।

एनसीसी अधिकारी कप्तान डॉ टी पी सिंह ने कहा कि हम सब हमेशा उन शूर-वीरों के शुक्र गुज़ार हैं, जो देश की सरहद पर 24 घंटे पहरा दे रहे हैं। इसलिए हम सब को कारगिल युद्ध में शहीद शूर-वीरों को सदा स्मरण करना चाहिए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष अमित सिंह उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में शहीद शूर-वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और इस उपलक्ष्य में एनसीसी अधिकारी एवं कैडेट्स द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स को उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने भारी संख्या में भाग लिया।

कारगिल विजय दिवस पर अर्पित की गई मेजर पद्मपाणि आचार्य को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सैनिक संस्था, जन ऊर्जा मंच और गुजराती प्रगति समाज के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल युद्ध विजय दिवस पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। तेलंगाना राज्य महिला शाखा संरक्षक, राष्ट्रीय सैनिक संस्था की भारती पटेल एवं श्री गुजराती विद्या मंदिर हाई स्कूल के छात्रों ने साथ मिलकर करगिल युद्ध के अमर बलिदानी महावीर चक्र मेजर पद्मपाणि आचार्य की प्रतिमा पर श्रद्धांजली अर्पित की।

इस अवसर पर डॉ निशीता दीक्षित, राष्ट्रीय सैनिक संस्था राज्य युवा शाखा अध्यक्ष पी. ऋत्विक के साथ अन्य सदस्य बी. सूरज सिंह, पी. हर्षवर्धन, आर. शैलेश, के. अखिल सिंह, अखिल, शिवा आदि भी उपस्थित थे।

अमीरपेट स्थित श्री लक्ष्मी दुर्गा सोनाबाई मंदिर मे दो दिवसीय 28 व 29 जुलाई बोनालु एवं रंगम पूजा-अर्चना कार्यक्रम के लिए बतौर मुख्य अतिथि बी.आर.एस.युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित को आमंत्रित करते हुए कमिटि मेम्बर डी.कृष्णा, जी. बाबुराव, वी. अन्जी, जी. सत्यनारायण, एन. रामुलु, जी श्रीनिवास व अन्य।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर मे काग परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम मे उपस्थित आयोजक जीडिमेटला सीरवी समाज अध्यक्ष मांगीलाल काग, कालुराम काग, भुराराम काग, सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, नारायणलाल वरपा, सोहनलाल परिहार, पुसाराम काग, सुरेश, हेमन्त, सुरज काग व समाज बन्धु।

अत्तापुर में श्रीमद् भागवत कथा की तैयारीयों की समीक्षा बैठक कल

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में आगामी श्रावण मास के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन गुरुवार 8 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 7:30 बजे तक अत्तापुर स्थित ब्रह्मचारी मठ राधा कृष्ण मंदिर पर्ल काउंटी के सामने आयोजित किया जाएगा।

15 वर्षीय बाल विदुषी हरी प्रिया वैष्णवी श्रीमद् भागवत कथा का वाचन कराएंगी। इस संदर्भ में 15 अगस्त को मध्यान 3:30 बजे से रात्रि 9 बजे तक संगीतमय सुंदरकांड पाठ निजामाबाद निवासी शारडा बांधवो द्वारा किया जाएगा।

श्रीनिवास सोमानी ने कहा की श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य यजमान अग्रवाल समाज अतापुर के अध्यक्ष बद्री प्रसाद सरायवाला होंगे। दैनिक यजमान राम अवतार गुप्ता, जमुनालाल काकानी, वेणुगोपाल तोतला, बृज गोपाल असावा, रुपेश सोनी, राजकुमार अग्रवाल, संजय गुप्ता होंगे। इसी संदर्भ में 28 अगस्त को 11:30 बजे एक साधारण सभा का आयोजन किया जाएगा सभी धार्मिक बंदओ, महिलाएं आमंत्रित हैं सभी के सुझाव से श्रीमद् भागवत कथा के भाव सफल बनाया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

स्मृति मंधाना का अर्धशतक

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत में स्मृति मंधाना का अर्धशतक महत्वपूर्ण रहा। महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत को जीत के लिए 81 रनों का टारगेट दिया था। जिसे भारत ने बिना कोई विकेट खोये आसानी से हासिल कर लिया। भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने 38 गेंदों में अर्धशतक जमाया।

दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में हो रहे इस मैच में बांग्लादेश महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टीम इंडिया की गेंदबाजी ने बांग्लादेश को 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 80 रनों पर ही सीमित कर दिया। इस मुकाबले में भारत की रेणुका सिंह ठाकुर ने चार ओवर में 10 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। राधा यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लिए। पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला। बांग्लादेश की ओर से ओपनर दिलारा अख्तर और मुर्शिदा खातून क्रमशः 6 और 4 रन बनाकर रेणुका सिंह की गेंद पर आउट हो गईं। इश्मा तंजीम ने भी नंबर तीन पर 8 ही रन बनाए और वह रेणुका सिंह का तीसरा शिकार बनीं। बांग्लादेश महिला टीम की ओर से कप्तान और विकेटकीपर निगार सुल्ताना ही एकमात्र टिकने वाली बल्लेबाज रहीं, जिन्होंने 51 गेंदों का सामना किया। हालांकि उनकी 32 रनों की संघर्ष भरी पारी का अंत राधा यादव ने कर दिया। राधा यादव ने रूमाना अहमद को भी 1 रनों के निजी स्कोर पर चलता कर दिया। बांग्लादेश का निचला क्रम भी राबेया खान (1), रितु मोनी (5), नाहिदा अख्तर (0) के साथ बिना किसी खास योगदान के आउट हो गया। 9वें नंबर की बल्लेबाज शोरना अख्तर ने इस दौरान 18 गेंदों पर 19 रनों की पारी खेलकर बांग्लादेश का स्कोर 80 तक पहुंचाया। इस मुकाबले में भारत की स्पिनर और तेज गेंदबाज दोनों को विकेट मिले। रेणुका ठाकुर ने बतौर तेज गेंदबाज और राधा यादव ने बाएं हाथ की स्पिनर के तौर पर शानदार गेंदबाजी की।

इसके अलावा स्टार स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भी चार ओवर में 14 रन देकर 1 विकेट लिया। महिला एशिया कप 2024 में भारतीय महिला टीम ने अपने ग्रुप मैचों में सर्वाधिक 6 अंकों के साथ टॉप किया था। भारत ने तीनों ग्रुप मुकाबले जीते थे। बांग्लादेश की टीम ग्रुप बी में थी, जिसने तीन में दो मैच जीतने के बाद अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया था। महिला एशिया कप 2024 का दूसरा सेमीफाइनल श्रीलंका और पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीमों के बीच दांबुला में शुक्रवार शाम को ही खेला जाएगा।

ओलंपिक उद्घाटन समारोह से पहले उपद्रवियों ने फ्रांसीसी रेल नेटवर्क को निशाना बनाया

पेरिस, 26 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क को समन्वित दुर्भावनापूर्ण कृत्यों" से नुकसान पहुंचा है, जिसमें पेरिस ओलंपिक उद्घाटन समारोह से कुछ घंटे पहले देश की कई व्यस्ततम रेल लाइनों में आगजनी के हमले शामिल हैं। सरकारी स्वामित्व वाली रेलवे ऑपरेटर, एसएनसीएफ ने कहा कि आगजनी करने वालों ने पेरिस को देश के पश्चिम, उत्तर और पूर्व से जोड़ने वाली लाइनों पर प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है और सप्ताहांत के दौरान पूरे देश में यातायात गंभीर रूप से बाधित रहेगा।

एसएनसीएफ ने एजेंसी फ्रांस-प्रेस को बताया, यह टीजीवी नेटवर्क को पंगु बनाने के लिए बड़े पैमाने पर किया गया एक बड़ा हमला है, उन्होंने कहा कि कई मार्गों को रद्द करना होगा और यह स्थिति कम से कम पूरे सप्ताहांत तक बनी रहेगी जब तक मरम्मत का काम चल रहा है। राष्ट्रीय ट्रेन ऑपरेटर ने कहा कि यह "रात भर में एक साथ कई दुर्भावनापूर्ण कृत्यों का शिकार" रहा है, उन्होंने कहा कि हमलों ने इसकी अटलांटिक, उत्तरी और पूर्वी लाइनों को प्रभावित किया है। महत्वपूर्ण केबलों को काट दिया गया और जला दिया गया।

एसएनसीएफ ने कहा, हमारी सुविधाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए आगजनी की गई, और कहा कि प्रभावित लाइनों पर यातायात भारी रूप से बाधित हुआ। फ्रांसीसी मीडिया ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी लाइन पर एक और हमला टाल दिया गया। इस सप्ताहांत लगभग 800,000 फ्रांसीसी छुट्टियों के यात्रियों की यात्रा योजनाएँ बाधित होंगी। एसएनसीएफ के प्रमुख जीन-पियरे फरांडौ ने कहा कि यह एक दुखद दिन है क्योंकि गैर-जिम्मेदार सनकी लोगों द्वारा किए गए हमलों से परिवार सबसे अधिक प्रभावित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि हमले योजनाबद्ध तरीके से किए गए थे और रेल नेटवर्क पर रणनीतिक बिंदुओं पर सावधानीपूर्वक लक्षित किए गए थे। खेल मंत्री, एमेली ओडेया-कास्टेरा ने बर्बरता की निंदा की। यह पूरी तरह से भयावह है, उन्होंने बीएफएमटीवी से कहा। खेलों को निशाना बनाना फ्रांस को निशाना बनाना है।

फलस्तीन ओलंपिक टीम का पेरिस पहुंचने पर शानदार स्वागत

तोहफों और तालियों से किया गया वेलकम

पेरिस, 26 जुलाई (एजेंसियां)। फलस्तीन के ओलंपिक दल का यहां पहुंचने पर लोगों ने तालियों और तोहफों के साथ स्वागत किया और तोहफों में खाने का सामान और गुलाब के फूल शामिल थे। पेरिस हवाई अड्डे से बाहर निकलकर फलस्तीन के खिलाड़ियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब तक 39000 फलस्तीनियों की जान ले चुके इस्राइल-हमास युद्ध के बीच उनकी मौजूदगी संकेत की तरह होगी।

खिलाड़ियों, फ्रांस के समर्थकों और राजनीतिज्ञों ने यूरोपीय देशों से फलस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। कइयों ने ओलंपिक में इस्राइली खिलाड़ियों के खेलने पर नाराजगी जताई है जिन्होंने इस्राइल पर युद्धापराध और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप लगाए हैं। सउदी अरब में जन्मे 24 वर्ष के फलस्तीनी तैराक याजान अल बवाब ने कहा, 'फ्रांस फलस्तीन को एक राष्ट्र नहीं मानता इसलिये मैं यहां फलस्तीन का झंडा लहराने आया हूं। हमारे साथ इंसान की तरह बर्ताव नहीं होता इसलिए हम यहां खेलने आए हैं ताकि लोग हमें बराबरी का समझे।'

भारतीय तीरंदाज तरुणदीप बोले-अभी नहीं तो कभी नहीं

पेरिस ओलिंपिक में कल ऑर्चरी का क्वॉलिफिकेशन राउंड; चौथा ओलिंपिक खेल रहे हैं

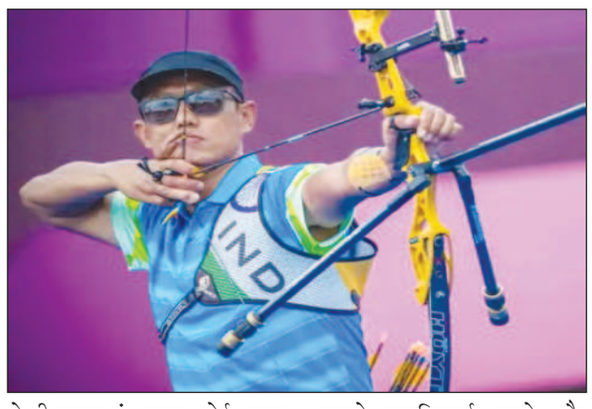

पेरिस, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय का कहना है कि चौथे ओलंपिक में हिस्सा लेते हुए उनके लिए यह 'अभी नहीं तो कभी नहीं' वाली स्थिति है। वे पेरिस ओलिंपिक में भारतीय आर्चरी टीम का हिस्सा हैं और अनौपचारिक 'मेंटोर' के तौर पर भी काम कर रहे हैं। पेरिस ओलिंपिक गेम्स में गुरुवार को भारतीय तीरंदाज क्वालिफिकेशन दौर से अभियान शुरू करेंगे। 40 साल के तरुणदीप राय अपने चौथे ओलिंपिक में पहला मेडल जीतने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने ओलिंपिक गेम्स को छोड़कर वर्ल्ड लेवल से लेकर कॉन्टीनेंटल लेवल की हर चैंपियनशिप में मेडल जीते हैं।

हर साथ से कहता हूं- ऐसे खेलो जैसे यह आपका आखिरी ओलिंपिक तरुणदीप ने पीटीआई से कहा- 'हर दिन इमोशनल होता है। यह चौथा मौका है। मेरे लिए यह 'अभी नहीं तो कभी नहीं' वाली स्थिति है। मैं अपने साथी तीरंदाजों से भी कहता हूं। शायद कोई अपना पहला या दूसरा ओलिंपिक खेल रहा हो, लेकिन उसे इस तरह सोचना चाहिए कि 'अभी नहीं तो कभी नहीं'। आपको इस तरह प्रयास करना चाहिए जैसे कि यह आपका आखिरी ओलंपिक हो।''

ओलिंपिक हर खिलाड़ी का सपना अनुभवी तीरंदाज ने कहा- 'ओलिंपिक हर खिलाड़ी का सपना होता है और मैं भी इससे अलग नहीं हूं। इसके लिए आपको सर्वश्रेष्ठ तैयारी करनी होती है। आपको क्वालिफाई करने और मेडल जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है।' राय ने कहा, 'इस ओलिंपिक में 3 साल के अंतराल के बाद खेल रहा हूं। कई बदलाव आए हैं जो सकारात्मक हैं। टोक्यो में जो भी कमी रह गई थी उसे दूर करना मेरा लक्ष्य है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा।' हम हमेशा मामूली अंतर से मेडल चूके राय ने कहा, 'हमेशा उम्मीदें रहती हैं। हमारे पास पदक जीतने की काबिलियत थी, लेकिन मामूली अंतर से इससे चूकते रहे और खाली हाथ लौटे। पर इस बार हम सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं, हमने इन चीजों को नियंत्रण में रखा है।'

टोक्यो-2021 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे तरुणदीप

सिक्किम के अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप ने 2004-एथेंस, 2012-लंदन और 2021-टोक्यो ओलिंपिक में भी हिस्सा लिया था। वे टोक्यो के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपने 28 साल के अनुभव को घर बैठकर बर्बाद नहीं करना चाहता। तीरंदाजी संघ को भी इसके बारे में सोचना चाहिए। मैं भविष्य में भारतीय तीरंदाजी में योगदान देना चाहता हूं।'

36 साल से भारतीय टीम को मेडल का इंतजार

भारतीय तीरंदाज 1988 में पदार्पण के बाद से नियमित रूप से ओलिंपिक में हिस्सा लेते रहे हैं, लेकिन अभी तक पदक नहीं जीत पाये हैं।

पेरिस ओलिंपिक-भारत की महिला पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

रैंकिंग राउंड में धीरज बोम्मादेवरा चौथे नंबर पर, अंकिता भकत को सीजन बेस्ट परफॉर्मेंस

स्पोर्ट्स डेस्क, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने पेरिस ओलिंपिक में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। यहां गुरुवार को आर्चरी के क्वालिफायर राउंड में दोनों भारतीय टीमों ने टॉप-4 पर रहते हुए सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लेस इनवैलिड्स गार्डन में दोपहर में पहले महिला टीम ने चौथे स्थान पर रहते हुए टॉप-8 में जगह पक्की की, फिर शाम होते-होते पुरुष टीम ने टॉप-3 में फिनिश करते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया।

युवा अंकिता भकत की अगुवाई में भारतीय महिला टीम ने 1983 अंक हासिल किए, जबकि पुरुष टीम ने धीरज बोम्मादेवरा के दमदार प्रदर्शन से 2013 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। टॉप-8 में भारतीय महिला टीम का मुकाबला फ्रांस और नीदरलैंड के विनर से होगा। जबकि भारतीय पुरुष टीम तुर्किए और कोलंबिया के विजेता से खेलेगी। इस बार भारत सभी पांचों इवेंट में हिस्सा लेगा। इनमें महिला टीम, पुरुष टीम, महिला एकल, पुरुष एकल और मिश्रित डबल्स पांचों इवेंट में मेडल की रेस में है। इस बार लगता है तीरंदाज इतिहास रचने जा रहे हैं।

मिक्स्ड इवेंट में अंकिता और धीरज की जोड़ी बनेगी

रैंकिंग राउंड में युवा अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। अंकिता विमेंस कैटेगरी में 666 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं। जबकि धीरज बोम्मादेवरा ने मेंस कैटेगरी में तीसरा स्थान हासिल किया। मिक्स्ड इवेंट में अब अंकिता और धीरज की जोड़ी बनेगी। मिक्स्ड इवेंट में पुरुष और महिला वर्ग में देश की टॉप तीरंदाजों की जोड़ी बनती है।

शुभमन गिल भविष्य में होंगे तीनों प्रारूपों में भारत के कप्तान!

टी20 और वनडे के बाद बनेंगे टेस्ट टीम के उप-कप्तान

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के 24 साल के ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल को हाल ही में श्रीलंका दौरे के लिए वनडे और टी20 में भारत का उप-कप्तान नियुक्त किया गया था। सूर्यकुमार यादव को श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया जबकि रोहित शर्मा वनडे और टेस्ट में टीम की कमान संभालेंगे। रेवस्पोर्ट्स के मुताबिक शुभमन गिल को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का उप-कप्तान भी बनाया जा सकता है। गिल अगर टेस्ट के उप-कप्तान बन जाते हैं तो फिर इस बात की संभावना है कि भविष्य में वो एक साथ तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया के कप्तान बन सकते हैं।

गिल बन सकते हैं तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया के कप्तान

भारतीय चयनकर्ताओं ने भविष्य के बारे में अपनी योजनाएँ स्पष्ट कर दी क्योंकि वे गिल को भारत के भावी कप्तान के रूप में देखते हैं। रोहित शर्मा की उम्र 37 साल है और उनके पास क्रिकेट खेलने के लिए कुछ साल बचे होने की संभावना है। सूर्यकुमार यादव भी 33 वर्ष के हैं, जिसका मतलब है कि जब तक वे खेल से संन्यास लेंगे, गिल पूरी तरह से तैयार होंगे और इस भूमिका को निभाने के लिए उनके पास पर्याप्त अनुभव होगा।

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान, अजीत अगरकर ने गिल को भारत का अगला उप-कप्तान नियुक्त करने के पीछे अपनी योजनाएं बताई थी। उन्होंने कहा था कि शुभमन एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे हम तीनों प्रारूपों का खिलाड़ी मानते हैं और पिछले एक साल में उन्होंने कई अच्छी खूबियां दिखाई हैं। इसलिए हम किसी ऐसे खिलाड़ी को टीम में रखना चाहते थे जो टीम में मौजूद कुछ सीनियर खिलाड़ियों से सीख सके। सूर्या टीम में हैं साथ ही रोहित अभी भी टीम में है। हम फिर से उसी चुनौती का सामना नहीं करना चाहते कि अचानक किसी नए कप्तान की तलाश करें। इस बीच श्रीलंका और भारत के बीच पहले टी20 मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में शुभमन गिल से उनके टी20 फॉर्म के बारे में पूछा गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर मैं टी20 विश्व कप (2024) तक टी20 में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हूं। यह मेरी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है।

भारत बनाम श्रीलंका : नए कोच और कप्तान के नेतृत्व में टीम इंडिया का पहला असाइनमेंट

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच 27 जुलाई से टी20 सीरीज का आगाज होने जा रहा है। नए कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ टीम इंडिया का ये पहला असाइनमेंट होगा। टीम चयन और गंभीर की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद क्रिकेट फैंस भारत बनाम श्रीलंका मुकाबले को देखने के लिए बेताब हैं।

सूर्यकुमार यादव श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में टीम की अगुवाई करेंगे, जो शनिवार को पल्लेकेले में शुरू होगी। नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए यह उनके कार्यकाल की शुरुआत होगी। रोहित शर्मा, जो अब टी20 से संन्यास ले चुके हैं। टी20 के बाद होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम की अगुवाई करेंगे।

रोहित और विराट कोहली दोनों ही पिछले साल अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद अपना पहला वनडे खेलेंगे। श्रीलंका में भी सबसे छोटे प्रारूप में बदलाव देखने को मिलेगा, जिसमें वनिन्दु हसरंगा की जगह चरिथ असालंका को कप्तान बनाया जाएगा जबकि क्रिस सिल्वरवुड की जगह सनत जयसूर्या को अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया है। वनडे सीरीज 2 अगस्त से शुरू होगी और कोलंबो में खेली जाएगी। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ सूर्यकुमार यादव फुल टाइम टी20 कप्तान की जिम्मेदारी संभाल रहे है। इस फॉर्मेट में सूर्या सिर्फ भारत ही नहीं दुनिया के सबसे तूफानी बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि वो कप्तानी के बाद अपने खेल में क्या बदलाव करते हैं। दूसरी तरफ गौतम गंभीर के लिए यह एक अच्छी शुरुआत करने का मौका है। सीरीज से पहले उन्होंने कई फैसले लिए हैं, जिसने उनके कार्यकाल में होने वाले बदलाव की झलक दिखाई है।

टी20 टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने श्रीलंका के खिलाफ खेले जाने वाले 3 मैचों की टी20आई सीरीज की शुरुआत से ठीक पहले प्रेस कांफ्रेंस किया। इस दौरान उन्होंने टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को लेकर बात की साथ ही उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व टी20 कप्तान रोहित शर्मा के बारे में भी टिप्पणी की। इसके अलावा उन्होंने टीम में बदलाव को लेकर भी अपनी बात सबके सामने रखी।

नहीं बदलेगा हार्दिक पांड्या का रोल

सूर्यकुमार यादव से पूछा गया कि आपके कप्तान बनने के बाद क्या टीम में हार्दिक पांड्या के रोल में किसी तरह का कोई बदलाव होगा। इसके बारे में उन्होंने कहा कि हार्दिक पांड्या हमारी टीम के लिए काफी अहम खिलाड़ी हैं और उनके रोल में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। वो टीम के लिए वैसी ही भूमिका निभाएंगे जिस तरह से निभाते आ रहे हैं। आपको बता दें कि हार्दिक पांड्या ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम के लिए ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था और टीम को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका अदा की थी। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि रोहित शर्मा एक लीडर हैं।

मैंने उनसे कप्तानी के बारे में बहुत कुछ सीखा है, मैं इस टी20 टीम में उनकी खेल शैली का अनुकरण करना चाहता हूं। उन्होंने हिटमैन के बारे में आगे कहा कि रोहित शर्मा कप्तान से ज्यादा लीडर थे और मैं इस टी20 टीम में यही करना चाहूंगा। आपको बता दें कि रोहित शर्मा ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब दिलाने के बाद टी20आई प्रारूप से संन्यास ले लिया था। सूर्या ने आगे कहा कि भारतीय टी20 टीम में ज्यादा कुछ नहीं बदला है सिर्फ कप्तान बदला है।

भारत बनाम श्रीलंका टी20 मैचों का शेड्यूल

27 जुलाई : पल्लेकेले में पहला टी20
28 जुलाई : पल्लेकेले में दूसरा टी20
30 जुलाई : पल्लेकेले में तीसरा टी20

भारत बनाम श्रीलंका वनडे मैचों का शेड्यूल

2 अगस्त : कोलंबो में पहला वनडे
4 अगस्त : कोलंबो में दूसरा वनडे
7 अगस्त : कोलंबो में तीसरा वनडे

पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के लिए पड़ी खाने की कमी, अमित पंघाल को बाहर से मंगानी पड़ी दाल-रोटी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत हो चुकी है। भारत के कई एथलीट्स पेरिस में बने खेल गांव पहुंच चुके हैं। खिलाड़ी अपनी तैयारी में जुट चुके हैं। हालांकि परदेस में खिलाड़ियो के लिए खाना एक चुनौती है। भारतीय एथलीट्स ने बताया कि न सिर्फ खाने के मामले में बल्कि स्टेडियम आने-जाने में भी उन्हें काफी परेशानी हो रही है।

खिलाड़ियों के जाने से पहले खत्म हो गया खाना

खेलगांव में खाने के लिए पांच अलग-अलग हॉल बनाए गए हैं जिसमें एशियन खाना, हलाल खाना और फ्रेंच खाना उपलब्ध है। हालांकि खाना पर्याप्त नहीं है। बैडमिंटन खिलाड़ी तनीषा क्रास्टो ने बताया कि वह 25 जुलाई को खाने के लिए हॉल में पहुंची। उन्हें पता चला की मेन्यू में राजमा है। हालांकि जब तक वह गई खाना खत्म हो चुका था।

अमित पंघाल ने बाहर से ऑर्डर किया खाना

भारतीय बॉक्सर अमित पंघाल को मनपसंद खाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने अपने सपोर्ट स्टाफ से डिमांड करनी की पड़ी कि वह दाल रोटी खाना चाहते हैं। वह पिछले काफी समय से ऐसी ही डाइट मेंटेन कर रहे हैं। इसी कारण उनके लिए बाहर से खाना ऑर्डर करना पड़ा।

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होंगे सीएम

केंद्र सरकार पर कथित भेदभाव का आरोप
तेलंगाना के अधिकारों को पहुंचाई ठेस : रेड्डी

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी केंद्र पर राज्य के अधिकारों को कथित रूप से चोट पहुंचाने और इसके लिए धनराशि जारी नहीं करने के विरोध में 27 जुलाई को दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने 24 जुलाई को विधानसभा में एक दिन की चर्चा के बाद पारित प्रस्ताव पर बहस के दौरान केंद्रीय बजट में राज्य के प्रति केंद्र सरकार के कथित भेदभाव के खिलाफ कहा था।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीति आयोग की बैठक 27 जुलाई को होगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में, मैं तेलंगाना के अधिकारों को ठेस पहुंचाने, तेलंगाना को मिलने वाले फंड को जारी न करने और तेलंगाना को मिलने वाली अनुमति न देने के लिए नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार कर रहा हूं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने विरोध के तहत नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार कर रही है और उम्मीद है कि मोदी संसद के चालू सत्र के दौरान आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 में तेलंगाना को दिए गए आश्वासनों और राज्य द्वारा किए गए अनुरोधों पर एक बयान जारी करेंगे और तदनुसार बजट में संशोधन करेंगे।

आश्वासनों और अनुरोधों में एक स्टील कारखाना और रेलवे कोच कारखाना स्थापित करना, सूचना प्रौद्योगिकी निवेश क्षेत्र (आईटीआईआर) को पुनर्जीवित करना, पलामुरू-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को अनुमति देना, शेष 2,400 मेगावाट के साथ एनटीपीसी बिजली संयंत्र का निर्माण और पूर्ण रूप से आदिवासी विश्वविद्यालय शुरू करना शामिल है।

संविधान के अनुसार भारत राज्यों का संघ है, इस बात को ध्यान में रखते हुए विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया था कि देश के सभी राज्यों का एकीकृत और समग्र विकास सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया कि केंद्र ने संघीय भावना को त्याग दिया है और कहा गया कि बजट में तेलंगाना के साथ अन्याय किया गया है।

चिकित्सा के क्षेत्र में तेलंगाना देश में अग्रणी : पोन्नम

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने वर्तमान स्वास्थ्य स्थितियों, हैदराबाद हेल्थ हब और अन्य विषयों पर बंजारा हिल्स में एक सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर दवाइयों के साथ खाना खाने के कारण हम बीमारियों से घिर जाते हैं। उन्होंने कहा कि उस समय विकाराबाद के पास एक छाती अस्पताल था, ऐसा कहा जाता था कि निजाम नवाब ने औषधीय पौधे लगाए थे। बिना किसी औषधि के प्रयोग के, वहां की हवा से बीमारियां गायब हो जाती थीं। दूषित भोजन और दवाएं खाने के बाद वायु प्रदूषण के कारण बीमारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में तेलंगाना देश में अग्रणी है। हमने एमबीबीएस डॉक्टरों को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाया है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे किसी भी देश में हमारे आस-पास पैदा होने वाली दवा का इस्तेमाल करने की स्थिति है। स्वास्थ्य के संबंध में डॉक्टर और वैज्ञानिक के रूप में, हम तेलंगाना में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि 30-40 साल से कम उम्र वालों की किडनी फेल होने के मामले आ रहे हैं। डायलिसिस के मामले ज्यादा आ रहे है। किसी भी बीमारी के लिए बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए शोध की जरूरत है। डॉक्टर भावी पीढ़ी की सेवा के लिए आये। मेडिकल टूरिज्म स्थापित करने की योजना चल रही है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदरा राजनरसिम्हा ने हैदराबाद में निर्माणाधीन इन 4 अस्पतालों की समीक्षा की है।

स्मिता सबरवाल की टिप्पणी गैर जिम्मेदाराना

मंत्री की नसीहत ऊंचे पदों पर बैठे लोग संयम से काम

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा ने सुझाव दिया कि जो लोग समाज में ऊंचे पदों पर हैं उन्हें संयम से काम लेना चाहिए और जो लोग सरकारी तंत्र का हिस्सा हैं। उन्हें इस मामले में अधिक सावधान रहना चाहिए। मंत्री कोंडा सुरेखा ने आल इंडिया सेवाओं में विकलांग व्यक्तियों के कोटा पर तेलंगाना राज्य वित्त आयोग की सदस्य सचिव और आईएएस अधिकारी स्मिता सबरवाल द्वारा की गई टिप्पणियों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों पर स्मिता सबरवाल की टिप्पणी गैर जिम्मेदाराना थी। मंत्री सुरेखा ने बताया कि ऊंचे पद पर रहकर परिणाम के बारे में सोचे बिना बोलना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह ध्यान में रख कर बोलना चाहिए कि उनकी बातों से समाज में किस तरह का संदेश जा रहा है।

मंत्री सुरेखा ने कहा कि स्मिता सबरवाल को इस बात का एहसास होना चाहिए कि शारीरिक क्षमता से ज्यादा महत्वपूर्ण मानसिक क्षमता होती है। मंत्री सुरेखा ने सुझाव दिया कि स्मिता सबरवाल को इस तथ्य पर ध्यान

देना चाहिए कि ऐसे कई महान लोग हैं जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से शारीरिक कमजोरी पर काबू पाया और इस दुनिया के लिए प्रेरणा बने। मंत्री सुरेखा ने साफ किया कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार में कोई भेदभाव नहीं होगा और सभी समुदायों के अधिकारों की रक्षा की जाएगी।

ध्वस्त सिंगरेनी क्वार्टर के निवासियों ने की केटीआर से मुलाकात

मांगी मदद, 82 आवासीय क्वार्टरों को कर दिया गया था ध्वस्त

करीमनगर, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ध्वस्त किए गए सिंगरेनी आवासीय क्वार्टरों के पीड़ितों ने शुक्रवार को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव से मदद मांगी। वे रामा राव से मिले, जो मेडिगड्डा जाते समय एनटीपीसी गेस्ट हाउस में थे। उल्लेखनीय है कि गोदावरीखानी कस्बे में लक्ष्मीनगर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के विकास के लिए सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के 82 आवासीय क्वार्टरों को ध्वस्त कर दिया गया था।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के समक्ष अपनी समस्याएं रखते हुए उन्होंने कहा कि सिंगरेनी के 82 आवासीय क्वार्टरों की बिजली और पानी की आपूर्ति काट कर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने नारे लिखी तख्तियां उठाईं कि स्थानीय विधायक राजा ठाकुर मक्कन सिंह तानाशाह की तरह काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 70 सालों में किसी भी जनप्रतिनिधि ने इस तरह का व्यवहार नहीं किया और उन्होंने रामा राव से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएं।

बीआरएस नेता ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

नलगोंडा के भारतीय सेना के जवान की असम में मौत

नलगोंडा, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मदारीगुडेम निवासी भारतीय सेना के जवान महेश की बीमारी के कारण मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, 24 वर्षीय महेश पिछले एक साल से असम में सेवारत थे। भारतीय सेना के अधिकारियों द्वारा महेश की मौत की सूचना उसके माता-पिता को दिए जाने पर गांव में शोक की लहर छा गई। बताया जा रहा है कि महेश बीमार हो गए थे और उन्हें कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार रात उनकी मौत हो गई। असम सरकार उनके पार्थिव शरीर को नलगोंडा भेजने की व्यवस्था कर रही है।

कांग्रेस के दोहरे मापदंड पर केटीआर ने उठाए सवाल

मुख्यमंत्री रेड्डी ने नीति आयोग के बहिष्कार का लिया है निर्णय

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठकों का बहिष्कार करने पर कांग्रेस के दोहरे मापदंड पर सवाल उठाया। उन्होंने जानना चाहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी प्रधानमंत्री से मिलकर बजट के मुद्दों पर उनसे बात क्यों नहीं करते? रामा राव ने कहा कि जब पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना से संबंधित उचित मुद्दों के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठकों का बहिष्कार किया था, तो कांग्रेस ने बीआरएस की आलोचना की थी और कई अन्य आरोपों के अलावा उस पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया था। उन्होंने रेवंत रेड्डी के फैसले के पीछे की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब कांग्रेस क्या कहेगी जब रेवंत रेड्डी खुद नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार कर रहे हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि छोटा भाई (रेवंत रेड्डी) प्रधानमंत्री से क्यों नहीं मिलना चाहता और राज्य से जुड़े बजट मुद्दों पर बात क्यों नहीं करना चाहता?

तेलंगाना फसल ऋण माफी में देरी

हरीश ने की कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने किसानों की कर्ज माफी में देरी करने के लिए तेलंगाना सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इससे कृषक समुदाय के लिए नई समस्याएं पैदा हो गई हैं। सरकार द्वारा ऋण माफी प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने में विफलता के कारण किसानों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ा है। 9 दिसंबर को किसानों का कर्ज माफ करने के वादे से मुकरने और सात महीने बाद प्रक्रिया शुरू करने से किसानों को अब नई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बैंकर किसानों से कह रहे हैं कि वे इन सात महीनों का ब्याज चुकाएं।

पूर्व मंत्री ने कहा कि अब किसान इस बात से चिंतित हैं कि उन्हें कर्जमाफी में हुई देरी के कारण ब्याज चुकाने के लिए नया कर्ज लेना पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत इस पर प्रतिक्रिया दे और स्पष्ट निर्देश जारी करे, जिससे दिसंबर से जुलाई तक का ब्याज किसानों को चुकाना होगा और किसानों को इस अतिरिक्त बोझ से मुक्ति मिलेगी। हरीश ने इस मुद्दे को रेखांकित करने के लिए विशिष्ट मामलों का हवाला दिया तथा किसानों से जबरन प्राप्त किए गए ऐसे भुगतानों की रसीदें भी साझा कीं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती मेदक जिले के नरसापुर निर्वाचन क्षेत्र के शिवमपेट मंडल के एक किसान को 9,000 रुपये ब्याज चुकाने के बाद अपना फसल ऋण बंद करना पड़ा।

पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के चिगुरुमामिडी मंडल के किसान भी ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने किसानों की अपील को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के पास भेजकर इस मुद्दे को सुलझाने तथा कृषक समुदाय में और अधिक संकट उत्पन्न होने से रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

देह व्यापार के आरोप में 3 गिरफ्तार

मंचेरियल में बचाई गईं 3 महिलाएं

मंचेरियल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बेल्लमपल्ली चौरास्ता में गुरुवार रात देह व्यापार के आरोप में एक लॉज के मालिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तीन महिलाओं को बचा लिया और उन्हें मंचेरियल स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर भेज दिया।

मंचेरियल इंस्पेक्टर आर बंसीलाल ने कहा कि कस्बे के सिरिपुरम श्रीनिवास, साईनाथ रेजीडेंसी के मालिक, बेल्लमपल्ली के थिप्पारावेनी अखिल और हाजीपुर मंडल के टिकनपल्ली के मेदिपटला अर्जुन को वेश्यावृत्ति कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने जब गुप्त सूचना के आधार पर लॉज पर छापा मारा तो वे अपराध करते हुए पकड़े गए। पूछताछ करने पर श्रीनिवास ने कबूल किया कि वह जल्दी पैसा कमाने के लिए लंबे समय से अपराध कर रहा था। उसने बताया कि वह जिले के विभिन्न हिस्सों से युवाओं को अपना निशाना बनाता था और महिलाओं को भारी रकम का लालच देकर देह व्यापार के लिए मजबूर करता था। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

अंडाल तिरुवदिपुरम उत्सवम 29 जुलाई से 7 अगस्त तक

तिरुमाला, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अंडाल अम्मावरी तिरुवदिपुरम उत्सव 29 जुलाई से 7 अगस्त तक तिरुपति के श्री गोविंदराज स्वामी मंदिर में आयोजित किया जाएगा। शुक्रवार को टीटीडी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि इस उत्सव के दिनों में शाम को श्री अंडाल अम्मावरी के लिए तिरुमंजनम और अस्थानम का प्रदर्शन किया जाएगा।

7 अगस्त को श्री अंडाल अम्मावरू के सत्तुमोरा के अवसर पर सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे तक श्री गोविंदराज स्वामी और श्री अंडाल अम्मावरू की उत्सव मूर्तियों का स्नेपना तिरुमंजनम किया जाएगा। शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक देवताओं को जुलूस के रूप में अलीपीरी ले जाया जाएगा और वहां मंदिर दरबार लगाया जाएगा। विशेष पूजा के बाद जुलूस अलीपीरी से मंदिर लौटेगा और रात 8 बजे श्री अंडाल अम्मावरू की उपस्थिति में सत्तूमोरा का अनुष्ठान किया जाएगा।

गुरुकुल में आठवीं कक्षा के छात्र की मौत

जगतियाल, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापुर गुरुकुल आवासीय विद्यालय के आठवीं कक्षा के एक छात्र की शुक्रवार को कथित तौर पर खराब स्वास्थ्य के कारण मौत हो गई। स्कूल अधिकारियों के अनुसार मेटपल्ली मंडल के पेद्दापुर गुरुकुल आवासीय विद्यालय में कक्षा आठ के छात्र आर गनाडिया (13) ने सुबह तबीयत खराब होने की शिकायत की। स्कूल प्रशासन ने उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

मंत्री की मदद से एपी का व्यक्ति सऊदी अरब से लौटा

सोशल मीडिया के जरिए पीड़ित ने लगाई थी मंत्री से गुहार

अमरावती, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में फंसा आंध्र प्रदेश का एक व्यक्ति राज्य के मानव संसाधन विकास और आईटी मंत्री नारा लोकेश के हस्तक्षेप के बाद शुक्रवार को स्वदेश लौट आया। अंबेडकर कोनासीमा जिले के रहने वाले सरेला वीरेंद्र कुमार हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां उनके परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। वीरेंद्र ने उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए मंत्री और टीडीपी एनआरआई फोरम को धन्यवाद दिया।

मंत्री लोकेश ने एनआरआई फोरम को वीरेंद्र की मदद करने का निर्देश दिया था, क्योंकि वीरेंद्र ने सोशल मीडिया पर अपनी दुर्दशा को उजागर करते हुए एक सेल्फी वीडियो पोस्ट किया था। अंबेडकर कोनसीमा जिले के अंबाजीपेटा मंडल के इसुकापुडी गांव के निवासी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें एक एजेंट ने धोखा दिया, जिसने उन्हें कतर में नौकरी दिलाने का वादा किया था। 10 जुलाई को कतर पहुंचने के बाद उन्हें सऊदी अरब भेज दिया गया। वीरेंद्र ने शिकायत की कि उसे रेगिस्तान में ऊंट चराने का काम करने के लिए कहा गया, लेकिन उसे कोई बुनियादी सुविधाएं नहीं दी गईं। उसने वीडियो में कहा कि वह खराब मौसम की स्थिति में टिक नहीं पा रहा है। उसने मंत्री से अपील की कि अगर उसकी मदद नहीं की गई तो वह मर जाएगा।

मंत्री ने वीरेंद्र कुमार की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी थी और उनकी मदद करने का वादा किया था। मंत्री ने पोस्ट किया था कि वीरेंद्र, हम आपको सुरक्षित घर वापस लाएंगे! चिंता मत करो! वीरेंद्र आंध्र प्रदेश के दूसरे व्यक्ति हैं जिन्हें राज्य मंत्री के हस्तक्षेप के बाद इस महीने बचाया गया है। इससे पहले कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने शिवा की मदद की थी, जो एक एजेंट द्वारा धोखा दिए जाने के बाद फंस गए थे। अन्नामय्या जिले के चमर्थी गांव के शिवा ने सोशल मीडिया पर अपना सेल्फी वीडियो पोस्ट किया था। वह नौकरी के लिए कुवैत गया था, लेकिन वहां पहुंचने पर उसे किसी सुनसान इलाके में मवेशियों की देखभाल करने के लिए कहा गया।

अपनी दुर्दशा बताते हुए शिवा ने कहा था कि अगर उसे कोई मदद नहीं मिली, तो उसके पास अपनी जान लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। मानव संसाधन विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश के निर्देश पर टीडीपी एनआरआई फोरम ने भारतीय दूतावास की मदद से उस व्यक्ति का पता लगाया और उसे घर भेज दिया।

तीर्थयात्रियों को स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य

टीटीडी ईओ ने कहा- खाद्य सुरक्षा उपायों के लिए प्रशिक्षित करेंगे अधिकारी

तिरुमाला, 26 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि टीटीडी का अंतिम लक्ष्य तिरुमाला आने वाले तीर्थयात्रियों को सस्ती और उचित कीमतों पर स्वच्छ, स्वस्थ और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराना है और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी जल्द ही टीटीडी अन्नप्रसादम के कर्मचारियों, होटल व्यवसायियों और अन्य विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा उपायों पर प्रशिक्षित करेंगे। शुक्रवार को गोकुलम रेस्ट हाउस के कॉन्फ्रेंस हॉल में टीटीडी ईओ की उपस्थिति में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ तिरुमाला में बड़े और जनता कैंटीनों के लिए जागरूकता बैठक आयोजित की गई।

खाद्य सुरक्षा विभाग के निदेशक पूर्णचंद्र राव ने खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली पर एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया, जिसमें तिरुमाला के सभी रेस्तरां और भोजनालयों में अपनाई जाने वाली स्वच्छता और सफाई संबंधी प्रथाओं, खाद्य खराब होने के भौतिक-रासायनिक-जैविक खतरों, भंडारण, अपशिष्ट निपटान योजना, खाद्य सुरक्षा कानूनों और अधिनियमों में उल्लंघन दंड, खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन के साथ होटल मालिकों और श्रमिकों को प्रशिक्षण, जो एक बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो खाद्य व्यापार ऑपरेटरों और कई अन्य संबंधित विषयों के लिए बहुत आवश्यक है।

ईओ ने कहा कि पीपीपी के बाद सभी बड़े और जनता कैंटीन संचालकों को 5 अगस्त तक अपने होटल के माहौल को खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार बदलने का समय दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी होटलों को व्यंजनों की मूल्य सूची को बिना किसी चूक के प्रदर्शित करना चाहिए। दिए गए समय के बाद, यदि कोई होटल मानदंडों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो गंभीर कार्रवाई शुरू की जाएगी।

ईओ ने यह भी कहा कि एपीटीडीसी द्वारा संचालित होटलों को अपने व्यंजनों की स्वच्छता, गुणवत्ता और मात्रा को इस तरह से बढ़ाना चाहिए कि वे तिरुमाला में अन्य कैंटीनों और होटलों के लिए आदर्श बन सकें। उन्होंने

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.